राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 76 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शुक्रवार ,17 सितम्बर 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

विराट कोहली ने किया कप्तानी छोड़ने का ऐलान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कप्तान विराट कोहली ने गुरुवार को टी20 विश्व कप के बाद टी20 प्रारूप की कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया है।

नए शिखर पर पहुंचा शेयर बाजार

मुंबई, (एजेंसी)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर सरकार के उत्पाद से जुड़े प्रोत्साहन पैकेज से उत्साहित निवेशकों की इंडसइंड बैंक, आईटीसी, एसबीआई और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में जबरदस्त लिवाली के बल पर गुरुवार को शेयर बाजार अब तक के नए शिखर 59 हजार अंक के पार पहुंच गया। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 417.96 अंक की छलांग लगाकर 59141.16 अंक के नए रिकॉर्ड पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 110.05 अंक उछलकर 17,629.50 अंक पर रहा।

चेन्नई एयरपोर्ट पर पकड़ी विदेशी मकड़ियों की खेप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चेन्नई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की टीम ने विदेश से लाई गई दुर्लभ मकड़ियों की एक बड़ी खेप बरामद किया है। अपनी सूचना के आधार पर चेन्नई एयर कस्टम की टीम ने एक पोस्टल पार्सल की जांच की और इसी दौरान टीम को यह सफलता मिली है। बताया जा रहा है कि यह पार्सल पोलैंड से फॉरेन पोस्ट ऑफिस तक पहुंचा था। यह पार्सल आंध्र प्रदेश के एक वाले एक युवक गजुल्का के पते पर भेजा गया था। इस पार्सल को खोलने पर थरमोकॉल का एक बक्शा मिला। इस बक्शे को कॉटेन और सिल्वर फॉयल से अच्छी तरह लपेटा गया था।

अक्टूबर में जम्मू-कश्मीर जाएंगे मोहन भागवत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ यानी आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत अगले महीने जम्मू-कश्मीर का दौरा करने वाले हैं। जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 और 35 ए के खत्म होने के बाद मोहन भागवत की यह पहली यात्रा है। सूत्रों की मानें तो मोहन भागवत 1 अक्टूबर से 3 अक्टूबर तक केंद्र शासित प्रदेश की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान प्रबुद्ध वर्ग के सदस्यों के साथ बातचीत करेंगे।

सूत्रों ने आगे कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में बुद्धिजीवियों के साथ बैठक के अलावा आरएसएस के सरसंघचालक भागवत का कार्यक्रम बहुत व्यस्त है, क्योंकि यह यात्रा दो साल से अधिक के अंतराल के बाद हो रही है।

हाईकोर्ट ने हटाई चारधाम यात्रा पर लगी रोक

नैनीताल, (एजेंसी)। उत्तराखंड से बड़ी खबर आई कि करीब ढाई महीने के गतिरोध के बाद चार धाम यात्रा पर लगी रोक हटा दी गई। अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में हाईकोर्ट ने कुछ प्रतिबंधों के साथ यह रोक हटा दी। 28 जून को हाईकोर्ट ने कोविड 19 संबंधी पर्याप्त इंतजाम न होने से उत्तराखंड की इस महत्वपूर्ण तीर्थ यात्रा पर रोक लगाई थी। इसे हटाने के लिए राज्य सरकार लगातार कोशिशें कर रही थी और राज्य में सियासत भी गरमा गई थी। पिछले दिनों सरकार के सुप्रीम कोर्ट से याचिका वापिस लेने के बाद उत्तराखंड हाईकोर्ट में इस मामले पर सुनवाई हो सकी और गुरुवार को हाईकोर्ट ने यात्रा का रास्ता साफ कर दिया।

24 मंत्रियों ने शपथ ली, नई मंत्रिपरिषद में रूपाणी नीत मंत्रिपरिषद का कोई सदस्य नहीं...

गुजरात में 'नई सरकार'

गांधीनगर, (एजेंसी)।

गुजरात में अगले वर्ष प्रस्तावित विधानसभा चुनावों से पहले एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए भारतीय जनता पार्टी ने बृहस्पतिवार को नवनियुक्त मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मंत्रिपरिषद में 24 नए सदस्यों को शामिल किया। इन नए मंत्रियों में 21 पहली बार मंत्री बने हैं। नए मंत्रिपरिषद में, निवर्तमान मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के मंत्रिपरिषद के किसी सदस्य को शामिल नहीं किया गया है। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने 10 कैबिनेट मंत्रियों और 14 राज्य मंत्रियों को शपथ दिलाई, जिनमें पांच स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री भी शामिल हैं। मंत्रिपरिषद में नए सदस्यों को शामिल किए जाने के साथ मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल नीत भाजपा सरकार में मंत्रियों की कुल संख्या बढ़ कर 25 हो गई। पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के नेतृत्व वाले पूर्ववर्ती मंत्रिपरिषद के किसी भी सदस्य को नए मंत्रिपरिषद में शामिल नहीं किया गया। शपथ लेने वालों में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र त्रिवेदी और पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जीतू वघानी शामिल हैं। रूपाणी के शनिवार को मुख्यमंत्री पद से अचानक इस्तीफा देने के बाद नए मंत्रिपरिषद का गठन किया गया है। कैबिनेट मंत्रियों के रूप में शपथ लेने वालों में राजेंद्र त्रिवेदी, जीतू वघानी, ऋषिकेश पटेल, पूर्णेश मोदी, राघवजी पटेल, कनुभाई देसाई, किरीट सिंह राणा, नरेश पटेल, प्रदीप परमार और अर्जुन सिंह चौहान शामिल हैं।

सीएम ने गृह, शहरी विकास अपने पास रखा

गुजरात के नवनियुक्त मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बृहस्पतिवार को नई मंत्रिपरिषद में विभागों का आवंटन किया और गृह सहित कई विभाग अपने पास ही रखे तथा कोई उपमुख्यमंत्री नियुक्त नहीं किया। उन्होंने कनुभाई देसाई को वित्त एवं ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल्स विभाग की जिम्मेदारी सौंपी है।

मंत्रिपरिषद में शामिल किए गए चेहरे उत्कृष्ट कार्यकर्ता: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में बृहस्पतिवार को मंत्री पद की शपथ लेने वाले नेताओं को बधाई दी और कहा कि सभी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उत्कृष्ट कार्यकर्ता हैं जिन्होंने सार्वजनिक सेवा और पार्टी के विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए अपना जीवन समर्पित किया है।

एससीओ की शिखर बैठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बैठक को संबोधित करेंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में शुक्रवार को आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की वार्षिक शिखर बैठक को डिजिटल माध्यम से संबोधित करेंगे। इस बैठक में अफगानिस्तान संकट, क्षेत्रीय सुरक्षा, सहयोग एवं सम्पर्क सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा होगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्री एस जयशंकर एससीओ की बैठक में हिस्सा लेने के लिए दुशांबे रवाना हो गए हैं। प्रवक्ता ने बताया, शिखर बैठक के बाद सम्पर्क बैठक (आटउरिच) होगी। इस दौरान अफगानिस्तान के मुद्दे पर चर्चा होगी। बागची ने बताया कि इसके अलावा क्षेत्रीय सुरक्षा, सहयोग एवं सम्पर्क सहित अन्य मुद्दों पर भी चर्चा होगी।

इससे पहले विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा था कि एससीओ परिषद के सदस्य देशों के प्रमुखों की 21वीं बैठक शुक्रवार को हाइब्रिड प्रारूप में दुशांबे में हो रही है जिसकी अध्यक्षता ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमान करेंगे। पीएम मोदी भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में शुक्रवार को आयोजित एससीओ की वार्षिक शिखर बैठक को डिजिटल माध्यम से संबोधित करेंगे।

कोरोना की तीसरी लहर के लिए अगले तीन महीने बेहद अहम, केंद्र ने दिया राज्यों को तैयार रहने का निर्देश

नई दिल्ली। कोरोना की तीसरी लहर को लेकर अगल तीन महीने अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर अहम साबित हो सकते हैं। नीति आयोग के सदस्य और टीकाकरण पर गठित टास्क फोर्स के प्रमुख डाक्टर वीके पाल ने इसकी चेतावनी देते हुए राज्यों से इसके लिए पूरी तरह तैयार रहने को कहा है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से इन दो महीने के त्योहारी सीजन के दौरान कोरोना गाइडलाइन के पालन की अपील की है। डाक्टर वीके पाल के अनुसार भारत में कोरोना की तीसरी लहर को लेकर लगाए गए सभी अनुमानों में अक्टूबर से लेकर दिसंबर के बीच इसके आने की आशंका जताई गई है। उन्होंने कहा कि भले ही देश में कोरोना संक्रमण की स्थिति बेहतर हुई हो और केरल में भी स्थिति में सुधार देखने को मिल रहा है, लेकिन तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए हमें अपनी तैयारियों में कोई कमी नहीं आने देनी चाहिए।

उन्होंने राज्य सरकारों से लेकर नगर निकायों तक को कोरोना की तीसरी लहर के मद्देनजर अस्पतालों में पर्याप्त बेड और अन्य तैयारियों को पूरा करने को कहा है। ध्यान देने की बात है कि तैयारी नहीं होने के कारण दूसरी लहर के दौरान देश भर में स्थिति गंभीर हो गई थी। ऐसे स्थिति से बचने और तीसरी लहर के लिए स्वास्थ्य ढांचे को तैयार करने के लिए केंद्र ने 23 हजार करोड़ रुपए के पैकेज की घोषणा की थी। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों इस पैकेज के अमल की समीक्षा की थी।

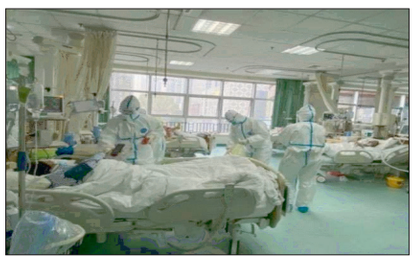

अस्पतालों में आक्सीजन उत्पादन प्लांट लगाने काम- तीसरी लहर के लिए तैयारियों के बारे में स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि देश भर के अस्पतालों में आक्सीजन उत्पादन प्लांट (पीएसए प्लांट) लगाने का काम तेजी से चल रहा है। अब तक 4,571 मीट्रिक टन आक्सीजन उत्पादन क्षमता के 3,631 प्लांट को स्वीकृति दी जा चुकी है। इनमें से 1491 प्लांट केंद्र सरकार के सहयोग से और 2140 प्लांट राज्यों व अन्य स्त्रोतों द्वारा लगाए जाने हैं। इन स्वीकृत प्लांट में से 2088 मीट्रिक टन क्षमता के 1595 प्लांट ने काम करना शुरू भी कर दिया है। चालू प्लांट में 731 केंद्रीय सहायता से और 864 राज्यों व अन्य स्त्रोतों से लगाए गए हैं। इसके अलावा जिला और ब्लाक स्तर पर कोविड बिस्तरों की संख्या बढ़ाने और इलाज के लिए जरूरी दवाओं का स्टाक भी तैयार किया जा रहा है।

20 फीसद आबादी को दोनों और 62 फीसद को कम से कम एक डोज

सरकार ने दिवाली तक देश के सभी व्यस्कों को वैक्सीन की कम से कम एक डोज देने का लक्ष्य रखा है। राज्यों को इसे हासिल करने के लिए कहा जा रहा है। अभी देश के 20 फीसद वयस्कों को वैक्सीन की दोनों डोज और 62 फीसद से अधिक को कम से एक डोज दी जा चुकी है। कोविन पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार गुरुवार की शाम तक देश में कम से कम एक डोज लेने वाले वयस्कों की संख्या 58 करोड़ से अधिक पहुंच गई है। देश में कुल वयस्क आबादी 93-94 करोड़ है। इस हिसाब से दीवाली तक सरकार को 35 से 36 करोड़ लोगों को वैक्सीन की कम से कम एक डोज देनी होगी।

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वैक्सीन की उपलब्धता को देखते हुए इस लक्ष्य को काफी हद तक हासिल किया जा सकता है। गुरुवार को राज्यों के पास केंद्र की ओर भेजे गए 5.33 करोड़ डोज का स्टाक था और 1.65 करोड़ डोज जल्द भेजे जाने हैं।

हरदीप सिंह पुरी बोले, नए सेंट्रल विस्टा पर होगी अगले गणतंत्र दिवस की परेड, शीतकालीन सत्र भी नए संसद भवन में होगा

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक फैले सेंट्रल विस्टा एवेन्यू का पुनर्विकास कार्य ढाई महीने के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के अनुसार 2022 में गणतंत्र दिवस परेड की मेजबानी के लिए परियोजना समय पर तैयार हो जाएगी। पुरी ने जोर देकर कहा कि अगले साल संसद का शीतकालीन सत्र नए संसद भवन में होगा।

पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने रक्षा मंत्रालय की जिस नई इमारत का उद्घाटन किया है वह सेंट्रल विस्टा परियोजना के अंतर्गत ही आती है। परियोजना की आलोचना पर उन्होंने कहा कि विपक्ष के किसी भी व्यक्ति ने अपने दिमाग का इस्तेमाल नहीं किया कि सरकार के वर्तमान स्थान का आर्किटेक्चर ब्रिटिश हुकूमत ने अपने लिए विकसित किया था, स्वतंत्र भारत के लिए नहीं। पुरी ने विश्वास जताया कि यह परियोजना समय पर पूरी हो जाएगी।

केंद्रीय मंत्री पुरी रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों के 7,000 से अधिक कर्मचारियों के लिए कस्तूरबा गांधी मार्ग और अफ्रीका एवेन्यू में दो नए बहुमंजिला भव्य कार्यालय परिसरों के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे।

पुरी ने कहा, मैं आपको (पीएम) आश्वासन देना चाहता हूं कि सेंट्रल विस्टा एवेन्यू का पुनर्विकास कार्य ढाई महीने में पूरा हो जाएगा, जहां गणतंत्र दिवस परेड (अगले साल) होगी। रक्षा मंत्रालय के कर्मचारियों के लिए दो नए कार्यालय परिसरों के बारे में बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन भवनों का निर्माण कार्य केवल 12 महीनों में पूरा किया गया है।

उन्होंने कहा कि इन दो नए कार्यालय भवनों के निर्माण में लाइट गेज स्टील फ्रेमिंग (एलजीएसएफ) तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने कहा, एलजीएसएफ प्रौद्योगिकी के तहत ऐसी इमारतों के लिए न्यूनतम 24 महीने की समय अवधि होनी चाहिए, लेकिन इसे घटाकर 12 महीने कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में 8,782 मीट्रिक टन स्टील और 7,920 मीट्रिक टन सीमेंट का उपयोग किया गया है।

पूर्व आईएएस अधिकारी के घर-दफ्तर पर छापे

सोनिया गांधी के साथ यूपीए सरकार में कर चुके हैं काम

नई दिल्ली ■ एजेंसी

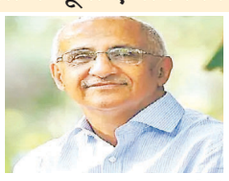

रिटायर्ड आईएएस अधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता हर्ष मंदर के नई दिल्ली स्थित घर और दफ्तर पर गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय ने छापेमारी की। ईडी की छापेमारी ऐसे समय में हुई है, जब हर्ष मंदर अपनी पत्नी के साथ जर्मनी गए हुए हैं।

हर्ष मंदर सोनिया गांधी के भी करीबी रह चुके हैं और पूर्व की यूपीए सरकार में सलाहकार परिषद के सदस्य भी थे। इस परिषद की चेयरमैन खुद सोनिया गांधी थीं।खबरों के मुताबिक, ईडी ने सुबह 8 बजे मंदर के वसंत कुंज स्थित घर और अधचिनी इलाके में उनके दफ्तर पर छापेमारी की। महरौली में हर्ष मंदर की तरफ से चलाए जा रहे चिल्ड्रेन होम पर भी ईडी छापेमारी की है। हर्ष मंदर गुरुवार तड़के साढ़े 3 बजे के आसपास एक फेलोशिप प्रोग्राम के लिए जर्मनी रवाना हुए थे। जर्मनी की रॉबर्ट बॉश एकेडमी में यह फेलोशिप होनी है।

जुलाई में एनसीपीसीआर ने हाईकोर्ट से कार्रवाई को कहा था

इसी साल जुलाई में नेशनल कमिशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (एनसीपीसीआर) ने दिल्ली हाईकोर्ट को यह कहा था कि वह मंदर से जुड़े दो चिल्ड्रेन होम पर कार्रवाई करे। दरअसल, प्रबंधन स्तर पर कई खामियां और उल्लंघन का पता लगने के बाद उसने हाईकोर्ट में यह सिफारिश की थी। एनसीपीसीआर ने जिन उल्लंघनों का जिक्र किया उनमे से यह भी था कि बाल गृह में रहने वाले बच्चों को जंतर-मंतर सहित कई प्रदर्शन स्थलों तक भी ले जाया जाता था।

सोनू सूद के घर फिर पहुंची आयकर विभाग की टीम

मुंबई, (एजेंसी)। बुधवार को सोनू सूद से जुड़े 6 परिसरों में सर्वे करने के बाद आयकर विभाग की टीम गुरुवार सुबह दोबारा एक्टर के घर पहुंची है। आयकर अफसर सूद के अकाउंट बुक से लेकर कमाई और खर्च जैसे आर्थिक दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। सूद के घर किए जा रहे सर्वे पर आम आदमी पार्टी ने नाराजगी जताई है।

सोनू सूद से जुड़ी संस्थाओं की जांच: ये सर्वे लखनऊ के बड़े कारोबारी अनिल सिंह से जुड़ा हुआ है। हाल ही में अनिल सिंह के दफ्तर पर भी इनकम टैक्स का छापा पड़ा है। सोनू सूद और अनिल सिंह कारोबार में पार्टनर बताए जा रहे हैं। आयकर विभाग की टीम उन सभी संस्थाओं की जांच कर रही है, जो सोनू सूद से जुड़े हुए हैं।

भारत की जमीन का इस्तेमाल करने की इजाजत किसी को नहीं, ब्लिंकन के बयान से उपजी गफलत पर सफाई

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच एक दूसरे की सैन्य मदद को लेकर तीन तरह के समझौते हैं, दोनों देशों के बीच अफगानिस्तान के हालात को लेकर लगातार विमर्श भी हो रहा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि भारत अमेरिका को अपनी धरती का इस्तेमाल अफगानिस्तान के खिलाफ खुलेआम करने देगा। विदेश मंत्रालय ने इस बारे में भारत का रुख गुरुवार को स्पष्ट किया। इस स्पष्टीकरण की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि दो दिन पहले अमेरिकी संसद में अफगानिस्तान के मुद्दे पर सुनवाई के दौरान विदेश सचिव एंटनी ब्लिंकन ने जो बयान दिया था उससे यह संदेश गया था कि भारत और अमेरिका के बीच इस तरह की बातचीत हो रही है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची के मुताबिक, हमें कोई भी दबाव में नहीं ले सकता। मेरे ख्याल से हम दोनों (भारत व अमेरिका) एक दूसरे पर इस बारे में दबाव नहीं बना सकते। मैं विदेश मंत्री ब्लिंकन के बयान पर कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन जैसा मीडिया में बताया जा रहा है वैसा उन्होंने नहीं कहा है। वैसे अफगानिस्तान में जो कुछ हो रहा है उसको लेकर हम अमेरिका के साथ लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत और अमेरिका के बीच एक दूसरे की सैन्य मदद को लेकर तीन तरह के समझौते हैं। इसमें यह समझौता भी है कि दोनों देश एक दूसरे के सैन्य ठिकानों का आपसी समझ से इस्तेमाल कर सकते हैं।

भारत को यह बयान इसलिए देना पड़ा क्योंकि गुरुवार को कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मीडिया में यह खबर आई कि अमेरिका भारतीय ठिकानों से अफगानिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने की सोच रहा है और इस बारे में दोनों देशों के बीच बातचीत हो रही है। असलियत में अमेरिकी संसद में सुनवाई के दौरान जब ब्लिंकन से यह पूछा गया था कि क्या अमेरिका भारत के साथ संपर्क में है कि किस तरह अफगानिस्तान के आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया जाए, तो उनका जबाव था कि मैं बस यह कहना चाहूंगा कि हम भारत के साथ लगातार करीबी स्तर पर बातचीत कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के साथ अमेरिकी रिश्तों की पुर्नसमिक्षा करने की बात भी कही थी।

बागची ने बताया कि 24 सितंबर, 2021 को अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलिया के प्रमुखों की क्वाड के तहत होने वाली बातचीत से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच द्विपक्षीय वार्ता होगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी इस दौरान अमेरिका पहुंच रहे हैं। माना जा रहा है कि अफगानिस्तान से जुड़े सुरक्षा हालात को लेकर दोनों देशों में तब अहम विमर्श होगा।

रूस ने स्पुतनिक लाइट वैक्सीन से निर्यात प्रतिबंध हटाने का भारत से किया आग्रह

नई दिल्ली । रूस ने सिंगल डोज कोविड वैक्सीन स्पुतनिक लाइट की शेल्फ लाइफ बीतने से बर्बाद होने की आशंका का हवाला देते हुए भारत सरकार से उसके निर्यात से प्रतिबंध हटाने का आग्रह किया है। भारत में स्पुतनिक लाइट वैक्सीन का उत्पादन हेटेरो बायोफार्मा द्वारा किया जाता है। यह कंपनी वैक्सीन उत्पादन में रूस के प्रत्यक्ष निवेश कोष भागीदारों में से एक है। यह कंपनी स्पुतनिक वी की दस लाख और स्पुतनिक लाइट की बीस लाख डोज बना चुकी है। कंपनी का इरादा आगे भी इसका उत्पादन जारी रखने का है।

बड़ी संख्या में स्पुतनिक लाइट की डोज बर्बाद होने का है डर

रूसी राजदूत निकोले कुदाशेव ने केंद्र को यह जानकारी देते हुए निर्यात की अनुमति देने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि स्पुतनिक लाइट वैक्सीन को भारत के दवा नियामक से आपातकालीन उपयोग की जब तक मंजूरी नहीं मिलती तब तक इसके निर्यात की मंजूरी दे देनी चाहिए। इस वैक्सीन की शेल्फ लाइफ केवल छह महीने है। ऐसे में बड़ी संख्या में स्पुतनिक लाइट की डोज बर्बाद हो सकती हैं।

उन्होंने कहा कि रूसी वैक्सीन के भारतीय निर्माता प्रतिबंध से हतोत्साहित है। प्रतिबंध के चलते यह वैक्सीन न तो भारत में किसी को लगाई जा पा रही है और न ही इसकी निर्यात हो पा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शीर्ष सूत्रों ने पुष्टि की है कि सरकार ने अभी तक रूस के अनुरोध का जवाब नहीं दिया है। जल्द ही कोई निर्णय लिया जा सकता है।

बता दें कि ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने भारत में रूस की स्पुतनिक लाइट वैक्सीन के तीसरे चरण के ट्रायल की इजाजत दे दी है। मालूम हो कि यह सिंगल डोज वैक्सीन है जिसके बाद दूसरे डोज की जरूरत नहीं होगी। भारत में अभी जितनी भी वैके सीन लगाई जा रही हैं उनकी दो डोज लगवानी पड़ती है।

झमाझम | **यूपी में मूसलाधार बारिश ने ढाया कहर, अलग-अलग हादसों में 45 लोगों की मौत**

दो दिन स्कूल-कॉलेज बंद रखने का आदेश जारी

लखनऊ ■ एजेंसी

यूपी में लगातार दो दिनों से हो रही बारिश ने जनजीवन अस्तव्यस्त कर दिया है। पिछले 24 घंटे में 45 लोगों की मौत हो गई है। कई स्थानों पर पेड़-पोल और मकान धराशायी हो गए हैं। इसे देखते हुए यूपी सरकार ने अगले दो दिनों यानी शनिवार तक प्रदेश के सभी स्कूल कॉलेजों को बंद रखने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यालय की ओर से इस बाबत सूचना जारी की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के मौसम में यह बदलाव मध्य प्रदेश व आसपास केंद्रित कम हवा के दबाव क्षेत्र की वजह से आया है। बीते 24 घंटे से प्रदेश में मानसून सक्रिय है। 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चली। इस वजह से तमाम इलाकों में पेड़, खंभे और मकानों की दीवारें गिरने की घटनाएं हुईं। राज्य में बदली बारिश का यह सिलसिला अलग-अलग इलाकों में 19 सितंबर तक जारी रहने के आसार हैं।

ओएचई लाइन टूट जाने से कई ट्रेनों के पहिए थमे

मूसलाधार बारिश ने कहर ढा दिया है। गुरुवार को जगह-जगह मकान, दीवार, पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए। रेलवे ट्रैक पर ओएचई लाइन टूट जाने से कई ट्रेनों के पहिए थम गए। विमान सेवा बाधित हुई। बिजली व्यवस्था चरमरा गई। इसमें 45 लोगों की मौत हो गई है। कई घायल हैं। सबसे ज्यादा नुकसान लखनऊ समेत अवध क्षेत्र में हुआ है। यहां 18 लोगों की जान चली गई। वहीं, प्रयागराज, कौशाम्बी व प्रतापगढ़ में 14, मध्य यूपी व बुंदेलखंड में सात और पूर्वांचल में छह लोगों की मौत हुई है। लखनऊ के मोहिबुल्लापुर स्टेशन पर जलभराव में डूबने से दो बच्चों की और अलीगंज में बिजली का झटका लगने से एक बच्चे की जान चली गई। निगोहा में एक घर, मोहनलालगंज में तहसील की छत समेत आधा दर्जन घरों की दीवारें ढह गईं। लखनऊ का दो तिहाई हिस्सा जलमग्न हो गया। मानकनगर में ट्रैक पर पानी भरने से कानपुर से आने-जाने वाली ट्रेनें उत्तर रेलवे के ट्रैक से गईं। जिले में बिजली का हाहाकार रहा।

हादसे का शिकार होते-होते बची साबरमती ट्रेन

बाराबंकी के बसायगपुर मजरा ढेमा, खुशेहटी, महमूदपुर मजरे टिकरा घाट और जेठौती कुर्मियान गांव में दीवार व कच्चे मकान गिरने से पिता-पुत्र समेत पांच लोगों की मौत हो गई है। पेड़ टूटने से लखनऊ-अयोध्या नेशनल हाईवे पर डेढ़ घंटे से अधिक जाम लगा रहा। रेलवे ट्रैक पर पेड़ गिरने से साबरमती ट्रेन हादसे का शिकार होते-होते बची। रायबरेली के पोरई, टिकरिया व जायस गांव में सात साल की बच्ची व दो महिलाओं की मौत हो गई।

हैती में राजनीतिक उथल-पुथल तेज, राष्ट्रपति की हत्या में संदिग्ध प्रधानमंत्री; बदला गया न्याय मंत्री

हैती। हैती सरकार में राजनीतिक उथल-पुथल तेज हो गई है। राष्ट्रपति जोवेनेल मोइसे की हत्या के मामले में प्रधानमंत्री संदिग्धों की लिस्ट में हैं। क्योंकि मगंलवार को प्रधानमंत्री एरियल हेनरी के खिलाफ एक न्याययाधीश से राष्ट्रपति की हत्या के लिए मुकदमा चलाने का अनुरोध किया गया था। साथ ही उन्होंने हेनरी के विदेश जाने पर रोक लगाने की अपील की थी। इस बीच अब खबर है कि प्रधानमंत्री ने न्याय मंत्री को बदल दिया है। न्याय मंत्री राकफेलर विंसेंट की जगह आंतरिक मंत्री लिस्ट्ट क्लिटल को नियुक्त किया गया है। वहीं माना जा रहा है कि न्याय मंत्री ने यह कहते हुए पद छोड़ दिया कि वह राष्ट्रपति जोवेनेल मोइस की हत्या में संदेह में आने के बाद कार्य नहीं कर सकते हैं।

वहीं हैती के मंत्रिपरिषद के महासचिव के रूप में चार साल से अधिक समय तक सेवा करने वाले रेनाल्ड लुबेरिस का इस्तीफा भी प्रधानमंत्री को न्याय मंत्रालय के पूर्व अधिकारी से जोड़ने वाले नए सबूत सामने आने के बाद आया है। जो जांच करता है कि राष्ट्रपति की हत्या के पीछे मुख्य संदिग्धों में न्याय मंत्री का नाम शामिल है।

वहीं अभियोजकों का कहना है कि फोन रिकार्ड से पता चला है कि दोनों ने 7 जुलाई को सुबह 4 बजे के आसपास दो बार बात की थी। बता दें कि 53 वर्षीय हैती के राष्ट्रपति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनके निजी आवास पर कुछ बदमाशों ने उन पर धावा बोल दिया था। वहीं प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति की हत्या में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है।

तालिबान का खौफ: लड़ाकों से जान बचाने के लिए छुपती फिर रही थीं महिला फुटबाल खिलाड़ी

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान में तालिबान का राज होने के बाद से महिलाओं में खौफ का माहौल है। खासतौर पर कामकाजी महिलाओं को धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। महिला खिलाड़ियों को भी धमकियों से जूझना पड़ रहा है। इन धमकियों से तंग आकर 32 महिला फुटबाल खिलाड़ियों ने देश छोड़ दिया। वे अपने परिवारों के साथ तोरखम सीमा के रास्ते मंगलवार रात पाकिस्तान पहुंचीं। पाकिस्तान ने मानवीय आधार पर वीजा जारी किया था। अफगानिस्तान से लगती यह सीमा पैदल आवाजाही के लिए खोली गई है।

राष्ट्रीय जूनियर बालिका टीम को कतर जाना था

डान अखबार में बुधवार को छपी खबर के अनुसार, राष्ट्रीय जूनियर बालिका टीम की इन खिलाड़ियों को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत कतर जाना था, जहां अफगान शरणार्थियों को 2022 फीफा विश्व कप के एक स्टेडियम में रखा गया है। लेकिन ये अफगान महिला खिलाड़ी काबुल एयरपोर्ट पर गत 26 अगस्त को हुए बम धमाके के कारण देश से बाहर नहीं जा सकी थीं। इस बम धमाके में 13 अमेरिकी सैनिकों और 170 अफगान नागरिकों की मौत हो गई थी। डान के मुताबिक, फुटबाल खेलने के कारण इन अफगान महिलाओं को तालिबान की धमकियों का सामना करना पड़ रहा था। गत अगस्त में अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के काबिज होने के बाद से ये महिला खिलाड़ी इस संगठन के लड़ाकों से जान बचाने के लिए छुपती फिर रही थीं।

एनजीओ की पहल पर निकासी

ब्रिटेन के गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) फुटबाल फार पीस ने सरकार और पाकिस्तान फुटबाल महासंघ (पीएफएफ) की मदद से इन 32 महिला खिलाड़ियों को पाकिस्तान लाने की पहल की। इन खिलाड़ियों को लाहौर स्थित पीएफएफ मुख्यालय में रखा जाएगा। हालांकि पीएफएफ को फीफा से मान्यता प्राप्त नहीं है।

चीन की डेल्टा वैरिएंट ने की स्थिति खराब, दो गुना हुए कोरोना के मामले, कुछ स्थानों पर लगाया गया लाकडाउन

बीजिंग। कोरोना के डेल्टा वैरिएंट ने दक्षिण पूर्व चीन के शहरों में हालत खराब कर दी है। फूजियान प्रांत में कोरोना तेजी से बढ़ रहा है। यहां यात्रा संबंधी पाबंदियों को कड़ा कर दिया गया है। चीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार चार दिन में फूजियान प्रांत में कोरोना के मरीजों की संख्या 59 से 102 पहुंच गई है। यहां जियामेन और पुतिन शहर में कोरोना तेजी से बढ़ा है। इन दोनों ही शहरों में कुछ स्थानों पर लाकडाउन लगा दिया गया है। पुतिन शहर से ही फूजियान प्रांत में कोरोना की शुरूआत हुई है। बढ़ते कोरोना के कारण चीन ने कई शहरों में ट्रेन सेवाओं के साथ ही कुछ नियमित उड़ानों को भी रोक दिया है। कोरोना के कारण चीन के एयर ट्रेफिक में अगस्त माह में 51.5 फीसद की गिरावट दर्ज की गई। इधर प्रेट्र के अनुसार, ब्रिटेन ने घोषणा की है कि वह अगले सप्ताह से पचास साल से ऊपर की उम्र के लोगों को बूस्टर डोज देना शुरू कर देगा।

पाक पीएम की खीझ:इमरान बोले- बाइडेन से पूछिए कि वो मुझे फोन क्यों नहीं करते, अफगानिस्तान को बाहर से कंट्रोल नहीं किया जा सकता

वेंकुवर। जो बाइडेन को अमेरिकी राष्ट्रपति बने 8 महीने हो गए। उन्होंने दुनिया के लगभग हर राष्ट्राध्यक्ष को फोन किया, लेकिन पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को अब तक प्रेसिडेंट बाइडेन के फोन का बेसब्री से इंतजार है। तमाम कोशिशों के बावजूद जब अमेरिकी राष्ट्रपति का कॉल इमरान खान नियाजी को नहीं मिला तो वे खीझ में नजर आते हैं। एक इंटरव्यू में जब इमरान से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा- क्या बाइडेन इतने बिजी हैं कि मुझे फोन नहीं कर पाते। अफगानिस्तान के मसले पर इमरान ने कहा कि तालिबान को वक्त देने की जरूरत है ताकि वो मसलों का दुरुस्त कर सके। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने अमेरिका का नाम लिए बिना साफ कहा कि अफगानिस्तान को दुनिया की कोई ताकत बाहर से नहीं चला सकती।

इमरान ने रात प्रोग्राम 'कनेक्ट द वर्ल्ड' की होस्ट बेकी एंडरसन

को इंटरव्यू दिया। तालिबान की हुकूमत पर पूछे एक सवाल के जवाब में कहा- जरूरत ये है कि इस हुकूमत की मदद की जाए, उसे फायदा पहुंचाया जाए ताकि मसला हल हो सके। अफगानिस्तान को बाहर से कंट्रोल करने की कोशिश नहीं होनी चाहिए, क्योंकि ये कभी कामयाब नहीं होंगी। उम्मीद करते हैं कि 40 साल बाद अब वहां अमन कायम होगा। तालिबान खुद कह रहे हैं कि वो सबको साथ लेकर सरकार चलाना चाहते हैं, महिलाओं को हक देना चाहते हैं।

इमरान ने हामिद करजई, अशरफ गनी और अमेरिका का नाम तो नहीं लिया, लेकिन इशारों में साफ कर दिया कि वो कहना क्या चाहते हैं। इमरान ने कहा- अफगानिस्तान ने कठपुतली सरकारें भी देख लीं। क्या हुआ? वो सरकारें नाकाम रहीं। अब नई हुकूमत को दुनिया की मदद की जरूरत है। पुरानी गलतियां मत दोहराइए। अगर तालिबान नाकाम रहे तो फिर क्या होगा, ये सोचकर भी डर लगता है।

माडर्ना का दावा- समय के साथ कम हो जाता है कोरोना वैक्सीन का प्रभाव, बूस्टर डोज की जरूरत

शिकागो। कोरोना महामारी के खिलाफ दुनियाभर में जंग जारी है। कोरोना के खिलाफ वैक्सीन को सबसे बड़ा हथियार माना जा रहा है। इस बीच माडर्ना की कोरोना वैक्सीन को लेकर एक नया अध्ययन सामने आया है। इसमें पाया गया है कि वैक्सीन से मिलने वाली कोरोना के खिलाफ सुरक्षा समय के साथ कम हो जाती है। इसलिए बूस्टर डोज की जरूरत की बात कही गई है। कोरोना के खिलाफ वैक्सीन सबसे बड़ा हथियार है। कोरोना वैक्सीन से मिलने वाली सुरक्षा कितने समय तक रहती है इसको लेकर दुनिया़भर में बहस जारी है। इस बीच माडर्ना ने कहा है कि उसकी वैक्सीन का प्रभाव समय के साथ कम हो जाता है ऐसे में बूस्टर डोज की जरूरत है।

समाचार एजेंसी की खबर के मुताबिक, माडर्ना ने यह बात ताजा अध्यय के आधार पर कही है,

जिसे बुधवार को सबके सामने रखा गया। माडर्ना के अध्यक्ष स्टीफन होज ने कहा कि यह सिर्फ एक अनुमान है। लेकिन आशंका है कि सुरक्षा कम होने की वजह से 600,000 कोविड केस अधिक देखने पड़ सकते हैं।

यह आंकड़ा सिर्फ अमेरिका को आधार बनाकर दिया गया है। होज ने यह नहीं बताया कि इसमें गंभीर केस कितने होंगे। लेकिन यह दावा किया कि हास्पिटल में मरीजों की संख्या बढ़ सकती है।

डेल्टा वैरिएंट से सुरक्षित रखने में यह वैक्सीन है ज्यादा असरदार

कोरोना का डेल्टा वैरिएंट इस समय पूरी दुनिया के लिए चिंता का कारण बना हुआ है। अध्ययनों में दावा किया जा रहा है कि वैक्सीन लेने वाले लोगों में कोरोना के इस घातक वैरिएंट का खतरा कम हो सकता है, हालांकि कौन सी वैक्सीन डेल्टा वैरिएंट पर ज्यादा असरदार है, इसको लेकर अब भी शोध जारी है। इसी से संबंधित, यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने अपने हालिया अध्ययन में बताया कि डेल्टा वैरिएंट्स से सुरक्षा देने में फाइजर और जॉनसन एंड जॉनसन वैक्सीन के मुकाबले माडर्ना की वैक्सीन ज्यादा असरदार हो सकती है।

तालिबान सरकार को मान्यता देने को उतावला हुआ पाक, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मंत्री ने इमरान से लगाई गुहार

पेशावर। पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा प्रांत अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के पक्ष में खुलकर उतर आया है। इस प्रांत की सरकार ने कहा कि तालिबान सरकार को मान्यता देने को लेकर उसका पूरा समर्थन है। पाकिस्तानी अखबार डान ने प्रांत के आवास मंत्री अमजद अली खान के हवाले से कहा, हमें (पाकिस्तान) तालिबान सरकार को मान्यता और पूरा समर्थन देना चाहिए। उन्होंने देश की संघीय सरकार से तालिबान सरकार को मान्यता देने का आग्रह किया है। अमजद अली खान ने यह दावा किया कि अफगान नागरिकों ने तालिबान का स्वागत किया है। खैबर पख्तूनख्वा के मंत्री ने विश्व समुदाय से अफगानिस्तान की मानवीय मदद बहाल करने की अपील की है। बता दें कि अफगानिस्तान की सत्ता में तालिबान की वापसी में पाकिस्तान की अहम भूमिका रही है।

उसने दुनिया से इस संगठन की सरकार के साथ जुड़ाव स्थापित करने का आग्रह किया है। उधर तालिबान के सरकार गठन की प्रक्रिया में इमरान सरकार की दखलंदाजी और आतंकी संगठनों से रिश्ते उजागर होने के बाद अमेरिका ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ रिश्तों की नए सिरे से समीक्षा करने का फैसला किया है। इससे अमेरिका और पाकिस्तान के बीच संबंध और खराब हो सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने पाकिस्तान को आगाह किया कि वह तालिबान को मान्यता देने में जल्दबाजी नहीं दिखाए।

पोप ने दुनिया से कोरोना का टीका लगवाने का किया आग्रह

कहा- वैक्सीन मानवता की मित्र है

रोम। दुनिया के सबसे बड़े कैथोलिक धर्मगुरू पोप फ्रांसिस ने दुनिया से कोरोना का टीका लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वह इस बात से हैरान हैं कि रोमन कैथोलिक चर्च पदानुक्रम में कुछ कार्डिनल सहित इतने सारे लोगों ने कोविड-19 के खिलाफ टीका लगाने से इनकार क्यों कर दिया। उन्होंने स्लोवाकिया से लौट रहे विमान में एक रिपोर्टर के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि वैक्सीन हिचकिचाहट के कारणों के बारे में यह थोड़ा अजीब है क्योंकि मानवता का टीकों के साथ दोस्ती का इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों के रूप में (हमें टीका लगाया गया था) खसरा, पोलियो का टीका सभी बच्चों को टीका लगाया गया था और किसी ने कुछ नहीं कहा।

पोप फ्रांसिस जिन्हें कोविड के खिलाफ टीका लगाया गया है, उन्होंने अक्सर दूसरों से आम अच्छे के लिए टीका लगाने का आग्रह किया है। विमान में उन्होंने कहा कि शायद कुछ लोग पहले डरे हुए थे क्योंकि विभिन्न टीके उपलब्ध थे और कुछ आसुत जल से थोड़ा अधिक निकले। उन्होंने किसी वैक्सीन का नाम नहीं

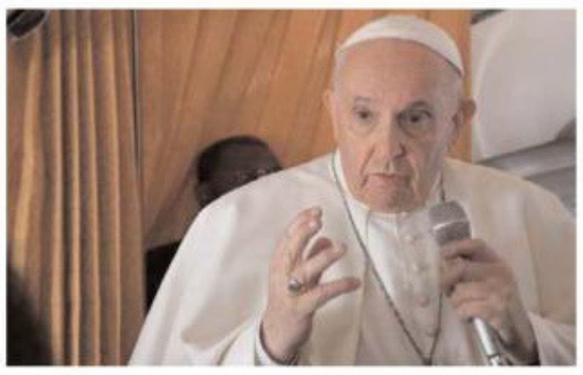

लिया। उन्होंने कहा कियहां तक कि कार्डिनल्स कालेज में भी कुछ वैक्सीन विरोधी हैं। लेकिन उनमें से एक को वायरस से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ये जीवन की विडंबनाएं हैं। फ्रांसिस ने किसी कार्डिनल के नाम का जिक्र नहीं किया। कार्डिनल रेमंड बर्क एक रूढ़िवादी और एक टीका संशयवादी को पिछले महीने अमेरिका में वायरस से संक्रमित होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुछ रूढ़िवादी वैक्सीन विरोधी बिशप विशेष रूप से अमेरिका में, उन्होंने कहा है कि कैथोलिकों को धार्मिक आधार पर टीके के प्रति ईमानदार आपत्ति का दावा करने की संभावना होनी चाहिए। लेकिन पोप ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इससे असहमत हैं, उन्होंने कभी भी विकल्प का उल्लेख नहीं किया।

वैक्सीन सप्लाई के लिए ग्लोबल हब बनने की तैयारी में जुटा इंडोनेशिया, डब्ल्यूएचओ सहित छह दवा कंपनियों के साथ बातचीत

जकार्ता। इंडोनेशिया वैक्सीन सप्लाई करने के लिए ग्लोबल हब बनने की तैयारी में जुट गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसके लिए इंडोनेशिया विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ छह दवा कंपनियों के साथ बातचीत कर रहा है। ताकि टीकों के निर्माण का वैश्विक केंद्र बन सके। यहां के स्वास्थ्य मंत्री ने यह जानकारी दी है।पहली बार महत्वाकांक्षी रणनीति का विवरण देते हुए स्वास्थ्य मंत्री बुडी गुनादी सादिकिन ने एक साक्षात्कार में बताया कि इसके लिए इंडोनेशिया उन कंपनियों से टीकों की खरीद को प्राथमिकता देकर पहल शुरू करेगा, जो प्रौद्योगिकी साझा करती हैं और इंडोनेशिया में सुविधाएं स्थापित करती हैं। मंत्री ने बताया कि इसके लिए वह विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं ताकी एमआरएनए ग्लोबल मैन्युफैक्चर का हिस्सा बन सके।

स्वास्थ्य मंत्री बुडी गुनादी सादिकिन ने बताया कि इसके लिए इस महीने की शुरुआत में यूरोप की यात्रा पर डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनाम घेब्येयियस से भी पैरवी की है। मंत्री ने बताया, डब्ल्यूएचओ ने दक्षिण अफ्रीका को पहले स्थान के रूप में इंगित किया है। जबकि

मैंने कहा कि इंडोनेशिया को दूसरे स्थान पर होना चाहिए।इसके साथ ही आगे कहा कि न्यूज टैक्नोलाजी हब वैक्सीन उत्पादन को अधिक व्यापक रूप बढ़ाने और विकासशील देशों में माडर्न और फाइजर के न्यूक्लिक एसिड-आधारित एमआरएनए जैब्स जैसी नई पीढ़ी के लिए टीके बनाने की क्षमता बनाना डब्ल्यूएचओ की रणनीति का हिस्सा हैं। इससे कोरोना के नए वैरिएंट से लड़ने में इस्तेमाल किया जा सकता है।

वहीं डब्ल्यूएचओ के एक प्रवक्ता ने कहा कि इंडोनेशिया 25 निम्न और मध्यम आय वाले देशों में से एक है, जिसने वैक्सीन हब बनने की इच्छा जाहिर की है, लेकिन यह कहने से इनकार कर दिया कि क्या यह एक प्रमुख उम्मीदवार है। वहीं इंडोनेशिया के स्वास्थ्य मंत्री बुडी गुनादी ने कहा कि दुनिया भर में टीकों का निर्यात करने के लिए अच्छी तरह से उनका देश तैयार है।

जलवायु परिवर्तन से बदल रहे अंगों के आकार, गर्म खून वाले जानवरों में देखे जा रहे हैं ऐसे बदलाव

वाशिंगटन। जलवायु परिवर्तन के कारण धरती के बढ़ते तापमान के दुष्परिणाम चहुंओर दिख रहे हैं। मौसम, फसल और स्वास्थ्य को लेकर कई सारे अध्ययन हो चुके हैं। अब एक नए अनुसंधान में सामने आया है कि बढ़ते तापमान की वजह से कुछ गर्म खून वाले प्राणियों (वार्म ब्लडेड एनिमल्स) में अंगों के आकार भी बदलने लगे हैं। शरीर के तापमान को रेगुलेट करने के लिए चोंच, पैर और कान के आकार बड़े होने लगे हैं। यह अध्ययन 'ट्रेंड्स इन इकोलाजी एंड इवोल्यूशन' नामक जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

जलवायु परिवर्तन सिर्फ इंसानों की ही समस्या नहीं है, बल्कि अन्य प्राणियों को भी उसके अनुकूल ढालना होता है। आस्ट्रेलिया की डीकिन यूनिवर्सिटी की पक्षी विज्ञानी सारा राइडिंग का कहना है कि जलवायु परिवर्तन को लेकर मुख्यधारा की मीडिया में बहुत चर्चाएं होती हैं। सवाल उठाया जाता है कि इंसान इससे निपट पाएगा या नहीं या किस तकनीकी से इस समस्या का समाधान हो पाएगा। ऐसे में इस बात को अहमियत देनी होगी कि पशु-पक्षियों को इन बदलावों के सापेक्ष खुद को अनुकूलित करना पड़ रहा है। उनमें बदलाव हो रहे हैं, लेकिन ये बदलाव विकासवाद के किसी भी कालखंड की तुलना में बहुत तेजी से हो रहे हैं। मतलब कम समय में ज्यादा या बड़े

बदलाव दिखने को मिल रहे हैं।

अनुकूलन का बढ़ रहा जबरदस्त दबाव

राइडिंग ने कहा है कि इंसानी गतिविधियों के कारण हो रहे जलवायु परिवर्तन से अन्य प्राणियों पर भी जबरदस्त दबाव बढ़ा है। इनमें से कुछ प्रजातियों में अनुकूलन हो रहा है और कुछ ऐसे भी हैं, जो बचेंगे ही नहीं। उनका कहना है कि जलवायु परिवर्तन एक जटिल और बहुआयामी घटना है, जो निरंतर जारी है। ऐसे में आकार में हो रहे बदलाव का कोई एक सटीक कारण बताना कठिन है। लेकिन ये बदलाव व्यापक भौगोलिक क्षेत्रों में और विविध प्रकार की प्रजातियों में हो रहे हैं, जिनमें जलवायु परिवर्तन के अलावा कुछ भी समान नहीं है।

पक्षियों में दिख रहे बड़े बदलाव

अंगों के आकार में सबसे ज्यादा बदलाव पक्षियों में देखे जा रहे हैं। आस्ट्रेलियाई तोतों की कई प्रजातियों में 1871 से लेकर अब तक उनकी चोंच के आकार में चार से 10 फीसद तक की वृद्धि पाई गई है। खास बात यह कि इसका संबंध हर वर्ष की गर्मियों में तापमान से रहा है।

शोधकर्ताओं ने चूहों की पूंछ तथा छछूंदरों के पैर के आकार में वृद्धि की रिपोर्ट की है। हालांकि कान जैसे कुछ अहम अंगों के आकार में वृद्धि को भविष्य में बड़े ही स्पष्ट तरीके से दिखाया जा सकेगा। अगले चरण में राइडिंग पिछले 100 वर्षों के म्यूजियम के नमूनों की 3-डी स्कैनिंग करके आस्ट्रेलियाई पक्षियों के अंगों के आकार में बदलावों की और पड़ताल करेंगी।

पारिस्थितिकी तंत्र भी होगा प्रभावित

अंगों के आकार में बदलाव सिर्फ यह मतलब नहीं कि वे (प्राणी) जलवायु परिवर्तन से निपट रहे हैं और यह सही हो रहा है। इसका यह मतलब यह भी है कि वे अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए खुद को अनुकूलित कर रहे हैं। लेकिन इन बदलावों से पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ने वाले असर को लेकर हम आश्वस्त नहीं हैं। या फिर यह भी जरूरी नहीं कि सभी प्रजातियां अपना अस्तित्व बचाने के लिए अनुकूलित बदलाव में सक्षम हो पाएंगी।

चीन की तालिबान से सामने आई हमदर्दी, कहा- अफगानिस्तान की संपत्ति से प्रतिबंध हटाए अमेरिका

बीजिंग। एक बार फिर चीन की हमदर्दी सामने आई है। चीन ने तालिबान की इस मांग का समर्थन किया कि अमेरिका को अफगानिस्तान की संपत्ति को अनफ्रीज करना चाहिए। चीन ने कहा कि अमेरिका के पास ऐसा करने का कोई वैध कारण नहीं है। काबुल में चीनी दूत ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से मुलाकात की और अंतरिम सरकार के लिए बधाई दी। वाशिंगटन की रिपोर्टों के अनुसार, 15 अगस्त को काबुल पर कब्जे के बाद तालिबान को नकदी और संपतति तक पहुंचने से रोकने के लिए अमेरिका ने अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक से संबंधित लगभग 9.5 बिलियन अमरीकी डालर की संपत्ति को फ्रीज कर दिया था और काबुल में नकदी की खेप पर रोक लगा दिया था।

चीन के प्रवक्ता ने अमेरिका की निंदा की

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका के पास अफगानिस्तान की संपत्ति को जब्त करने का कोई वैध कारण नहीं है। तालिबान की मांग के बारे में पूछे जाने पर कि अमेरिका को अफगानिस्तान की संपत्ति को यह कहते हुए अनफ्रीज कर देना चाहिए कि वह अफगानिस्तान के लोगों से संबंधित हैं और अंतरिम सरकार धन जारी करने के लिए कानूनी कार्रवाई करेगी, झाओ ने कहा कि मुझे लगता है कि यह (तालिबान के) प्रवक्ता का अधिकार है। यह संपत्ति अफगान लोगों की है। उन्होंने कहा, %उन्हें (अमेरिका को) अफगान लोगों के वैध अनुरोधों का जवाब देना चाहिए और प्रतिबंधों की गलत प्रथा को रोकना चाहिए। अफगानिस्तान की शांति और पुनर्निर्माण में बाधा डालना बंद करना चाहिए।

अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था चरमराई

पिछले महीने अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जा करने के बाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक ने युद्धग्रस्त देश को अपनी सहायता रोक दी, जो काफी हद तक विदेशी धन के प्रवाह पर निर्भर करता है। काबुल

की रिपोर्टों के अनुसार, इसके बाद अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था लगभग चरमरा गई है, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने भोजन और आवश्यक आपूर्ति में तेजी लाने के वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए बहुत प्रयास किए हैं। इस बीच, तालिबान की नई अंतरिम सरकार को बढ़ावा देने के लिए, जिसने अंतरराष्ट्रीय मान्यता हासिल करने के लिए संघर्ष करन पड़ रहा है क्योंकि एक समावेशी सरकार बनाने के अपने वादे के विपरीत इसमें मुख्य रूप से तालिबान नेता शामिल हैं। काबुल में चीन के राजदूत वांग यू ने मंगलवार को कार्यवाहक अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी से मुलाकात की। .

तालिबान के प्रवक्ता मोहम्मद नईम ने एक ट्वीट में कहा कि बुधवार दोपहर को नई अफगान सरकार के इस्लामी अमीरात के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी अमीर खान मुत्ताकी ने काबुल में पड़ोसी चीन के राजदूत वांग यू से मुलाकात की। रूस की आधिकारिक समाचार एजेंसी तास ने नईम के हवाले से कहा कि वांग ने यह भी वादा किया कि चीन अफगानिस्तान के साथ अपने मानवीय, आर्थिक और राजनीतिक सहयोग को जारी रखेगा। नईम ने कहा, मुत्ताकी ने चीन को उसकी सहायता के लिए धन्यवाद दिया। काबुल से आई खबरों में कहा गया है कि काबुल में पाकिस्तान के राजदूत मंसूर अहमद खान ने भी मुत्ताकी से मुलाकात की। अभी काबुल में पाकिस्तान और रूस के साथ चीन ने अपने दूतावास खुले रखे हैं। चीन के सरकारी सीजीटीएन-टीवी ने बताया कि वांग ने मुत्ताकी के साथ अपनी बैठक में चीनी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अफगान पक्ष के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि चीन अफगानिस्तान की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करता है और अफगान लोगों को अपना विकास पथ चुनने का समर्थन करता है। मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर, प्रवक्ता झाओ ने कहा कि मैं आपको बता सकता हूं कि अफगानिस्तान में चीन का दूतावास सामान्य रूप से काम कर रहा है। हम अफगानिस्तान में नई सरकार के साथ संचार व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैयार हैं।

ओखला बैरल परियोजना में 600 करोड़ रुपए बचाएगी केजरीवाल सरकार

662 करोड़ रुपए लागत की इस परियोजना को अब महज 60 करोड़ रुपए में पूरा किया जा सकेगा

प्रफुल्ल राय(शिवालिक)

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार एक अनोखी तकनीक की मदद से ओखला बैरल परियोजना में करीब 600 करोड़ रुपए बचाएगी। इस तकनीक को अपनाकर 662 करोड़ रुपए लागत की इस परियोजना को अब महज 60 करोड़ रुपए में पूरा किया जा सकेगा। जल मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि 115 एमजीडी दूषित पानी को ले जाने वाले 15 किलोमीटर लंबे पाइप लाइन को अब सिर्फ 60 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जा सकेगा और ओखला में सीवेज ले जाने वाले पुराने पाइप के पुनर्विकास का काम दो सालों में पूरा किया जाएगा।

केजरीवाल सरकार देश में कम लागत और समय से पहले अपनी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए जानी जाती है। जल मंत्री और दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन ने कालकाजी से विधायक आतिशी के साथ 15 किलोमीटर लंबे सीवेज के पाइपों का निरिक्षण किया। यह तीनों पाइप प्रतिदिन 115 मिलियन गैलन एमजीडी दूषित पानी को दक्षिण और मध्य दिल्ली से ओखला सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट एसटीपी तक ले जाते हैं। इन पाइपों का उपयोग भारी मात्रा में सीवेज ले जाने के लिए किया जाता है। यह पाइप दशकों पहले बनाए गए थे, जिनका उपयोग मौजूदा समय में करना मुश्किल हो रहा है। क्योंकि इसकी सीवेज ले जाने की क्षमता कम हो गई है। उल्लेखनीय है कि पहले इस परियोजना को पूरा करने के लिए 662 करोड़ रुपए की लागत तय की गई थी, लेकिन जल मंत्री सत्येंद्र जैन के हस्तक्षेप के बाद, इस परियोजना को प्रस्तावित राशि से 90 फीसद कम लागत में पूरा किया जाएगा।

दिल्ली देहात के मुद्दों को लेकर सीएम से मिले प्रधान सुरेन्द्र सोलंकी

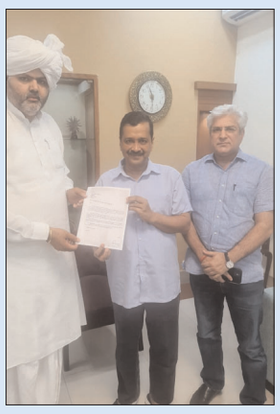

नई दिल्ली। दिल्ली देहात के विकास जुड़े प्रमुख मुद्दों और समस्याओं को लेकर गुरुवार को पालम-360 के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने बताया कि आज हमने मुख्यमंत्री से मुलाकात करके दिल्ली देहात के कई महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर चर्चा की और दिल्ली देहात के क्षेत्रवासियों की जनभावनाओं को उन तक पहुंचाया। उन्होंने बताया कि सीएम से मुलाकात के दौरान हमने दिल्ली में बंद म्यूटेशन प्रक्रिया को पुन: बहाल करने, ग्राम सभा की जमीनों का डीडीए द्वारा अधिग्रहण रोकने और उनका इस्तेमाल गांव देहात के लोगों को जन सुविधाएं उपलब्ध कराने व विकास कार्यों में इस्तेमाल करने की अपील की। इसके साथ ही हमने ग्राम सभा के बैंकों में जमा लगभग 4000 करोड़ रुपए को सामाजिक पंचायतों के माध्यम से गांव देहात के विकास कार्यो में इस्तेमाल किए जाने की मांग की। हमने दिल्ली देहात के गांवों में विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय निर्माण और गांवों में बने चौपालों के नवीनीकरण व रखरखाव की भी मांग की। सुरेंद्र सोलंकी ने बताया कि हमने दिल्ली देहात के लगभग सभी क्षेत्रों में हुए पंचायतों और बैठकों से निकली गांव-देहात की आवाज को मुख्यमंत्री से मिलकर सरकार तक पहुंचाया है। खासकर हमने अन्य पड़ोसी राज्यों की तुलना में दिल्ली देहात के क्षेत्रों में बहुत कम मुआवजा मिलने की बात भी रखी। उन्होंने कहा कि हमने मुख्यमंत्री से वर्तमान में मिल रही कम मुआवजा राशि को उचित रूप से बढ़ाने की मांग की। साथ ही हमने यह भी मांग रखी कि दिल्ली देहात के क्षेत्र को विशेष दर्जा दिए जाने पर भी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

जम्मू-कश्मीर के EX-MLC वजीर का शव फिल्म 'दृश्यम' की स्टाइल में मेट्रो के पास फेंकने का था प्लान- खुलासा

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर विधान परिषद के पूर्व सदस्य और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता त्रिलोचन सिंह वजीर की हत्या के मामले की जांच में बड़ा खुलासा सामने आया है. पुलिस ने बताया कि चारों आरोपी (मलयालम से बनी) बॉलीवुड फिल्म 'दृश्यम' से प्रेरित थे. हत्यारे वजीर का शव अपार्टमेंट से हटाकर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे या मेट्रो स्टेशन के नजदीक फेंकना चाहते थे. बसई दारापुर के एक अपार्टमेंट से वजीर का क्षत-विक्षत शव बरामद होने के कुछ दिनों बाद, पुलिस ने हत्या और आपराधिक साजिश के आरोप में जम्मू से दो लोगों को गिरफ्तार किया.

दो प्रमुख संदिग्ध- ट्रांसपोर्टर हरमीत सिंह और ऑनलाइन समाचार पोर्टल के लिए काम करने वाला वज़ीर का दोस्त हरप्रीत सिंह खालसा फरार है. पश्चिम जिला पुलिस ने एक आरोपी की पहचान जम्मू के राजिंदर सिंह (33) के रूप में की है. पूछताछ के दौरान, सिंह ने कहा कि वह एक टैक्सी चालक है और वह 2 सितंबर को वजीर को जम्मू से दिल्ली लेकर आया था. वजीर को कनाडा के लिए उड़ान पकड़नी थी, लेकिन मुख्य आरोपी ने उसे मारने की योजना बनाई थी.

DCP (पश्चिम) प्रशांत गौतम ने कहा, खालसा ने सिंह को बंदूक सौंपी थी, जिसने वजीर को मार डाला. वह वृद्ध व्यक्ति पहले से ही बेहोश था क्योंकि उन लोगों ने उसके भोजन में नशीला पदार्थ मिला दिया था. उसे गोली मारने के बाद, उनलोगों ने शव मेट्रो स्टेशन या हवाई अड्डे पर फेंकने की योजना बनाई थी और ये इन जगहों पर गये भी, लेकिन अपनी योजना को अंजाम नहीं दे सके.÷ राजिंदर ने यह भी खुलासा किया कि वे लोग जून से हत्या की योजना बना रहे थे. डीसीपी गौतम ने कहा, उनकी योजना 'दृश्यम' फिल्म पर आधारित थी और वे झूठे सबूत बनाना और पुलिस को डायवर्ट करना चाहते थे. हालांकि, उनकी योजना काम नहीं आई और वे सभी हत्या के बाद घर से भाग गए. पुलिस ने कहा कि सिंह और खालसा के कॉल डिटेल रिकॉर्ड का विश्लेषण करने के बाद राजिंदर की पहचान की गई थी. इसके बाद उसे मंगलवार को ससुराल से दबोचा गया था. वजीर की मौत के बारे में 9 सितंबर को मध्य प्रदेश में एक अज्ञात नंबर से पुलिस को फोन आया था. फोन करने वाले ने पुलिस को बताया था कि रमेश नगर मेट्रो स्टेशन पर एक लाश पड़ी थी. पुलिस को काफी तलाशी के बाद अपार्टमेंट में वजीर का शव मिला था. पुलिस ने कहा कि खालसा और राजिंदर सहपाठी थे.

सब इंस्पेक्टर की जमानत याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सीबीआइ से मांगा जवाब

नई दिल्ली । महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री और अनिल देशमुख के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा जारी जांच के सिलसिले में रिश्वत मामले में गिरफ्तार महकमे के सब इंस्पेक्टर अभिषेक तिवारी की जमानत याचिका पर बृहस्पतिवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने जमानत याचिका पर सीबीआइ का पक्ष मांगा है। इस पर सीबीआइ को जवाब दाखिल करना है। जमानत पाने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट पहुंची सीबीआइ के सब इंस्पेक्टर अभिषेक तिवारी ने याचिका में कहा है कि वर्तमान मामला उनके कुछ वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा रची गई साजिश है। इससे पहले निचली अदालत ने पहले उन्हें इस आधार पर जमानत देने से इनकार कर दिया था कि सीबीआइ अधिकारी होने के नाते वह जांच को प्रभावित कर सकते हैं क्योंकि वह जांच एजेंसी की प्रक्रिया और कामकाज से अच्छी तरह वाकिफ हैं।

संक्षिप्त खबर

डीआरडीओ द्वारा विकसित दवा से मिला मरीजों को लाभ

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन डीआरडीओ द्वारा विकसित सफेद दाग की दवा ल्यूकोस्किन उन मरीजों के लिए रामबाण साबित हो रही है जिन्हें सफेद दाग को लेकर परेशानी है। अब तक ऐसे एक लाख से भी अधिक मरीजों का उपचार हो चुका है। उपचार की औसत सफलता दर 70 फीसदी से अधिक दर्ज की गई है। बाजार में ल्यूकोस्किन लेकर आई एमिल हेल्थकेयर एंड रिसर्च सेंटर एएचआरसी की प्रमुख डॉ. नीतिका कोहली ने कहा कि ल्यूकोस्किन की तकनीक डीआरडीओ से हासिल करने के बाद केंद्र में मरीजों पर उसके परीक्षण किए और फिर साल 2011 में इसे बाजार में उतारा गया था। वह खुद भी बतौर चिकित्सक ल्यूकोस्किन से मरीजों का उपचार कर रही हैं। इन 10 सालों में एक लाख से अधिक मरीजों का उपचार किया गया है और यदि कुल सफलता दर देखें तो 70 फीसदी से अधिक रही है। राजधानी में आयोजित डॉक्टर्स कान्फ्रेंस के दौरान कठोर त्वचा रोग के चिकित्सीय निदान पर विशेषज्ञों ने जानकारी साझा की। इस दौरान डॉक्टरों ने कहा कि आयुर्वेद में चतुष्पाद डाक्टर, मरीज, औषध और तिमारदार की बात कही गई है।

हिन्दूराव अस्पताल में मरीज़ों को मास्क, जूस और बिस्कुट वितरित किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में ज़म ज़म फाउन्डेशन की तरफ से उत्तरी दिल्ली नगर निगम के हिन्दूराव अस्पताल में मरीज़ों और उनके तिमारदारों को मास्क जूस और बिस्कुट आदि वितरित किए गए इस अवसर पर उत्तरी दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह पूर्व महापौर जय प्रकाश पूर्व सांसद व भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय महामन्त्री साबिर अली ज़म ज़म फाउन्डेशन के प्रमुख संरक्षक योगेन्द्र सिंह मान प्रमुख रूप से उपस्थित हुए कार्यक्रम का संचालन ज़म-ज़म फाउन्डेशन के अध्यक्ष शमीम अहमद खान ने किया तथा कार्यक्रम में आयें सभी अतिथियों का स्वागत फाउन्डेशन की महासचिव रेखा शर्मा ने किया इस मौके पर चीफ क़ाज़ी मुफ्ती मौहम्मद ताहिर हुसैन भाजपा चांदनी चौक ज़िला के मीडिया प्रभारी खालिद कुरैशी महिला मोर्चा अध्यक्षा श्रीमती मोनिका छाबड़ा हिन्दूराव अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक श्रीमती डॉ. अनु कपूर अति चिकित्सा अधीक्षक डॉ. श्याम दत्त सीएमओ अस्पताल प्रशासन डॉ. जी.एल. अरोड़ा हिन्दूराव अस्पताल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री तेजेन्द्र सिंह ज़म ज़म फाउन्डेशन की उपाध्यक्षा श्रीमती मीनू दीवान सचिव इन्दू शर्मा व रहीस त्यागी कोषाध्यक्ष ज़हीर आलम सदस्य मौहम्मद कामिल सहित सोनिया श्रीवास्तव, सुनीता वशिष्ट, सुचित्रा यादव पप्पू खान व मोसिन अली उपस्थित हुए।

दक्षिणी निगम ने राजौरी गार्डन के माधव पार्क में जनता के लिए खोली पहली ओपन लाइब्रेरी

नई दिल्ली। स्थायी समिति के अध्यक्ष कर्नल बी. के ओबेरॉय और उपायुक्त पश्चिमी ज़ोन राहुल सिंह ने दक्षिणी निगम की अनूठी पहल 'सहज' के अंतर्गत राजौरी गार्डन के माधव पार्क में पहली ओपन लाइब्रेरी का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर पश्चिमी ज़ोन की अध्यक्षा श्रीमती श्वेता सैनी, पूर्व महापौर सुभाष आर्य, विभिन्न आर.डब्ल्यू.ए के प्रतिनिधि व निगम के अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित थे। स्थायी समिति के अध्यक्ष रि. कर्नल बी. के ओबेरॉय ने कहा कि इस ओपन लाइब्रेरी में पार्क में सैर तथा व्यायाम करने वाले नागरिकों के लिये पुस्तकों की व्यवस्था होगी। लाइब्रेरी में अभी लगभग 350 पुस्तकों का संग्रह है, जिन्हें विभिन्न एन.जी.ओ द्वारा उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि पार्क में लोग अच्छे स्वास्थ्य प्राप्ति की इच्छा से आते है, इस पहल से स्वास्थ्य के साथ साथ किताबों से उनका ज्ञानवर्धन भी होगा।

लुबाणा ने कहा- उन्हें कुछ हुआ तो सरना गुट होगा जिम्मेदार

नई दिल्ली । गुरुद्वारा चुनाव निदेशक नरेंद्र सिंह पर हमले के आरोप झेल रहे शिरोमणि अकाली दल (शिअद बादल) के नेताओं को सियासी नुकसान की चिंता सता रही है। इसे ध्यान में रखकर नेता लगातार निदेशक के खिलाफ जुबानी हमले कर रहे हैं। विपक्षी पार्टियों पर भी निशाना साध रहे। इसके साथ ही संगत की सहानुभूति लेने की कोशिश हो रही है।

स्वास्थ्य का हवाला देकर कही ये बात

पार्टी के टिकट पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के सदस्य आत्मा सिंह लुबाणा ने अपने स्वास्थ्य का हवाला देकर कहा है कि यदि उन्हें कुछ होता है तो इसके लिए शिरोमणि अकाली दल दिल्ली (सरना) के अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना जिम्मेदार होंगे। लुबाणा के साथ ही डीएसजीएमसी सदस्य रमिंदर सिंह स्वीटा, भुपिंदर सिंह गिन्नी, गुरप्रीत सिंह जस्सा व हरजीत सिंह पप्पा ने प्रेस वार्ता करके आरोप लगाया कि शिअद दिल्ली के नेता उन्हें अपने साथ जोड़ने के लिए दबाव डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में संगत ने शिअद बादल को बहुमत दिया है इसलिए उसे सेवा का मौका देना चाहिए।

नामित सदस्यों के चयन के लिए शीघ्र बैठक बुलाने की मांग

शिअद दिल्ली को इस तरह से दबाव नहीं बनाना चाहिए। लुबाणा ने कहा कि वह दिल के मरीज हैं और उन्हें स्टेंट पड़ चुका है। शिअद दिल्ली द्वारा डाले जा रहे दबाव से यदि उनके स्वास्थ्य को नुकसान होता है तो इसके लिए सरना जिम्मेदार होंगे। उन्होंने कहा कि गुरुद्वारा चुनाव निदेशालय के निदेशक नरेंद्र सिंह ने नामित सदस्यों के चयन में श्री अकाल तख्त साहिब सहित चार तख्तों के जत्थेदारों के नाम की घोषणा नहीं करके संगत की भावनाओं को आहत किया है। बीते 50 वर्षों से यही परंपरा चली आ रही है कि सबसे पहले चार तख्तों के जत्थेदारों के नाम की घोषणा की जाती है, लेकिन इस बार इसका उल्लंघन किया गया। उन्होंने नामित सदस्यों के चयन के लिए शीघ्र बैठक बुलाने की मांग की।

नजफगढ़ में बीच सड़क पर फाइनेंसर को मारी गोली, मौत

(रविशंकर तिवारी)

- आरोपियों ने लोगों के सामने हत्या की वारदात को दिया अंजाम
- मृतक अमित शौकिन को 13 गोली मारी गई

नई दिल्ली। नजफगढ़ में भाजपा नेता और फाइनेंसर की बुधवार रात कार सवार बदमाशों ने गोली मार कर हत्या कर दी। आरोपियों ने बीच रोड पर लोगों के सामने हत्या की वारदात को अंजाम दिया और मृतक अमित शौकिन को 13 गोली मार कर फरार हो गए। अमित के दोस्तों ने मामले की सूचना पुलिस को दी और उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची नजफगढ़ थाना पुलिस ने शव कब्जे में लेकर हत्या की धाराओं में केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। हत्या के 24 घंटे और सीसीटीवी फुटेज मौजूद होने के बावजूद भी पुलिस आरोपियों का पहचान नहीं कर पाई है। जिससे गुस्साएं परिजनों गुरुवार सुबह नजफगढ़ रोड पर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जाम लगा दिया। हालांकि करीब 1.30 घंटे बाद पुलिस अधिकारियों के समझाने पर लोग वहां से हट गए।

पुलिस उपायुक्त संतोष कुमार मीणा ने बताया कि मृतक अमित अपने परिवार के साथ दिचाऊं कलां गांव में रहता था और प्रापर्टी डीलर व फाइनेंस का काम करता था। अमित भारतीय जनता पार्टी की स्थानीय इकाई में महामंत्री भी था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि रात करीब 8.36 बजे अमित अपनी कार में दोस्तों के साथ पार्टी करने के बाद घर आ रहा था। सूत्रों का कहना है कार सवार बदमाशों की संख्या भी तीन थी। गोलियां चलाने के बाद जब बदमाशों को लगा कि अमित की मौत हो चुकी है तो वे मौके से फरार हो गए। इसके बाद अमित के साथ कार में जो दो परिचित थे, वे वापस मौके पर पहुंचे और उन्हें लेकर अस्पताल आए। यहां चिकित्सकों ने अमित को मृत घोषित कर दिया। पुलिस सूत्रों का कहना है कि अमित को 13 गोलियां मारी गईं।

बदमाशों के बीच दोस्त छोड़ कर भागे

पुलिस उपायुक्त के मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस को वहां अमित का दोस्त चरण सिंह मिला। जिसने पूछताछ में पुलिस को वारदात की जानकारी दी। पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया कि जब बदमाशों ने अमित को निशाना बनाकर गोलीयां चलानी शुरू की तो चरण सिंह और दिनेशन दोनों उसे अकेला छोड़ कर गाड़ी से भाग गए और कुछ दूरी पर छिप गए थे।

परिजनों ने सड़क की जाम

अमित के परिजनों और स्थानीय लोगों ने आरोपियों की पहचान न होने और चरण सिंह द्वारा बताए गए आरोपियों को न पकड़ने से नाराज लोगों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए नजफगढ़ रोड जाम कर दी। लोग अमित को न्याय दिलाने के लिए सड़क पर बैठ गए, जिससे सड़क पर कई किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में सुशासन के प्रतीक हैं: शिवप्रकाश

(प्रवीण कुमार सिंह)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ता चिकित्सालयों में मरीजों की सेवा, फल वितरण, वृक्षारोपण, कुष्ठ आश्रमों, जनजाति एवं अनुसूचित वर्गों के छात्रावासों में तथा मलिन बस्तियों में तरह-तरह के सेवा कार्य करते हैं। प्रधानमंत्री द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए भाजपा राष्ट्रीय सह-संगठन महासचिव शिवप्रकाश ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री ने देश के विकास के लिए, गरीबों के उत्थान के लिए एवं देश की अन्तर्बाह्य सुरक्षा जैसे अनेक विषयों को केंद्रित कर योजनाएं प्रारंभ की है। जो आज समाज के लिए लाभकारी भी सिद्ध हुई है। शिवप्रकाश ने कहा कि मोदी देश में सुशासन के प्रतीक बन गए हैं। इन सबसे अलग जिन विषयों के लिए उनका कार्यकाल एवं उनका दूरदर्शी नेतृत्व सदैव प्रेरणादायक रहेगा, उन विषयो को वोट की तराजू पर नहीं तौला जा सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अच्छे एवं समाज को दिशा देने वाले कार्य करने वाले सज्जन पुरुषों को पदम पुरस्कारों के लिए चयन करने की परम्परा प्रारम्भ की। इस कारण सुदूर उत्तर पूर्वांचल हो अथवा देश का ग्रामीण एवं जनजाति क्षेत्र हो, ऐसे क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोगों को अब पदम पुरस्कार मिल रहे हैं। शिवप्रकाश ने कहा कि भविष्य में हमको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा अथवा विश्व के प्रगतिशील देशों की तुलना में आने के लिए हमारे समाज में किन गुणों की आवश्यकता है इसका अचूक मार्गदर्शन 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी जी ने किया। उनकी बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना, नमामि गंगे एवं लोकप्रिय स्वच्छता अभियान इसी के उदाहरण हैं। जन्म दर से लेकर सेना एवं अंतरिक्ष तक मातृशक्ति की भागीदारी एवं सम्मान स्तुत्य है। केवल गंगा ही नहीं देश की समस्त नदियां एवं जल के प्रति हमारा उचित दृष्टिकोण देश में विकसित हुआ है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत ही आर्थिक दृष्टि से समृद्ध एवं देश में रोजगार सृजन का माध्यम हो सकता है। इस आत्मनिर्भरता के मंत्र को साकार करते हुए उन्होंने खादी के उपयोग का आह्वान किया।

करोलबाग में जाम व पार्किंग समस्या से मिलेगी राहत, फ्री होल्ड आधार पर बनेंगी चार बहुमंजिला पार्किंग

नई दिल्ली । करोलबाग को जाममुक्त कराने और पार्किंग की समस्या से निजात दिलाने के लिए उत्तरी निगम ने फ्री होल्ड आधार पर करोलबाग की चार संपत्तियों में व्यावसायिक कम पार्किंग कांप्लेक्स बनाने का फैसला लिया है। 99 वर्ष के पट्टे पर देकर पार्किंग बनाने में सफलता न मिलने पर निगम अब इन संपत्तियों को फ्री होल्ड पर देगा। खराब वित्तीय स्थिति के चलते निगम यह फैसला लेने पर मजबूर हुआ है। ऐसा पहली बार है कि निगम ने चार संपत्तियों को एक साथ बेचकर उससे राजस्व अर्जित करने का प्रयास किया हो। हालांकि निगम का दावा है कि इससे करोलबाग की पार्किंग की समस्या का हल होगा। इसलिए इससे संबंधित प्रस्ताव को स्थायी समिति ने मंजूरी दे दी है।

1922 वाहनों के पार्किंग की होगी सुविधा- निगम की ओर से पास किए गए प्रस्ताव के अनुसार बैंक स्ट्रीट, शास्त्री पार्क, पूसा लेन और ओल्ड राजेंद्र नगर में चार व्यावसायिक परिसर व पार्किंग स्थल बनेंगे तो 1922 पार्किंग की क्षमता विकसित हो जाएगी। इसकी वजह से जहां अजमल खां रोड को वाहनमुक्त करने में आ रही दिक्कत का भी समाधान हो जाएगा। पूसा लेन में 381 वाहनों की क्षमता, शास्त्री पार्क में 577, ओल्ड राजेंद्र नगर में 464 और बैंक स्ट्रीट में 500 वाहनों की क्षमता की पार्किंग बनेगी। प्रस्ताव के अनुसार हर स्थान की 75 फीसद पार्किंग क्षमता का ही उपयोग निगम को मिलेगा। बाकी 25 फीसद पार्किंग क्षमता व्यावसायिक कांप्लेक्स का निर्माण करने वाली संस्था के पास होगी।

यह करने की है योजना- निगम निविदा के माध्यम से कंपनी या संस्थान को प्लाट फ्री होल्ड के आधार पर देगा। इसके बाद निविदा में सफल होने वाली संस्था इन प्लाटों पर व्यावसायिक कांप्लेक्स का निर्माण करेंगी। चूंकि सभी प्लाट तीन हजार वर्ग मीटर से अधिक के हैं तो इन्हें 60 फीसद ही फ्लोर एरिया रेश्यो (एफएआर) मिलेगा।

एक हजार करोड़ रुपये का मिलेगा राजस्व- निगम को इन चार पार्किंग स्थलों को बेचने से एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व आने की उम्मीद है। निगम ने पूसा लेन में 3175 वर्ग मीटर प्लाट के लिए 148.67 करोड़ रुपये का न्यूनतम मूल्य रखा है तो वहीं शास्त्री पार्क में 4806 वर्ग मीटर के प्लाट के लिए 195.52 करोड़, राजेंद्र नगर में 3871 वर्ग मीटर प्लाट के लिए 168.67 करोड़ और बैंक स्ट्रीट के लिए 175.67 करोड़ की न्यूनतम राशि तय की है। कुल यह राशि 688 करोड़ बैठती है। निगम को उम्मीद है कि जब निविदा की जाएगी तो यह राशि एक हजार करोड़ से ज्यादा जाएगी। इससे निगम को वेतन और कर्मचारियों के बकाया भुगतान करने में मदद मिलेगी।

आयोजित होगी प्रदर्शनी, व्यापारिक कांफ्रेंस और मेले भी लगेंगे

नई दिल्ली । दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने बुधवार को जारी आदेश में बृहस्पतिवार से दिल्ली में प्रदर्शनी के आयोजन की अनुमति दे दी है। प्रदर्शनी आयोजक अपने प्रदर्शनी स्थल पर व्यापारिक कांफ्रेंस व मेले आयोजित कर सकेंगे, लेकिन आयोजकों को कोरोना संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा। इसके पूर्व कोविड-19 की महामारी के दौरान लगे लाकडाउन के कारण दिल्ली में प्रदर्शनी पर रोक लगा दी गई थी। डीडीएमए ने बुधवार को जारी किए गए एक आदेश में कहा कि शहर में 16 सितंबर से व्यापार से लेकर उपभोक्ता प्रदर्शनियों को अनुमति दी जाएगी।

डीडीएमए ने कहा कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने प्रदर्शनी आयोजित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया) जारी की है। जिसका सभी को पालन करना होगा। एसओपी का सभी हितधारकों द्वारा सख्ती से पालन करने पर ही प्रदर्शनियों की अनुमति दी जाएगी। प्राधिकरण द्वारा पहले जिन अन्य गतिविधियों पर रोक लगाई या जिनकी अनुमति दी गई, वे आदेश 30 सितंबर और एक अक्टूबर की मध्यरात्रि तक जारी रहेंगे।

दो करोड़ की लूट करके नेपाल भागने की फिराक में थे नौकर, क्राइम ब्रांच ने दबोचा

नई दिल्ली,(कुलदीप त्यागी)।

दिल्ली पुलिस ने पीतमपुरा इलाके दो ऐसे नौकरों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है जिन्होंने अपनी मालकिन को बंधक बनाकर घर में रखे करीब 2 करोड़ रुपये की नगदी और जेवर को लूट लिया था. वारदात पीतमपुरा के एसयू ब्लॉक में रहने वाले एक परिवार के साथ घटित हुई. परिवार ने घर के लिए दो नौकरों को रखा था. वारदात के बाद दोनों आरोपी नौकर फरार हो गए थे.

जानकारी के मुताबिक योगेश सिंघल बुलियन मार्केट के प्रधान हैं. वह परिवार के साथ पीतमपुरा के एसयू ब्लॉक में रहते हैं. हमेशा की तरह वह वारदात के दिन भी दुकान गए हुए थे. घर में व्यापारी की पत्नी प्रमिला सिंघल और उनकी बेटी के अलावा संजीव और अमन नाम के दो नौकर भी थे. बेटी दोपहर 2 बजे किसी काम से बाहर गई. मौके का फायदा उठाकर नौकरों ने व्यापारी की पत्नी महिला के हाथ पैर बांधे और आंख में मिर्ची पाउडर डाल दिया. प्रमिला को बाथरूम में बंद कर दिया. इसके बाद आरोपी दोनों नौकर तिजोरी के साथ दोनों फरार हो गए. तिजोरी में खानदानी आभूषण और नकदी आदि रखे हुए थे जिनकी कीमत कुल मिलाकर करीब दो करोड़ थी. इस पूरी घटना में एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया.

इस मामले को देखते हुए क्राइम ब्रांच की तीन टीम भी गठित की गईं. जांच के दौरान नौकरों पर शक हुआ. पता चला कि पड़ोस के परिवार में नौकर सुनील भी वारदात के दिन से गायब है. पुलिस ने सुनील को गिरफ्तार कर लिया. उसने पूछताछ में वारदात का खुलासा कर दिया और उसकी निशानदेही पर पुलिस ने अमन, संजीव और रामपुकार को भी धर दबोचा.

पुलिस सूत्रों के मुताबिक लूट की इस वारदात को अंजाम देने के बाद चारों आरोपी अलग-अलग जगहों पर छिप गए थे. वहीं वारदात के बाद आरोपी बिहार के रास्ते नेपाल जाने की पूरी प्लानगि भी कर चुके थे. वहीं पुलसि ने आरोपयिों के कब्जे से तजिोरी को भी बरामद कर लयिा और आगे की जांच में जुट गई है.

नोएडा अथॉरिटी प्रॉपर्टी ट्रांसफर चार्जेज में कर सकती है कटौती, जानें किसे होगा फायदा

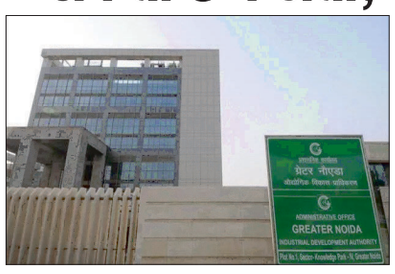

नोएडा । ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी ने जून 2021 में प्रॉपर्टी के ट्रांसफर चार्जेज कम कर दिये थे. इस वजह से सिटी में सेकेण्ड्री मार्केट रियलिटी ट्रांसजेक्शन्स को जबरदस्त प्रोत्साहन मिला. वहीं, नोएडा अथॉरिटी ने भी प्रॉपर्टी के ट्रांसफर चार्जेज कम करने पर मंथन कर रही है. वहीं, नोएडा अथॉरिटी की बोर्ड मीटिंग 24 सितम्बर को हो सकती है, जिसमें प्रॉपर्टी ट्रांसफर शुल्क को कम करने पर विचार किया जा सकता है.

नोएडा अथॉरिटी के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें अगले सप्ताह बोर्ड की बैठक के लिए तैयार रहने को कहा गया है, लेकिन उन्हें अभी तक प्राधिकरण के चेयरमैन संजीव मित्तल से हरी झंडी नहीं मिली है. उत्तर प्रदेश इंफ्रास्ट्रक्चर एवं इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कमिश्नर की भी भूमिका निभा रहे नोएडा प्राधिकरण चेयरमैन सुपरटेक एमेराल्ड कोर्ट मामले की भी जांच कर रही विशेष टीम का नेतृत्व कर रहे हैं और उन्होंने अपनी रिपोर्ट सरकार को अभी तक नहीं सौंपी है.

इस वजह से कदम उठा रही नोएडा अथॉरिटी

बोर्ड की बैठक में नोएडा अथॉरिटी प्रॉपर्टी ट्रांसफर प्रभार को कम करने पर भी विचार कर सकती है. कारोबारी, आरडब्ल्यूए और फ्लैट मालिक अपनी प्रॉपर्टी बिक्री करते वक्त बहुत अधिक ट्रांसफर शुल्क वसूले जाने की शिकायत सरकार से करते रहे हैं.

इस वर्ष जून में ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी ने प्रॉपर्टी के ट्रांसफर चार्जेज कम कर दिये थे, जिससे सिटी में सेकेण्ड्री मार्केट रियलिटी ट्रांसजेक्शन्स को प्रोत्साहन मिला है. हालांकि नोएडा अथॉरिटी ने शुल्क अभी तक कम नहीं किया है. इंस्टीट्यूशनल और कॉमर्शियल प्लॉट मालिकों को फिलहाल मौजूदा लैंड प्रीमियम का 10 फीसदी ट्रांसफर चार्जेज के तौर पर देना होता है. आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इसे कम करके पांच प्रतिशत पर लाने का विचार किया जा रहा है.

5 फीसदी की हो सकती है कटौती

इसी प्रकार नन-फंक्शनल इंडस्ट्रियल प्लॉट पर आवंटी को प्राधिकरण को 10 फीसदी शुल्क देना होता है. जबकि ऑपरेशनल प्लॉट पर यह प्रभार 8 प्रतिशत है. अथॉरिटी इस प्रभार में 50 फीसदी की कटौती करके इसे क्रमश- 5 और 4 फीसदी कर सकती है. बता दें कि फ्लैट और अपार्टमेंट के लिए अथॉरिटी संबंधित सेक्टर में मौजूदा लैंड प्रीमियम के अनुसार 720 रुपये वर्ग मीटर से 1980 वर्ग मीटर तक प्रभार वसूलती है. जबकि 24 सितंबर को होने वाली मीटिंग में इस बारे में निर्णय लिया जाना है.

संपादकीय

प्रेम से विश्व के मंगल तक

मानव जीवन की धारा के दो विपरीत तट हैं। एक ओर, मनुष्य की अपनी स्वतंत्रता है, दूसरी ओर, अन्य लोगों के साथ उसका मिलन। इसमें से किसी एक तट को अलग करके हमारा काम नहीं चल सकता। हमारा मंगल नहीं हो सकता। स्वाधीनता का मूल्य मनुष्य के लिए बहुत बड़ा है। स्वाधीनता की रक्षा के लिए मनुष्य क्या कुछ नहीं करता। कौन-कौन से युद्ध नहीं छेड़ता? अपनी संपत्ति देकर अपने प्राण तक का बलिदान करके वह आज आजादी को बनाए रखना चाहता है, अपनी विशेषता को परिपूर्ण करने के लिए वह किसी भी बाधा को नहीं मानता। जब उसके रास्ते में बाधा आती है, तो वह क्रोध और वेदना का अनुभव करता है। बाधाओं पर विजय पाने के लिए वह हत्या और अपहरण तक कर सकता है, लेकिन स्वाधीनता के रास्ते में बाधाएं तो अनिवार्य हैं। जिन उपादानों को लेकर मनुष्य अपने आप को गढ़ता है, उनकी भी अपनी स्वाधीनता होती है, उन पर हमारी इच्छा या बाहुबल का जोर पूरी तरह नहीं चलता। इसलिए अपनी स्वतंत्रता और उपादानों की स्वतंत्रता के बीच हम समझौता कर लेते हैं। इसमें हमें बुद्धि और विज्ञान की सहायता लेनी पड़ती है। यह समझौता तभी सफल हो सकता है, जब दूसरों की स्वाधीनता के लिए अपनी स्वाधीनता का किसी सीमा तक त्याग करना हमें मंजूर हो। ऐसा लगता है कि इस समझौते में कोई सुख नहीं है, क्योंकि यह हमारी विवशता का परिणाम है, लेकिन वास्तव में ऐसी बात नहीं है। समझौते में भी सुख है। बाधाओं से यथासंभव पार पाने की क्रिया में बुद्धि और शक्ति का प्रयोग करना पड़ता है और उसमें हमें सुख मिलता है। यह केवल पाने का सुख नहीं है, वरन अपनी क्षमता को काम में लगाने का सुख है। इसमें हम अपनी स्वाधीनता का अनुभव करते हैं और यह स्वाधीनता हमें गौरवमय प्रतीत होती है। बाधा न होती, तो हमें यह अनुभव न मिलता। बाधाओं से हममें जो अहंकार आता है, उससे प्रतियोगिता और विजय की इच्छा तीव्रतर हो जाती है। झरने के सामने पत्थर की रुकावट आती है, तो उसमें से फेन निकलता है और वह उछलकर पत्थर को लांघ जाता है। इसी तरह से बाधाओं से हमारी स्वतंत्रता भी विकसित होती है।

कुछ भी हो, है यह लड़ाई ही। इसमें बुद्धि के साथ बुद्धि का संघर्ष है, शक्ति के साथ शक्ति का, प्रयास के साथ प्रयास का। एक ऐसा समय था, जब इस संघर्ष में केवल बाहुबल का प्रयोग होता था। विनाश द्वारा ही कार्य संपन्न करने की चेष्टा की जाती थी। जिसके लिए संघर्ष होता था, वह भी नष्ट-भ्रष्ट हो जाता था और जो लड़ता था, वह भी। इस संघर्ष में अपव्यय ही अपव्यय था, लेकिन बुद्धि के आगमन से परिस्थिति बदल गई, अब कौशल का आगमन हुआ, जो मानव-गांठ को काटना नहीं चाहता था, वह गांठ को सुलझाने के लिए उद्यत हुआ। यह काम संयत होकर, शिक्षित होकर शांतिपूर्वक करना होता है। अंध-इच्छा या अधीरता से नहीं। इसमें विजय का प्रयास अपने बल को गुप्त रखता है और अपव्यय को यथासंभव कम करता है, तभी यह प्रयास सफल होता है। झरना जब पहाड़ से घाटी में पहुंचता है, तब उसका वेग कुछ कम हो जाता है और मार्ग प्रशस्त हो उठता है, इसी तरह हमारी स्वाधीनता का वेग जब विज्ञान के क्षेत्र में आता है, तब किसी सीमा तक बाहुबल का त्याग करता है। हमारी स्वाधीनता उग्रता को छोड़कर उदारता की ओर बढ़ती है। शक्ति केवल अपने आपको ही जानती है, किसी दूसरे के अस्तित्व को स्वीकार नहीं करना चाहती। लेकिन बुद्धि केवल अपनी स्वतंत्रता से काम नहीं चला सकती, उसे दूसरों में जाकर संधान करना पड़ता है। जिस मात्रा में वह दूसरों को जानती है, उतनी ही मात्रा में उसका कार्य संपन्न होता है और दूसरों को जानने-समझने के लिए, दूसरों के द्वार में प्रवेश करने के लिए बुद्धि को दूसरों के नियम मानने पड़ते हैं। इस तरह, स्वतंत्रता की चेष्टा बिना पराधीन हुए विजयी नहीं हो सकती।

प्रतियोगिता के संघर्ष क्षेत्र में स्वतंत्रता की जो विजय चेष्टा होती है, उस पर ही आजकल ध्यान दिया गया है। डार्विन का प्राकृतिक निर्वाचन सिद्धांत ऐसे ही युद्ध क्षेत्र का सिद्धांत है, जिसमें कोई किसी पर दया नहीं करता और सभी सबसे बड़ा होना चाहते हैं। किंतु क्रोपाटकिन आदि आधुनिक वैज्ञानिकों ने एक दूसरा दृष्टिकोण भी सामने रखा है। उनका कहना है कि एक-दूसरे पर विजय पाने की चेष्टा, अपने को बनाए रखने की चेष्टा, प्राणी समाज का एकमात्र प्रयास नहीं है। परस्पर सहयोग और सामूहिक जीवन की इच्छा दूसरों को धक्का देकर ऊपर उठने की इच्छा से कम प्रबल नहीं है। अपनी इच्छाओं को नियंत्रित करके एक-दूसरे की सहायता करने की इच्छा ही प्राणी जगत में उन्नति का उपाय है। एक ओर, प्रत्येक की स्वतंत्रता और दूसरी ओर, सबके साथ सामंजस्य, ये दोनों नीतियां साथ-साथ काम करती रही हैं। अहंकार और प्रेम, आकर्षण और विमुखता, दोनों मिलकर सृष्टि की रचना करते आए हैं। जब मानव स्वतंत्रता में पूर्णता पाने के साथ सबके साथ मिलन के लिए त्याग या समर्पण करता रहे, तभी उसका जीवन सार्थक होता है। यदि हम अपने को पूर्ण रूप से संचित न करें, तो पूर्ण रूप से अपना दान कैसे कर सकेंगे? जितना बड़ा अहंकार है, उतना ही बड़ा त्याग हो, तभी प्रेम महान हो सकता है। इतने बड़े संसार में भी मैं स्वतंत्र हूं। यद्यपि अपने आप में मेरी सत्ता छोटी है। चारों ओर कितना तेज है, कितना वेग, कितने पदार्थ, कितने विविध दबाव! फिर भी मैं स्वाधीन हूं। एक ओर स्वार्थ है, तो दूसरी ओर प्रेम। अपने साथ दूसरों का, स्वार्थ के साथ प्रेम का, जहां मिलन है, वहां मंगल की रक्षा करना अत्यंत सुंदर भी है और अत्यंत कठिन भी। स्वाधीनता सफल होने के लिए स्वयं ही नीचे झुकती है। यदि ऐसा न करे, तो वह विकृत हो जाए और अंत में उसका विनाश हो जाए। स्वाधीनता या तो मंगल को अनुसरण करके प्रेम की ओर बढ़ती है या विनाश की ओर अग्रसर होती है। मानव की स्वतंत्रता जब मंगल के साथ मिलकर समस्त संघर्षों का निवारण करते हुए सुंदर हो उठती है, तभी मानव आत्मसमर्पण के लिए प्रस्तुत होता है। इस आत्मसमर्पण का अर्थ है विश्व या विश्वात्मा के साथ मिलन। हमारी अदमनीय स्वाधीनता जब मंगल सोपान पर चढ़कर प्रेम तक जा पहुंचती है, तभी वह संपूर्ण होती है और वहीं उसकी स्वाभाविक मंजिल है।

प्रवीण कुमार सिंह

जाति से राजनीति चमकाने की कोशिश, जनगणना से क्या होगा पिछड़ी जातियों का कल्याण

देश के मौजूदा मुख्य न्यायाधीश महोदय के साहसिक बयानों ने आशा की एक किरण भी दिखाई है। बीते दिनों उन्होंने स्पष्ट कहा था कि, 'न्यायपालिका को एक के अधिकारों की रक्षा के लिए अत्याचारी समूहों की सामूहिक शक्ति से निडर होकर लड़ने के लिए तैयार रहना होगा।' जेएस वर्मा ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा था कि 'संसद में जब तक दागी लोग बैठेंगे तब तक देश के लिए कानून बनाने की शैली और तौर-तरीकों पर विश्वास करना संभव नहीं होगा।' सुप्रीम कोर्ट के समक्ष हुआ आत्मदाह कांड इसका ज्वलंत उदाहरण है। इससे सीख लेकर सुधार की पहल आरंभ की जानी चाहिए।

उन्नीसवीं सदी के अमेरिकी विचारक हेनरी ए वालेस ने राजनेताओं के बारे में कहा है कि उनका अंतिम उद्देश्य है राजनीतिक सत्ता हथियाना। इसके लिए वे सारे छल-प्रपंच करते हैं, ताकि आम आदमी को वे शाश्वत अधीनता में रख सकें। भारतीय संदर्भो में उनका कथन क्षेत्रीय राजनीतिक दलों पर बहुत दूर तक लागू होता है, जो बुनियादी मुद्दों के बजाय अस्मिता या जाति की राजनीति करते हैं। देश में जाति के आधार पर जनगणना की मांग इसी की कड़ी है। इसमें कई सवाल हैं-जाति के आधार पर जनगणना की मांग क्यों की जा रही है? क्या यह पिछड़ी जातियों के कल्याण के लिए है? क्या यह राष्ट्रहित में है?

जदयू और राजद समेत बिहार के कई दलों के प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलकर 2021 की जनगणना में जाति आधारित जनगणना को शामिल करने की मांग की है। इसकी मांग सपा और राकांपा सहित देश के दूसरे क्षेत्रीय दल भी करने लगे हैं। चूंकि एससी और एसटी की जातिगत जनगणना पहले से ही होती है अत- यहां मांग ओबीसी की गणना के लिए है।

इन दलों का तर्क है कि सरकार की नीति-योजनाओं का लाभ सभी जातियों तक ठीक-ठीक पहुंचे इसके लिए जातिगत आंकड़े जरूरी हैं, लेकिन यह छिपा नहीं कि जनहित के बजाय इनका असली उद्देश्य मोदी सरकार को घेरना है। दरअसल एससी, एसटी और ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) के साथ-साथ ओबीसी के हित में कई अहम निर्णय कर चुकी मोदी सरकार के हालिया कदमों से जाति की राजनीति करने वाले दलों में खलबली मची हुई है। पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा, राज्यों

को ओबीसी पहचान का अधिकार, मेडिकल-नीट के केंद्रीय कोटे में ओबीसी आरक्षण और केंद्रीय मंत्रिपरिषद में ओबीसी की अभूतपूर्व सर्वाधिक संख्या आदि ने इन दलों की जमीन खिसका दी है। चूंकि मोदी सरकार के खिलाफ उन्हें कोई ठोस एजेंडा नहीं मिल पा रहा तो एक बार फिर जाति का जिन्न बोतल से निकालने की कोशिश हो रही है।

हालांकि, जाति हमारे समाज का यथार्थ है। दावा किया जाता है कि उच्च सोपान पर बैठीं तथाकथित सवर्ण जातियों के हाथों में ही कथित रूप से सत्ता-समृद्धि केंद्रित रही। पिछड़ी जातियों को उचित हक नहीं मिल पाया। इस बात को जानते हुए भी डा. आंबेडकर, नेहरू और पटेल आदि नेताओं ने जनगणना में जाति गणना को दूर ही रखा, क्योंकि देश की एकता और अखंडता इससे प्रभावित होती। अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो नीति के वे प्रत्यक्षदर्शी थे।

मार्क गैलेंटर जैसे पश्चिमी समाजशास्त्रियों तक का कहना था कि अंग्रेजी राज में जातिगत जनगणना भारतीय राष्ट्र की अवधारणा और एकता को कमजोर करने की औपनिवेशिक साजिश थी। स्वतंत्र भारत में भी पिछड़ी-कमजोर जातियों को उनका उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया तो इसकी वजह थी मंडल आंदोलन के पश्चात आरक्षण या अन्य योजनाओं का लाभ चंद जातियों और कुछ परिवारों में सीमित रह जाना। विभिन्न अध्ययन बताते हैं कि ओबीसी राजनीति में नेतृत्व कुछ जातियों तक सीमित है। उसी तरह आरक्षण का लाभ भी कुछ ही जातियों को मिला है। ओबीसी की अधिकांश जातियों की दशा में यह अवसरवादी नेतृत्व आगे सुधार लाएगा इसकी कोई गारंटी नहीं।

आज भी जाति आधारित जनगणना की उनकी मांग के पीछे उद्देश्य इन कमजोर तबकों का कल्याण नहीं, बल्कि अपनी खिसकती हुई राजनीतिक जमीन को बचाना है। ऐसी मांग कर रहे दलों को लगता है कि ओबीसी आबादी के आंकड़े 50 फीसद से ज्यादा होने पर रोजगार-शिक्षा आदि में वर्तमान के 27 फीसद से ज्यादा आरक्षण की मांग कर फिर से अपनी राजनीति चमका सकते हैं, लेकिन वे कई चीजें भूल रहे हैं। जैसे-मंडल वाले फैसले में 27 फीसद आरक्षण देते समय यह मानकर चला गया था कि देश में ओबीसी आबादी 52 फीसद है, जो स्तर 1931 के जनगणना आंकड़ों के आधार पर था।

1992 में सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण की सीमा 50 फीसद कर दी थी। इसने अनुच्छेद 15(4) एवं 16(4) के आधार पर आरक्षण की अनुशंसा तो की, लेकिन इसे अनुच्छेद 335 के साथ पढ़े जाने की सिफारिश की, जिसके अनुसार प्रशासन की दक्षता के संगत ही आरक्षण होना चाहिए। यद्यपि 1931 के बाद जातीय जनगणना के आंकड़े नहीं हैं, परंतु 2007 में राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) ने एक सर्वेक्षण कर देश में ओबीसी आबादी 41 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया था। यह मंडल आयोग के अनुमानित 52 फीसद से कम ही रहा। जातिगत जनगणना के बाद यह संख्या चाहे कम हो या अधिक, विवाद तो उठेगा ही, जो सामाजिक समरसता को कमजोर करेगा। एक अनुमान यह भी है कि जिन जातियों की संख्या ज्यादा होगी, राजनीतिक दल उन्हीं को पूछेंगे और कम संख्या वाली जातियां हाशिये पर चली जाएंगी।

वहीं जाति जैसे जटिल पहलू की जनगणना में व्यावहारिक कठिनाई यह है कि एक ही जाति अलग-अलग राज्यों में अगड़ी और पिछड़ी अथवा ओबीसी एवं एससी दोनों हो सकती है। मसलन बिहार में वैश्य जातियां आमतौर पर ओबीसी हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश में वे सामान्य श्रेणी में हैं। इसी तरह धोबी जाति उत्तरी राज्यों में एससी में आती है तो गुजरात-महाराष्ट्र में ओबीसी है। जाटों को लेकर भी ऐसी ही उलझन है। राजनीति में जाति हालांकि पहले ही घुस चुकी है, परंतु जातिगत जनगणना के बाद यह और भी ज्यादा बढ़ेगी, इसमें कोई संदेह नहीं। यह अनायास नहीं कि जाति की राजनीति करने वाली क्षेत्रीय पार्टियां इसके लिए बहुत मुखर हैं। ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर केंद्र सरकार का रुख क्या होगा यह तो आने वाला समय ही बताएगा, लेकिन यह तय है कि जातिगत जनगणना का दुरुपयोग जाति की राजनीति करने वाली पार्टियां करेंगी।

अपनों के दायरे से आगे

अंतरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ नैशनल अकेडमी ऑफ साइंसेज में पिछले सप्ताह प्रकाशित एक स्टडी रिपोर्ट ने बहुतों का ध्यान खींचा। इस स्टडी में पहली बार अलग-अलग देशों के संदर्भ में यह देखने की कोशिश हुई कि सामाजिक रूप से सचेत व्यवहार करने के मामले में किस देश के लोग कहां खड़े हैं? सामाजिक रूप से सचेत व्यवहार से मतलब है उन लोगों के हितों का, उनकी भावनाओं का भी ख्याल रखना, जो सीधे तौर पर हमसे जुड़े नहीं हैं, जिन्हें हम जानते नहीं है।

खास बात यह कि इसमें सिर्फ उन व्यवहारों को शामिल किया गया, जिनके लिए हमें कुछ खर्च नहीं करता पड़ता या जिनमें समय लगाने की जरूरत नहीं होती। 31 देशों के लोगों पर की गई इस स्टडी के मुताबिक, भारत इस मामले में नीचे से तीसरे नंबर पर है। तुर्की और इंडोनेशिया ही उससे नीचे हैं। इस मामले में टॉप पर है जापान, जहां लोगों के अच्छे व्यवहार का प्रतिशत 72 है। ऑस्ट्रेलियाई 69 फीसदी और मेक्सिकन 68 फीसदी के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे नंबर हैं। भारत 50 फीसदी पर है। उल्लेखनीय है कि दूसरों की भावनाओं का ख्याल रखने का मतलब सिर्फ सॉरी -थैंक्यू कहना नहीं है। वरना दुनिया के सबसे विनम्र लोगों वाला देश कनाडा इस स्टडी में 57 फीसदी पॉइंट के साथ कम स्कोर वाले देशों में शामिल नहीं होता।

बहरहाल, यह नंबरिंग खास मायने नहीं रखती। महत्वपूर्ण यह तथ्य है कि आम तौर पर हमारा व्यवहार हमारी व्यापक सामाजिक चेतना पर निर्भर करता है, जो काफी हद तक हमारे सांस्कृतिक परिवेश से तय होती है। विभिन्न देश, समाज इस मामले में अलग-अलग स्थिति में क्यों हैं, यह एक जटिल सवाल है। इस स्टडी रिपोर्ट में भी यही कहा गया है कि विभिन्न देशों की अलग-अलग स्थिति की व्याख्या करने के लिए और अध्ययन करने की जरूरत है, लेकिन दो बातें साफ हैं। एक तो यह कि जिन देशों और समाजों में लोग उन्नत सामाजिक चेतना से लैस हैं यानी जहां वे अनजान लोगों के हितों, उनकी भावनाओं को लेकर भी सचेत होते हैं, वहां पारस्परिक विश्वास ज्यादा होता है जिसका सकारात्मक प्रभाव राजनीतिक, आर्थिक नीतियों और विकास पर होता है। उदाहरण के लिए, वहां कड़े कानूनों की जरूरत नहीं पड़ती और माहौल में खुलापन होता है। दूसरी बात यह है कि ये सामाजिक मानदंड एक जैसे नहीं रहते। समय के साथ इनमें बदलाव आता है। मतलब यह कि चाहे जितनी भी जटिल प्रक्रिया हो, उसका सावधानी से विश्लेषण करते हुए बदलाव की इस प्रक्रिया को सकारात्मक मोड़ दिया जा सकता है। अगर अपने देश के सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में इसकी पड़ताल की जाए तो वसुधैव कुटुंबकम यानी पूरी पृथ्वी को परिवार मानने के आदर्श के साथ अपने ही समाज के कुछ खास हिस्सों को खुद से अलग मानने के यथार्थ का विरोधाभास अच्छी केस स्टडी हो सकता है।

शिक्षक को चाहिए सुविधा और सम्मान, कल्याण के लिए शिक्षा मंत्री को और बढ़ानी होगी सक्रियता

कई वर्ष पहले एक राज्य के मुख्यमंत्री के साथ हवाई यात्र के दौरान विस्तृत चर्चा का अवसर मिला था। उसमें शिक्षा सुधार, अनियमित नियुक्तियां, संविदा अध्यापकों का चलन, अध्यापकों की अनुपस्थिति जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री जी ने शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ाने में रुचि दिखाते हुए कहा कि प्रोफेसर साहब, ऐसा कोई उपाय बताइए जिससे बिना वित्तीय आवंटन बढ़ाए शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ जाए। मैंने कहा कि इसका भी एक उपाय है, जिसमें आपको सिर्फ एक आदेश पारित कर उसे लागू कराना है। उन्होंने आश्चर्य से मेरी तरफ देखा मानों कि मैंने कोई हल्की-फुल्की या हास्यास्पद बात कह दी हो! मेरा सुझाव यही था कि प्रदेश के सभी अधिकारी अध्यापकों का सम्मान करें। जब भी कोई अध्यापक उनसे मिलने आए, वे अपनी कुर्सी से उठकर खड़े होकर आगंतुक शिक्षक को आदरपूर्वक स्थान ग्रहण करने को कहें। उसके बैठ जाने के बाद ही अपना स्थान ग्रहण करें। उनकी बातों को महत्व दें। वार्ता समाप्त होने पर उन्हें दरवाजे तक छोड़ने जाएं। इस सुझाव पर मैंने कहा कि इससे गुणवत्ता निश्चित रूप से सुधरेगी। स्कूलों में अध्यापकों की उपस्थिति बढ़ेगी। अध्यापक के आत्मबोध में वृद्धि होगी। समाज में उसकी प्रतिष्ठा और स्वीकार्यता भी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री महोदय बड़े ध्यान से सुन रहे थे। उनके चेहरे के भाव लगातार बदल रहे थे। मेरी बात समाप्त होने के बाद वह कुछ समय विचारमग्न होकर बोले कि मेरे लिए यह करना संभव नहीं। नीति-नियंताओं को मेरे ये सुझाव भले ही अव्यावहारिक लगते रहे हों, लेकिन उनमें अपना पूर्ण विश्वास होने के कारण मैं लगातार उन्हें दोहराता रहा हूं।

पिछले कुछ वर्षो में फिनलैंड की शिक्षा व्यवस्था खासी चर्चित रही है। देश से कई दल वहां के शिक्षा परिदृश्य का अवलोकन करने के लिए भी गए। मालूम नहीं कि उन्होंने इस पर गौर किया हो कि फिनलैंड के समाज में सबसे विशिष्ट व्यक्ति या कहें वीआइपी का दर्जा शिक्षक को ही प्राप्त है। इसका उल्लेख किसी अनुक्रम सूची में तो नहीं है, परंतु वहां के लोगों के व्यवहार में यह प्रत्यक्ष दिखता है। मुझे पता चला कि भारत में जो महत्व संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा का है वही प्रतिष्ठा फिनलैंड में अध्यापक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए आयोजित परीक्षा को प्राप्त है। इसका अर्थ है कि सबसे श्रेष्ठ प्रतिभाएं ही अध्यापक वर्ग में प्रवेश पा सकती हैं। ऐसे में शिक्षक दिवस के अवसर पर मेरे मन में इस आकांक्षा का अंकुर फूटना स्वाभाविक ही है कि सरकार कोई ऐसी घोषणा करे जिससे देश में प्रत्येक अध्यापक को सामाजिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था के सोपान में मानवीय गरिमा, अपेक्षित सम्मान और प्रतिष्ठा सुनिश्चित हो।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन की आस बंधी है। इसमें अपेक्षित परिणामों के लिए बहुआयामी प्रयास आवश्यक होंगे और शिक्षकों का योगदान ही ऐसे प्रयासों के केंद्र में होगा। शिक्षा नीति में भी इस तथ्य को स्वीकार किया गया है। इसमें स्पष्ट उल्लेख है कि शिक्षा नीति इस प्रकार लागू की जाएगी कि अध्यापन के पेशे में सबसे प्रतिभाशाली लोगों का चयन हो सके। इसके साथ ही उनकी आजीविका, सम्मान, मान-मर्यादा और स्वायत्तता भी सुनिश्चित करनी होगी। यह सब सुनने और पढ़ने में अच्छा लगता है, लेकिन इसमें सफलता सटीक क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी। दरअसल इसमें संदेह इस बात से भी उभरते हैं कि पिछले कुछ समय से अध्यापकों को ऐसे आश्वासन दिए जा रहे हैं, परंतु उन पर प्रगति उतनी उत्साहजनक नहीं रही।

शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों के तमाम पद रिक्त हैं। इससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। जब प्रणब मुखर्जी राष्ट्रपति थे तब उन्होंने केंद्रीय विश्वविद्यालयों से कुलपतियों की बैठक में सभी रिक्त पदों को छह महीने में भरने की अपेक्षा व्यक्त की थी। संभव है कि आज तक ऐसा न हो पाया हो। निस्संदेह इसमें तमाम कठिनाइयां हो सकती हैं, लेकिन उनका समाधान निकालना ही तो अकादमिक नेतृत्व से अपेक्षित है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नियुक्तियों में तेजी लाने के लिए पहल की है। ऐसे में यही उम्मीद की जा सकती है कि अतीत के अनुभवों से सबक लेकर प्रक्रियागत खामियों से पार पाकर नियुक्ति के लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा। यह असंभव नहीं है। दृढ़ इच्छाशक्ति और कार्यसंस्कृति में परिवर्तन से इसे प्राप्त किया जा सकता है। भारत के अध्यापकों की कर्मठता, लगनशीलता और नया सीखने की तत्परता के नए उदाहरण बीते दिनों देखने को मिले। जो शिक्षक मोबाइल के उपयोग को लेकर हिचकते थे उन्होंने कोरोना के कठिन समय में उसी मोबाइल को आनलाइन शिक्षा का मंच बना लिया। नेटवर्क सहित तमाम तकनीकी बाधाओं से जूझने के बावजूद उनकी यह मुहिम जारी रही। उन्होंने कई आवश्यक सर्वेक्षणों में भी अपनी महती भूमिका निभाई। इसी दौरान संक्रमण की चपेट में आकर कई शिक्षक काल-कवलित भी हो गए। देश में अध्यापकों के कल्याण के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने अनिवार्य हैं, क्योंकि वही देश की भावी पीढ़ी का निर्माण करते हैं।

कई समस्याओं का समाधान है गो पालन, भारतीय परंपरा का अभिन्न अंग रहा है गोवंश

अफगानिस्तान का पतन अमेरिकी विदेश नीति का महत्वपूर्ण संकट है और इसके लिए बाइडन ही पूरी तरह जिम्मेदार हैं। जिस देश को 9-11 के आतंकी हमले के बाद घरेलू और बाहरी स्तर पर अप्रत्याशित समर्थन मिला था उसके दो दशक बाद वहां जबरदस्त विभाजन देखने को मिल रहा है। इस विभाजन का कारण उसका नेतृत्व ही है जो अपनी अक्षमता और अदूरदर्शिता के कारण खतरे को भांप नहीं पाया। संभव है कि काबुल में अमेरिकी पैठ पूरी तरह समाप्त न हो, परंतु अमेरिका ने दक्षिण एशिया को जिस आतंकी की भट्टी के मुहाने पर बिठा दिया है उसके बाद वाशिंगटन को विश्व स्तर पर सक्रियता के लिए कुछ नए तौर-तरीके ईजाद करने होंगे।

छले दिनों इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि गोमांस खाना किसी का मौलिक अधिकार नहीं है। बूढ़ी बीमार गाय भी कृषि के लिए उपयोगी है। यह कृषि की रीढ़ है। गाय का मल एवं मूत्र असाध्य रोगों में लाभकारी है। इसकी हत्या की इजाजत देना ठीक नहीं। हाई कोर्ट ने वैदिक, पौराणिक, सांस्कृतिक महत्व एवं सामाजिक उपयोगिता को देखते हुए गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने का सुझाव दिया है। देखा जाए तो कोर्ट ने यह टिप्पणी महज भावनात्मक आधार पर नहीं की है। यह बात वैज्ञानिक और व्यावहारिक तौर पर सही है कि यदि गाय को सहेजा जाए तो इससे प्रकृति और समाज दोनों को बचाया जा सकता है। गो संरक्षण को यदि नारों से आगे ले जाकर हकीकत बनाया जाए तो इससे भारत के कई संकटों-बढ़ती आबादी-घटते रकबे, कुपोषण, बेरोजगारी और प्रदूषण का समाधान हो जाएगा। हालांकि गोवंश संरक्षण के लिए गोशालाएं खोलने के बजाय उन्हें पूर्व की भांति हमारी सामाजिक-आर्थिक धुरी बनाना होगा। गोरक्षा के क्षेत्र में सक्रिय लोगों को यह बात जान लेनी चाहिए कि अब केवल धर्म, आस्था या देवी-देवता के नाम पर गाय को बचाने की बात न तो व्यावहारिक है और न तार्किक। गंभीरता से देखें तो खेती को लाभकारी बनाने, कार्बन उत्सर्जन को कम करने और सभी को पौष्टिक भोजन मुहैया करवाने की मुहिम गोवंश पालन के बिना संभव नहीं है।

मानव सभ्यता के आरंभ से ही गोवंश मनुष्य के विकास पथ का सहयात्री रहा है। मोहनजोदड़ो और हड़प्पा से मिले अवशेष साक्षी हैं कि पांच हजार साल पहले भी हमारे यहां गोवंश पूजनीय थे। आज

भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मूल आधार गोवंश है। हालांकि भैंस के बढ़ते प्रचलन तथा कतिपय कारखाना मालिकों एवं पेट्रो-उद्योग के दबाव में गांवों में अब टैक्टर और अन्य मशीनों का प्रयोग बढ़ा है, लेकिन यह बात अब धीरे-धीरे समझ आने लगी है कि छोटे किसानों के लिए बैल न केवल किफायती, बल्कि धरती एवं पर्यावरण के संरक्षक भी हैं। अनुमान है कि देश में बैल हर साल एक अरब 20 करोड़ घंटे हल चलाते हैं। सरकारी अनुमान है कि आने वाले आठ वर्षों में भारत में करीब 27 करोड़ बेसहारा मवेशी होंगे। यदि उन्हें सलीके से सहेजें तो हमारे पास इस पशुधन का बड़ा भंडार हो जाएगा।

भारत की गाय का दुग्ध उत्पादन दुनिया में सबसे कम है। हमारे देश में एक गाय सालाना 500 लीटर से भी कम दूध देती है। जबकि डेनमार्क में दूध देने वाली प्रत्येक गाय का सालानाउत्पादन औसत 4,101 लीटर है। यह आंकड़ा स्विट्जरलैंड में 4,156 लीटर, अमेरिका में 5,386 और इंग्लैंड में 4,773 लीटर है। जाहिर है कि भारत में गाय पालना घाटे का सौदा है। यही वजह है कि जब गाय दूध देती है तब तो पालक उसे घर पर रखता है और जब वह सूख जाती है तो सड़क पर छोड़ देता है। हमें गाय की ऐसी नस्लों पर फोकस करना चाहिए जिनसे अधिक से अधिक दूध हासिल हो सके। ऐसा नहीं है कि पहले बूढ़ी गाय हुआ नहीं करती थीं, लेकिन तब चारे के लिए देश के हर गांव-मजरे में जो जमीन, तालाब और जंगल हुआ करते थे वे आधुनिकता की भेंट चढ़ गए। तालाब पाट दिए गए। जंगल भी काट लिए। जाहिर है कि ऐसे में निराश्रित पशु आपके खेत के ही सहारे रहेंगे।

सर्वविदित है कि गाय पालन को बढ़ावा देकर हम दूध एवं उसके उत्पाद को बढ़ा सकते हैं। इससे हमें कम कीमत पर पौष्टिक आहार मिल सकता है। बैल का खेती में इस्तेमाल डीजल पर हमारे खर्च को बचा सकता है। साथ ही यह डीजल से संचालित ट्रैक्टर, पंप और अन्य उपकरणों से होने वाले घातक प्रदूषण से भी निजात दिलवा सकता है। वहीं छोटे रकबे के किसान के लिए बैल का इस्तेमाल ट्रैक्टर के मुकाबले सस्ता और पर्यावरण हितैषी होता है। गोबर और गोमूत्र का खेती-किसानी में इस्तेमाल न केवल लागत कम करता है, बल्कि मिट्टी को उपजाऊ बनाने के साथ-साथ उसमें कार्बन की मात्र को नियंत्रित करने का भी बड़ा जरिया है। फसल अवशेष जलाना इस समय देश की एक बड़ी समस्या बन गई है। गोवंश के इस्तेमाल बढ़ने पर यह उनके आहार में उपयोग हो जाएगा। दुर्भाग्य है कि हमारा राजनीतिक नेतृत्व वैज्ञानिकता से परे भावनात्मक बातों से गाय पालना चाहता है। कुछ दिनों पहले मध्य प्रदेश में ही घोषणा की गई कि मिड डे मील का भोजन लकड़ी की जगह गाय के गोबर से बने उपलों पर पकेगा। असल में उपलों को जलाने से ऊष्मा कम मिलती है और कार्बन तथा अन्य वायु-प्रदूषक तत्व अधिक निकलते हैं। इसकी जगह गोबर का खाद के रूप में इस्तेमाल ज्यादा परिणामदायी होता है। यह तथ्य सरकार में बैठे लोग जानते हैं कि भारत में मवेशियों की संख्या कोई तीस करोड़ है। इनसे लगभग 30 लाख टन गोबर हर रोज मिलता है। इसमें से तीस प्रतिशत को कंडा/उपला बनाकर जला दिया जाता है। वहीं ब्रिटेन में गोबर गैस से हर साल 16 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन होता है। चीन में डेढ़ करोड़ परिवारों को घरेलू ऊर्जा के लिए गोबर गैस की सप्लाई होती है। यदि हमारे देश में भी गोबर का सही इस्तेमाल हो तो हर साल छह करोड़ टन के लगभग लकड़ी और साढ़े तीन करोड़ टन कोयले को बचाया जा सकता है। इससे तमाम लोगों को रोजगार भी मिल सकता है।

जाहिर है देश और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पशुधन को सहेजने के प्रति दूरदर्शी नीति और कार्ययोजना समय की मांग है। आज भी भारत की राष्ट्रीय आय में पशुपालकों का प्रत्यक्ष योगदान छह फीसद है। गाय पर कोई दया न दिखाए, बस उसकी क्षमता का देश के लिए इस्तेमाल करें। जरूरत है सरकारें इलाहाबाद हाई कोर्ट की बातों का मर्म समझें कि गाय मात्र आस्था का विषय नहीं, अपितु अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण से भी जुड़ा मसला है। इसलिए गाय पालना जरूरी है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

रोहतास में मुखिया ने किया था शौचालय का उद्घाटन, अब भी खुले में शौच के लिए जाने को मजबूर लोग

अकोढ़ीगोला (सासाराम)। प्रखंड के अकोढ़ीगोला अनुसूचित जाति टोला में बना सामुदायिक स्वच्छता परिसर वहां के बाशिदों के लिए शोभा की वस्तु बनकर रह गया है। शौचालय विहीन लोगों के लिए बनाए गए इस सामुदायिक शौचालय का लाभ अबतक उन्हें नहीं मिल पाया। सामुदायिक स्वच्छता परिसर का दिखावे के लिए उद्घाटन कर उसमें ताला जड़ दिया गया है। अकोढ़ी पंचायत सरकार भवन के पास बने सामुदायिक स्वच्छता परिसर का उद्घाटन पंचायत की मुखिया ने इसी वर्ष 15 अगस्त को किया था। उदघाटन के बाद से ही शौचालय में ताला लगा हुआ है।छोटू पासवान ने कहा कि पंचायत सरकार भवन के पास शौचालय विहीन लोगों के लिए सामुदायिक शौचालय बनाया गया है। जिसका उद्घाटन 15 अगस्त को मुखिया ने बड़े ही तामझाम के साथ किया था था, परंतु उद्घाटन के बाद शौचालय में ताला जड़ दिया गया है। अप्रैल 2021 में दो लाख 80 हजार की लागत से सामुदायिक शौचालय का निर्माण हुआ है। रविरंजन पासवान ने कहा कि शौचालय के ऊपर बैठाई गई टंकी में पानी के लिए पंचायत सरकार भवन में लगे मोटर से पानी आने की बात कही गई। अब मोटर खराब होने का हवाला देकर पानी नही रहने की बात कह शौचालय को बंद रखा गया है। धर्मेंद्र राम ने कहा कि बस्ती को खुले में शौच मुक्त बनाने के लिए प्रशासन की ओर से सामुदायिक शौचालय का निर्माण तो करा दिया गया है, परंतु शौचालय में ताला बंद रहने से लोग आज भी बाहर खुले में शौच करने को विवश है। सर्वजीत राम ने कहा कि केवल दिखावे के लिए ही सामुदायिक शौचालय का निर्माण किया गया है। जिनके लिए शौचालय बना है, उन्हें इसका उपयोग नहीं करने दिया जा रहा। अब चुनाव का समय आ गया है। इसी शौचालय को दिखा पूर्व मुखिया वोट मांगने आ रहे हैं।

निलंबित आइपीएस राकेश दुबे के बिहार-झारखंड के चार ठिकानों पर ईओयू का छापा

पटना । बालू के अवैध खनन मामले में निलंबित किए गए भोजपुर के एसपी व आइपीएस अधिकारी राकेश दुबे के बिहार-झारखंड के चार ठिकानों पर गुरुवार को आर्थिक अपराध इकाई ने छापेमारी की। पटना के एसकेपुरी स्थित आवास व अभियंता नगर के सुदामा पैलेस स्थित फ्लैट के साथ झारखंड के जसीडीह स्थित होटल सचिन रेसिडेंसी और जसीडीह के ही सिमरिया गांव स्थित पैतृक आवास पर ईओयू की टीम ने तलाशी ली। इस दौरान उनके बैंक खाते, शेयर, बीमा, आयकर रिटर्न, चल-अचल संपत्ति से जुड़े दस्तावेज आदि की पड़ताल की गई। छापेमारी देर शाम तक जारी रही। ईओयू के एडीजी नैयर हसनैन खान ने बताया कि ईओयू ने बुधवार को एसपी पर आय से अधिक संपत्ति मामले में प्राथमिकी दर्ज करते हुए कोर्ट से सर्च वारंट हासिल किया। पटना व जसीडीह के दो-दो ठिकानों पर ईओयू की अलग-अलग टीमों ने तलाशी ली है।

विभाग ने भी मांगा है स्पष्टीकरण- बालू के अवैध खनन मामले में हटाए गए सभी 41 पुलिस और प्रशासनिक पदाधिकारियों पर विभागीय कार्यवाही भी जारी है। अफसरों से उनपर लगे आरोपों को लेकर स्पष्टीकरण मांगा गया है। कई अफसरों ने जवाब दे दिया है, जबकि कई को जवाब देना है। इसके बाद उन पर विभाग के स्तर से भी कार्रवाई होनी है। अभी तक इस मामले में पांच अफसरों पर आय से अधिक संपत्ति मामले में प्राथमिकी दर्ज कर छापेमारी की जा चुकी है। ईओयू सूत्रों के अनुसार, जल्द ही बालू खनन में कई अन्य अफसरों के ठिकानों पर भी छापेमारी हो सकती है। बताया जाता है कि राकेश दुबे के जिन ठिकानों पर रेड की जा रही है वह उनके रिश्तेदारों के नाम पर है।

लालू की लालटेन पर तेजप्रताप ने ठोका दावा! छात्र जनशक्ति परिषद के सिंबल पर सियासी चर्चा तेज

पटना । आरजेडी विधायक और राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव अक्सर अपने अंदाज और तेवर के लिए जाने जाते हैं। अपने बयानों से पार्टी से लेकर परिवार तक में बवंडर मचाने वाले तेजप्रताप एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। चर्चा इस बात की है कि क्या तेजप्रताप यादव, लालू की लालटेन को खुद की हाथ में लेना चाहते हैं? दरअसल ये चर्चा तेजप्रताप द्वार गठित छात्र जनशक्ति परिषद के लेटर पैड से शुरू हुई है। इस लेटर पैड में खास बात ये है कि इसके सिंबल में लालटेन किसी के हाथों में है।

किसके हाथ में है लालू की लालटेन- आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह से तेजप्रताप की अदावत के बाद उन्होंने पार्टी से अलग छात्र विंग का गठन कर लिया। नाम रखा छात्र जनशक्ति परिषद। लेकिन तेजप्रताप अपने इस संगठन को पार्टी से जोड़कर रखना चाहते हैं। या यूं कह ले कि वो राजद के बैनर तले ही अपनी छात्र राजनीति को आगे बढ़ाने के मूड में हैं। छात्र जनशक्ति के गठन के बाद मंगलवार को इस संगठन के नवनियुक्त प्रमंडल प्रभारियों की घोषणा की गई। इस लेटर पैड में सिंबल के रुप में हाथ में लालटेन को रखा गया है। इसके साथ ही तेजप्रताप यादव की छात्र जनशक्ति परिषद को राजद का ही हिस्सा बताया गया है और तेजप्रताप को इसका राष्ट्रीय अध्यक्ष।

क्या फिर बैकफुट पर आएंगे तेजप्रताप-राष्ट्रीय जनता दल और तेजप्रताप यादव की छात्र जनशक्ति परिषद दोनों का सिंबल एक जैसा होने पर पार्टी ने एतराज जाहिर किया है। सूत्रों की माने तो तेजप्रताप यादव से इसको बदलने को कहा गया है। अब देखना है कि तेजप्रताप यादव आगे क्या फैसला लेतै हैं। लालू यादव के बेड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने हाल में वृंदावन से तस्वीर पोस्ट की थी। जिसमें वो पीली धोती और कुर्ते में नजर आए थे।

झारखंड में सभी मंदिर व धार्मिक स्थल खुलेंगे, कक्षा 6 से ऊपर सभी क्लासों में नियमित पढ़ाई

रांची । झारखंड के सभी मंदिरों समेत तमाम धार्मिक स्थल खोलने के निर्देश दे दिए गए हैं। इसके अलावा राज्य में कक्षा 6 से ऊपर के सभी क्लासों में पढ़ाई नियमित होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आपदा प्रबंधन प्राधिकार की बैठक में यह निर्णय लिया गया। सभी कॉलेज भी नियमित रूप से खुलेंगे। इसके अलावा रेस्टोरेंट्स रात के 11ः00 बजे तक खुले रह सकते हैं। आज मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंत्री और विभागीय सचिवों के साथ आपदा प्रबंधन प्राधिकार की बैठक में यह निर्णय लिया। झारखंड अब पूरी तरह अनलाक होने की ओर बढ़ चला है। कक्षा छह से आठ तक के बच्चे सोमवार से स्कूल जाकर पढ़ाई कर सकेंगे। सभी विद्यालय आफलाइन क्लास के मुद्दे पर छात्र-छात्राओं के अभिभावकों की सहमति लेकर इस दिशा में कदम उठा सकते हैं। इतना ही नहीं, राज्य के सभी धार्मिक स्थलों को भी खोलने का निर्देश दे दिया गया है। गुरुवार से यहां पुजारी के अलावा श्रद्धालु भी जा सकेंगे। दुर्गा पूजा के पंडाल बनाने की भी अनुमति दे दी गई है। साथ ही बार व रेस्तरां रात 11 बजे तक खुल सकेंगे। शराब की दुकानें अब सातों दिन खुलेंगी। सभी खेल-कूद की गतिविधियों को बगैर दर्शकों के ही आयोजन की अनुमति दी गई है।

आम आदमी पार्टी का यूपी में भी 300 यूनिट फ्री बिजली देने का वादा, डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की घोषणा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में बिना किसी दल के साथ गठबंधन के चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में लगी आम आदमी पार्टी ने उत्तर प्रदेश के लोगों से भी बड़ा वादा कर दिया है। 403 सीट पर चुनाव लडने की तैयारी के क्रम में सौ से अधिक संभावित उम्मीदवारों की घोषणा करने वाली आम आदमी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में भी 300 यूनिट फ्री देने की घोषणा की है। मनीष सिसोदिया ने यूपी में सरकार बनने पर जनता को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने और लंबित बिलों को माफ करने का ऐलान किया।

दिल्ली में जनता को 300 यूनिट फ्री बिजली दे रही आम आदमी पार्टी ने पंजाब तथा उत्तराखंड के बाद अब उत्तर प्रदेश की जनता से भी बड़ा वादा किया है। उत्तर प्रदेश में गुरुवार को आम आम आदमी पार्टी ने बड़ा ऐलान किया है। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने घोषणा की है कि अगर उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो 300 यूनिट तक बिजली फ्री देंगे।

दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के साथ ही उत्तर प्रदेश के सीएम कैंडीडेट व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने यह चुनावी घोषणा की है। मनीष सिसोदिया ने ट्वीट करके फ्री बिजली का वादा किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के 24 घंटे के अंदर ही 300 यूनिट फ्री बिजली की योजना लागू होगी।

दिल्ली के डिप्टी सीएम और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को घोषणा की कि यूपी में आप की सरकार बनने के 24 घंटे के अंदर घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट तक बिजली मुफ्त दी जाएगी। यही नहीं किसानों को खेती के लिए असीमित बिजली मुफ्त दी जाएगी। वही 38 लाख लोगों के बकाया बिजली बिल को माफ करेगी। सिसोदिया ने 24 घंटे बिजली देने का भी वादा किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में लोगों को मुफ्त बिजली दी जा रही है।

दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। दिल्ली में बिजली का उत्पादन नहीं होता और खरीद कर बिजली दी जाती है। उत्तर प्रदेश में तो बिजली का उत्पादन किया जाता है लेकिन यहां गलत नीतियों के कारण लोगों को महंगी बिजली दी जाती है। तमाम लोग हर साल सुसाइड करने को मजबूर होते हैं। मालूम हो कि आप ने वर्ष 2022 में होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव के लिए 100 प्रत्याशियों की पहली सूची भी जारी कर दी है। यूपी में आप की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा कौन होगा इस सवाल के जवाब में सिसोदिया ने कहा कि समय आने पर पार्टी यह भी तय कर देगी। आप केजरीवाल के बेहतर गवर्नेंस माडल को लेकर मैदान में उतरेगी।

अखिलेश यादव का बीजेपी पर गंभीर आरोप, बोले- किसानों की आय दोगुनी करने का वादा झूठा

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने किसानों के हित की योजनाओं को लेकर केन्द्र के साथ उत्तर प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला है। समाजवादी पार्टी के उत्तर प्रदेश राज्य मुख्यालय में पूर्व आयकर आयुक्त तथा पूर्व विधायक के साथ दर्जन भर से अधिक लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी मौजूद थे।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने इस मौके पर कहा कि लोगों के पार्टी में लगातार शामिल होने से हमारा परिवार दिन पर दिन बड़ा होता जा रहा है। अखिलेश यादव ने केन्द्र तथा प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला करते हुए कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा झूठा है। इस सरकार बदलते ही किसानों के दिन बदलेंगे। उन्होंने कहा कि लोगों ने देखा है कि योगी आदित्यनाथ सरकार ने पंचायत चुनाव में किस तरह से गुंडागर्दी करके लोकतंत्र का गला घोंटा है। इस सरकार ने मां गंगा को भी धोखा दिया है। प्रदेश की सारी नदियां गंदी होती जा रही हैं। यह सरकार सिर्फ हमारी योजनाओं का फीता काट रही है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में घोर अराजकता का माहौल है। कहीं पर भी बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। पुलिस भी बेलगाम है। सरकार से प्रदेश संभल नहीं पा रहा है। इस अवसर पर समावादी पार्टी में गुरुवार को काफी लोग शामिल भी हुए। इन सभी को अखिलेश यादव ने सदस्यता पत्र प्रदान किया। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष ने पूर्व आयकर आयुक्त शिव वचन राम के साथ पूर्व विधायक भगेरू राम को उनके समर्थकों के साथ पार्टी में शामिल कराया।

बादलों की आगोश में उत्तर प्रदेश, झमाझम बरसात से महानगरों में जलभराव; तेज हवाओं से कई जगह पेड़ गिरे

लखनऊ । सावन में मानसून की अपेक्षित बरसात से वंचित रहे उत्तर प्रदेश के लोगों को भादों ने सराबोर कर दिया है। समूचा उत्तर प्रदेश बुधवार आधी रात से बादलों की आगोश में है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन तक ऐसा ही मौसम रहने का अलर्ट भी जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे तक बारिश के आसार ऐसे ही बने रहेंगे।

प्रदेश में बीते 12 घंटों से लखनऊ सहित अन्य महानगरों में आधी रात से ही झमाझम बरसात से जलभराव हो गया है। तेज हवाओं के साथ बरसात के कारण जगह-जगह पर पेड़ गिर गए हैं, जिसके कारण कई जगह पर बिजली की आपूर्ति भी बाधित है। बीते 12 घंटे से प्रदेश के पशिचमी, पूर्वी, मध्य, दक्षिण तथा उत्तरी भाग बादलों की आगोश में हैं। कहीं पर तेज तथा कहीं पर हल्की बारिश हो रही है। लखनऊ तथा कानपुर में तो जमकर पानी बरस रहा है। लखनऊ में तेज बारिश के साथ तूफान के कारण कई जगह पर पेड़ भी गिरे हैं। रेलवे स्टेशन व बस स्टेशन में पानी भरा है। अंडरपास में भी बारिश का पानी भरा है। राजधानी के पॉश कालोनी में भी जगह- जगह जलजमाव से लोग परेशान हैं।

प्रदेश में प्रयागराज और आसपास के जिलों प्रतापगढ़ तथा कौशांबी में रुक रुक कर बरसात जारी है। आसमान में बादल छाए हुए हैं। कानपुर में गुरुवार तड़के से बारिश अनवरत जारी है। यहां पर तेज बारिश से लोग काफी प्रभावित हैं। यहां पर कभी धीमी तो कभी तेज हो रही है।

प्रदेश के दक्षिण भाग के जिले झांसी तथा ललितपुर और आसपास के इलाकों में बुधवार शाम से ही कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश हो रही है। आज भी तेज पानी बरस रहा है। वाराणसी समेत पूर्वांचल में घने बादल छाए हैं और रुक - रुककर बारिश हो रही है। कल के मुकाबले आज हवा धीरे चल रही है।

गोरखपुर में गुरुवार को भी बारिश का सिलसिला जारी है। बुधवार को हल्की तो गुरुवार सुबह से झमाझम बारिश हो रही है।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा में सुबह से झमाझम बारिश हो रही है। गाजियाबाद में सुबह हल्की बौछारें पड़ीं। इसके बाद गाजियाबाद में तेज बारिश हो रही है। अलीगढ़ मे बूंदाबांदी के बाद कुछ देर तेज बरसात हुई। यहां पर अभी बादल छाए हुए हैं। हापुड़ में करीब आधा घंटे तेज बारिश हुई फिलहाल बारिश बंद है। बरेली में सुबह से हल्की बारिश हुई। बादल छाये हैं। मुरादाबाद में सुबह हल्की बारिश के बाद धूप निकली।

अभी जारी रहेगी तेज बारिश

मौसम विभाग ने हमीरपुर, वाराणसी, प्रयागराज, फतेहपुर, अमेठी इत्यादि जनपदों में तेज बारिश जारी रहने का अनुमान लगाया है। मौसम विभाग के अनुसार भारी बारिश से यह इलाके जलमग्न हो सकते हैं। मौसम विभाग के निदेशक डॉ जेपी के गुप्ता के अनुसार हमीरपुर, वाराणसी, फतेहपुर के अलावा सुल्तानपुर अमेठी, गाजीपुर, झांसी, बांदा, बलिया गोरखपुर, उरई इत्यादि जनपदों में तेज बारिश की की संभावना अगले 24 घंटे तक बनी रहेगी।

इस दौरान लोगों को घर से बाहर नहीं निकलने व पुराने मकान मकानों में रह रहे लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। आज भी दिनभर बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। रात भर से जारी तेज बारिश के चलते अधिकांश इलाकों में बिजली की आपूर्ति भी बाधित चल रही है। इससे भी लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

बैंक कर्मी हत्याकांड में एमपी-एमएलए कोर्ट में गवाही देने जा रहे लोगों की कार ट्रक से टकराई

वाराणसी। खजुरी अंडरपास के निकट गुरुवार की सुबह करीब आठ बजे हाइवे पर ट्रक व कार में टक्कर हो गई।हादसे में कार सवार सूरज प्रसाद, चालक बंटी व अधिवक्ता नवीन श्रीवास्तव घायल हो गए।चालक समेत दो लोगो को बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती किया गया हैं।कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया हैं।घायल द्वारा हत्या की नीयत से कार में टक्कर मरवाने का आरोप लगाया जा रहा हैं।फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच जांच-पड़ताल की।पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

बताते हैं कि 23 अप्रैल 2012 को कैंट थाना क्षेत्र के भोजूबीर में हुई बैंक कर्मी महेश जायसवाल की हत्या के मामले में भेलूपुर के खोजवां निवासी सूरज प्रसाद कार से अधिवक्ता नवीन श्रीवास्तव संग प्रयागराज स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट में गवाही देने जा रहे थे।बंटी कार चला रहे थे।खजुरी पुलिस चौकी के निकट हाइवे सिक्सलेन व रिंगरोड निर्माण कार्य करा रही जी.आर.इंफ्रा लिमिटेड कम्पनी के प्लांट के सामने बने टर्निंग कट प्वाइंट पर अचानक एक ट्रक के मुड़ने से कार उसमें टकरा गई।

टक्कर के बाद ट्रक चालक वाहन समेत भाग निकला।इस हत्या के मामले में होटल कारोबारी व वाराणसी के पूर्व सांसद जवाहर जायसवाल भी आरोपित हैं।इस हत्याकांड का शूटर रोहित उर्फ सनी को एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया था।घायल सूरज प्रसाद की तहरीर पर 279, 337, 338, 427 व 307 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।आरोप हैं कि जवाहर जायसवाल के परिवार द्वारा हत्या करवाने की नीयत से कार में टक्कर मरवाई गई। मिर्जामुराद थानाप्रभारी निरीक्षक दुर्गेश कुमार मिश्र ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही हैं।सीसी टीवी फुटेज से ट्रक की पहचान हो गई हैं।

पेड़ गिरने से यातायात बाधित = वाराणसी।पिछले दिनों से हो रही लगातार मूसलाधार बारिश से लोगों को गर्मी से राहत तो मिली ही है और मौसम भी खुशनुमा हो गया है लेकिन लगातार हो रही बारिश से गुरुवार की सुबह चांदपुर चौराहे के समीप एक शीशम का पेड़ गिर गया जिसकी चपेट में वहां खड़ी एक बस व ट्रक भी पेड़ गिरने से क्षतिग्रस्त हो गए और एक लेन पर यातायात पूरी तरह बंद हो गया है स्थानीय लोगों ने सम्बन्धित अधिकारियों को सूचना दे दी है। दूसरी तरफ मंडुआडीह से मोढ़ेला जाने वाले मार्ग पर भी विशालकाय बरगद का पेड़ गिरने से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया है।दोनों पेड़ लगभग 50 वर्ष से भी ज्यादा पुराना है।

हाथ में झोला लेकर पगडंडी की तरफ से जा रहा था नेपाल, एसएसबी ने चेक किया तो उड़ गए होश

गोरखपुर । एसएसबी 43वीं वाहिनी के जवानों ने बुधवार की देर रात शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के खुनुवा बार्डर के पास 4.110 किलो चांदी के जेवरात के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसका नाम शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के सियांव गांव निवासी विशंभर केवट है।

सीमा पर गश्त कर रहे थे एसएसबी के जवान- एसएसबी के जवान सीमा पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान पगडंडी के रास्ते एक व्यक्ति नेपाल की ओर जाते हुए दिखाई दिया। जवानों ने उसे रोक पूछताछ शुरू की। संदेह के आधार पर हाथ में लिए झोले को चेक किया, जिसमें रखे चांदी के जेवरात बरामद हुए। पूछताछ में उसने बताया कि वह कैरियर का काम करता है। जेवरात को इसे नेपाल के तौलिहवा बाजार के एक व्यापारी के यहां पहुंचाना था। चांदी के जेवरात की कीमत मूल्य का सोना मिलता, जिसे शोहरतगढ़ के एक व्यापारी को देना था। इस काम के लिए उसे रास्ते के खर्च के अलावा दो हजार रुपये मेहनताना मिलता है। कार्रवाई करने वाली टीम में एसआइ एसएसबी राकेश कुमार सिंह पटेल, मुख्य आरक्षी कपिल कुमार, प्रकाश राय, आरक्षी मुकेश कुमार, अनिरुद्ध सिंह आदि मौजूद रहे।

अर्से से चल रहा तस्करी का खेल

इंडो-नेपाल बॉर्डर पर अर्से से तस्करी का खेल चल रहा है। खुली सीमा का फायदा उठाते हुए तस्कर भारत से चांदी के आभूषण नेपाल ले जाते हैं। उधर से सोना लाते हैं। सोना में शुद्धता की गारंटी होती है। इस अवैध कारोबार में जिले के कुछ ऐसे नामचीन व्यापारी हैं, जो एक दशक में फर्श से अर्श तक पहुंच गए। बार्डर के कस्बों में इन्होंने गुमटियां खोल रखी हैं, जहां से आभूषणों का आदान-प्रदान भी होता है। तस्करी के मामले में एक संगठन के जुड़े पदाधिकारी का भतीजा भी नेपाल जेल में बंद है। तस्करी की चांदी मथुरा से आती है, जो नेपाल के विभिन्न जनपदों तक भेजी जाती है। जिसके शुद्धता की गारंटी सिर्फ 50 फीसद होता है।

सीमा पर पकड़े जा चुके हैं तस्करी के कई मामले- एसएसबी 43वीं वाहिनी के कमांडेंट अमित कुमार सिंह ने बताया कि सोने व चांदी की तस्करी से संबंधित शिकायत मिल रही है। सीमा पर तस्करी के कई मामले पकड़ में भी आए है। पकड़े गए आरोपितों से हुई पूछताछ में अहम जानकारियां भी मिली है। संकलित सभी सूचनाएं पुलिस को दे दी जाती है। बार्डर पर एसएसबी के जवान अलर्ट हैं।

इलाहाबाद हाई कोर्ट का आदेश, मथुरा में यमुना को प्रदूषित करने वाले अफसरों पर कार्रवाई हो

प्रयागराज । इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मथुरा में यमुना में बिना शोधित दूषित पानी प्रवाहित होने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। पूछा है कि गैर शोधित पानी नदी में मिलने का क्या प्रभाव होगा? कोर्ट ने पूरी जिम्मेदारी से एसटीपी और ईटीपी मैनेजमेंट पर राज्य सरकार व नगर निगम से 23 सितंबर तक जवाब मांगा है। यह आदेश कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एमएन भंडारी तथा न्यायमूर्ति एके ओझा की खंडपीठ ने महंत मधु मंगल दास शुक्ल की जनहित याचिका पर दिया है।

कानपुर नगर में अभी भी दूषित पानी गंगा में जा रहा- इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा कि मथुरा में जितना सीवर पानी उत्सृजित होता है, एसटीपी की क्षमता उससे काफी कम है। इसलिए पूरे दूषित पानी का शोधन नहीं किया जा सकता। इसलिए यमुना में दूषित पानी जा रहा है। इससे पहले कोर्ट ने महाधिवक्ता से पूछा था कि नदी को दूषित पानी का टारगेट क्यों बनाया जाता है? सरकार इसकी व्यवस्था क्यों नहीं करती। हाई कोर्ट ने कहा याचिका की वर्षों से सुनवाई चल रही है। कानपुर नगर में अभी भी दूषित पानी गंगा में जा रहा है। जल निगम, जिलाधिकारी व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के हलफनामे विरोधाभासी हैं। इससे पता चलता है कि सिस्टम आपसी सहयोग से नहीं चल रहा।

यमुना किनारे घाटों का सुंदरीकरण प्रोजेक्ट- केंद्र व राज्य की गंगा यमुना को साफ रखने की साफ मंशा है। इसके बावजूद अधिकारी प्रबंधन नहीं कर पा रहे और दूषित पानी नदी में बिना शोधित हुए मिलता जा रहा है। सरकार ने मथुरा में यमुना किनारे घाटों का सुंदरीकरण प्रोजेक्ट शुरु किया है। नदी में पाइपलाइन डाली जा रही है, ताकि सीवर का पानी कामन एसटीपी में ले जाकर शोधित किया जा सके। याची ने इसपर आपत्ति की है कि नदी में पड़ी पाइप से रात में दूषित पानी छोड़ दिया जाएगा। कोर्ट ने प्रोजेक्ट पर रोक लगा रखी है। महाधिवक्ता का पूरा जोर प्रोजेक्ट चालू कराने पर था मगर दूषित पानी यमुना में न जाने पाये, इसका कोई प्लान नहीं था। इस पर कोर्ट कोर्ट ने मैनेजमेंट प्लांट की हलफनामे में पूरी जानकारी मांगी है।

बिहार की बरौनी रिफाइनरी में टला बड़ा हादसा, ब्लास्ट में 15 कर्मी जख्मी, सभी खतरे से बाहर

बरौनी (बेगूसराय)। बिहार के बरौनी रिफाइनरी में गुरुवार की सुबह यूनिट एवीयू के फर्नेश में ब्लास्ट हो जाने से कार्य कर रहे 15 लोग जख्मी हो गए। सभी जख्मियों का प्राथमिक इलाज कर बरौनी रिफाइनरी के अस्पताल व एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। बरौनी रिफाइनरी की ईडी शुक्ला मिस्त्री ने बताया कि 15 लोग को हल्की चोटें आई हैं। सभी सुरक्षित हैं। इससे बरौनी रिफाइनरी को किसी तरह का आर्थिक नुकसान नहीं पहुंचा। हालांकि इसके लिए एक टीम का गठन कर मामले की जांच कराई जाएगी।

बरौनी रिफाइनरी ईडी शुक्ला मिस्त्री ने बताया कि घायलों को रिफाइनरी के अस्पताल समेत पास के एक निजी हास्पिटल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि प्लांट में एक महीने से शटडाउन था। दो दिनों से उसे चालू करने का काम चल रहा था। सब कुछ ठीक चल रहा था। एक यूनिट में तकनीकी खराबी के कारण अचानक ब्लास्ट हो गया। इस कारण वहां मौजूद कर्मी जख्मी हो गए।

एक महीने के शटडाउन के बाद किया जा रहा था चालू -बताया जाता है कि बरौनी रिफाइनरी करीब एक महीने से बंद था। गुरुवार को एवीयू को स्टार्ट करने के दौरान उसका फर्नेश ब्लास्ट कर गया। इससे वहां काम कर रहे 15 लोग जख्मी हो गए। इनमें पांच बरौनी रिफाइनरी के कर्मचारी हैं। शेष 10 ठेकेदार के मजदूर हैं। इंटरनेट मीडिया से अफवाह फैल जाने से आसपास के गांव के लोग भी बरौनी रिफाइनरी के गेट नंबर एक पर पहुंचने लगे। लोग अपने स्वजनों का हाल चाल पूछने लगे। इससे अफरातफरी की स्थिति बनी रही। कहा जा रहा है कि बड़ा हादसा होते-होते टल गया है। हादसे को देखते हुए बरौनी रिफाइनरी क्षेत्र में सभी तरह के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है।

कोसी में पटरी पर लौटने लगी जिंदगी... तटबंध के अंदर बढ़ गई चहल-पहल

सुपौल । कोसी नदी की बाढ़ की अवधि 15 सितंबर तक रहती है। 15 जून से इसकी शुरुआत होती है। इस बीच के समय में लोगों की जिंदगी कोसी के रहमोकरम पर रहती है। बाढ़ के दौरान लोगों के घर-द्वार कट जाते हैं, जमीन कट जाती है। इस दौरान लोग यहां-वहां बसते रहते हैं। नदी में डूबने से यदा-कदा लोगों की जान भी चली जाती है। बाढ़ अवधि के समाप्त होने के बाद तटबंध के अंदर जिंदगी की दूसरी पारी की शुरुआत होती है। जिन लोगों के घर कट जाते हैं उन्हें लोग फिर से बनाते हैं। पीड़ितों की माने तो अब उनकी जिंदगी जून तक के लिए स्थिर रहेगी।

घरों को लौटेंगे लोग-ले ही अब भी कोसी के तटबंध के अंदर कई गांवों में बाढ़ का पानी जमा है। लोग ऊंचे स्थानों पर शरण लिए हुए हैं। अब लोग धीरे-धीरे अपने-अपने गांवों को लौटेंगे। बाढ़ पीड़ित बताते हैं कि अब ऊंचे स्थानों पर रह रहे पुरुष अपने गांव लौटेंगे और वहां अपने घर को व्यवस्थित करेंगे। जिनके घर कट गए वे नया घर बनाएंगे। कोसी में है मान्यताकोसी की बाढ़ की पीड़ा झेलते प्रभावित अब राहत की सांस लेंगे। 15 सितंबर के बाद बाढ़ की अवधि समाप्त हो गई अब कोसी नरम पड़ जाएगी। हालांकि कोसी तटबंध के अंदर परंपरागत बातों का, नियम-कायदों का आज भी महत्वपूर्ण स्थान है। कोसी की चाल-ढाल, बाढ़ या पानी बढने का पूर्वानुमान लोग पूर्वजों के बताए बातों से लगाते हैं। मसलन कोसी का पानी अगर लाल हो गया तो लोग समझ जाते हैं कि अब पानी बढ़ेगा। जबकि होता यह है कि पहाड़ पर जब बारिश होती है तो तेज धार के कारण नदी अगल-बगल की मिट्टी को काटते हुए बहती है।

इससे पानी का रंग बदल जाता है और लोग कहते हैं कि लाल पानी उतर गया अब कोसी में पानी बढ़ेगा। लाल पानी उतरते ही लोग बाढ़ की तैयारी करने लगते हैं। इसी तरह कोसी के शांत होने का संबंध दशहरा के ढोल की आवाज से जोड़ा जाता है। खुखनाहा के मुरली यादव और झमेली सदा बताते हैं कि कोसी में ललपनिया उतरने के साथ ही यहां के लोग दशहरा के ढोल बजने का इंतजार करने लगते हैं। ढोल बजने के बाद लोग समझ जाते हैं कि कोसी मैया अब आराम करेगी। यही सनातन काल से होता आया है और आज भी हो रहा है।

बोले विशेषज्ञ- कोसी नदी पर काम करने वाले भगवानजी पाठक बताते हैं कि कोसी तटबंध के अंदर के लोग पानी का रंग बदलने से बाढ़ शुरू होने और दशहरा के ढोल बजने के बाद बाढ़ खत्म होने का संकेत समझते हैं। कहा कि पहले जब तकनीकी इतनी विकसित नहीं थी तो पूर्वजों की कही बातें, परंपरा आदि से लोग अनुमान लगाते थे जो कमोबेस आज भी चलन में है। बताया कि प्रशासनिक दृष्टिकोण से बाढ़ की अवधि 15 सितंबर के बाद खत्म हो जाती है।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री भूपेंद्र सिंह ने केंद्रीय मंत्री प्रधान से खुरई में केंद्रीय विद्यालय खोलने का किया आग्रह

भोपाल । नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भेंटकर खुरई जिला सागर में केंद्रीय विद्यालय खोलने का आग्रह किया। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि खुरई क्षेत्र के लोगों को बेहतर शिक्षा के लिए बाहर भेजने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इससे विद्यार्थी उत्कृष्ट स्तर की शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। खुरई में केंद्रीय विद्यालय खुल जाने से विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्राप्त हो सकेगी।

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दीं जन्मदिन की शुभकामनाएं

भोपाल । मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन, 17 सितंबर के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।श्री पटेल ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी को विश्व क्षितिज पर सूर्य की भांति प्रकाश और ऊर्जा के पुंज के रूप में देखकर हम सभी देशवासी गौरवान्वित हैं। उनके नेतृत्व में सबका साथ, सबका-विकास और विश्वास के साथ देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। नई शिक्षा नीति के द्वारा देश को ज्ञान की सुपर पॉवर बनने का कार्य पूरी गति से चल रहा है। आत्म-निर्भर और मजबूत भारत हर देशवासी का संकल्प बन गया है। श्री पटेल ने श्री मोदी के स्वस्थ और दीर्घ जीवन की कामना की है।

प्रधानमंत्री मोदी 'मैन ऑफ आइडियाज' : शिवराज सिंह

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी 'मैन ऑफ आइडियाज' हैं। श्री चौहान ने कहा कि श्री मोदी ने भारत की गरिमा संपूर्ण विश्व में बढ़ाई है। उन्होंने जिस तरह से कोरोना महामारी का मुकाबला कर कम से कम क्षति के सिद्धांत पर कार्य किया उससे उनके सक्षम नेतृत्व के प्रमाण मिलते हैं। उन्होंने वर्षों और दशकों से लंबित राष्ट्र की समस्याओं के समाधान के मार्ग तलाश किए। देश के नागरिक भी उन्हें अभूतपूर्व नेतृत्व वाले प्रधानमंत्री के रूप में स्वीकार कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रत्येक क्षेत्र में राष्ट्र विकास की ओर अग्रसर है। श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी की जन्म वर्षगाँठ के अवसर पर हो रहे कार्यक्रमों की सफलता के लिए कामना भी की है।

सहकारिता मंत्री भदौरिया ने ओलंपियाड हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर को किया सम्मानित

भोपाल । सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया ने गुरुवार को ओलंपियाड हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर को सम्मानित किया।

सहकारिता मंत्री डॉ. भदौरिया ने भोपाल स्थित निवास कार्यालय पर विवेक सागर को शॉल-श्रीफल से सम्मानित करते हुए कहा कि विवेक ने विश्व में देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि विवेक सागर टोक्यो ओलंपिक में चार दशक बाद पोडियम फिनिश करने का इतिहास रचने वाली भारत की राष्ट्रीय हॉकी टीम के सदस्य हैं। सहकारिता मंत्री डॉ. भदौरिया ने विवेक सागर को अपने खेल कौशल से विश्व में प्रदेश और देश का मान बढ़ाने की शुभकामनाएं भी दीं।

स्वास्थ्य मंत्री चौधरी आज रवाना करेंगे चार जन-जागरूकता प्रचार वाहन

भोपाल । लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को चार जन-जागरूकता प्रचार वाहन रवाना करेंगे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी 17 सितंबर की सुबह 9.30 बजे निवास कार्यालय से जन-जागरूकता प्रचार वाहनों को रवाना करेंगे। कोरोना टीकाकरण के लिए जन-जागरूकता बढ़ाने और कोरोना से बचाव के उपाय अपनाने के संदेशों को प्रदर्शित करने वाले वाहनों को ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर और भोपाल जिलों के लिए रवाना किया जाएगा।

ईकोलॉजिकल पार्क परिसर में होगा पौधरोपण

भोपाल । स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ आजादी के अमृत महोत्सव के प्रसंग पर वन विभाग द्वारा शुक्रवार, 17 सितंबर को सुबह 10.30 बजे ईकोलॉजिकल पार्क परिसर (लहारपुर-भोपाल) में पौधरोपण का कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें विभिन्न प्रजाति के पौधे रोपे जाएंगे। प्रमुख सचिव वन अशोक वर्णवाल एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख आरके गुप्ता वन विभाग की टीम के साथ पौधरोपण करेंगे।

शिवराज सिंह और शर्मा आज करेंगे सेवा और समर्पण प्रदर्शनी का उदघाटन

भोपाल । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 71वें जन्मदिन को भारतीय जनता पार्टी सेवा और समर्पण अभियान के रूप में मना रही है। 17 सितंबर से सात अक्टूबर तक मंडल एवं बूथ स्तर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। 17 सितंबर को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में दोपहर एक बजे प्रधानमंत्री के सेवा कार्यों पर केंद्रित चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा कटनी से और मुख्यमंत्री भोपाल से उदघाटन करेंगे। इसी प्रकार एक साथ प्रदेश के सभी जिलों में पार्टी के वरिष्ठ नेतागण भी दोपहर एक बजे चित्र प्रदर्शनी का उदघाटन करेंगे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई वृहद परियोजना नियंत्रण मंडल की 116वीं बैठक

सीप अंबर सिंचाई परियोजना के कार्यों को मंजूरी

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में वृहद परियोजना नियंत्रण मंडल की 116वीं बैठक मुख्यमंत्री निवास सभाकक्ष में हुई। बैठक में सीहोर जिले की सीप अंबर कॉम्पलेक्स परियोजना के कार्यों के लिए मंडल द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट वर्चुअल रूप से सम्मिलित हुए।

इस परियोजना से नवंबर 2022 से सिंचाई प्रारंभ हो सकेगी। परियोजना से कुल 9 हजार हेक्टेयर में सिंचाई होगी। पूर्व में सीहोर जिले में प्रस्तावित सनकोटा एवं मोगराखेड़ा योजनाओं के स्थान पर यह परियोजना स्वीकृत की गई है। पूर्व की दोनों योजनाओं से कुल प्रस्तावित कमांड क्षेत्र 9 हजार हेक्टर में से 8 हजार हेक्टेयर भूमि की सिंचाई सीप अंबर प्रेशराइज्ड सिंचाई परियोजना से की जाएगी। शेष एक हजार हेक्टेयर की सिंचाई नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत निर्माणाधीन छीपानेर उद्वहन परियोजना से होगी।

नई परियोजना से क्या होगा लाभ

नई परियोजना से पूर्व में स्वीकृत सनकोटा एवं मोगराखेड़ा परियोजना के डूब क्षेत्र के अंतर्गत प्रभावित वन भूमि 526.09 हेक्टेयर और 63 परिवारों के विस्थापन की बचत होगी। इसके अलावा नसरुल्लागंज तहसील के 31 ग्रामों के लगभग 5 हजार कृषक लाभान्वित होंगे। परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति 174.94 करोड़ की है। बैठक में मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव जल संसाधन एसएन मिश्रा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सभी वर्ग मिलकर टीकाकरण महाअभियान को सफल बनाएं

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने की अपील

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश ने कोरोना से नागरिकों को बचाने के लिए वैक्सीनेशन कार्य में अच्छी प्रगति हासिल की है। इस वातावरण को बनाए रखते हुए हमारा प्रदेश शत-प्रतिशत टीकाकरण की ओर बढ़ रहा है। नागरिकों को वैक्सीन के प्रथम डोज का 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के प्रयास जारी हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिन पर मध्यप्रदेश में 17 सितंबर को टीकाकरण महाअभियान 3.0 को सफल बनाने की अपील प्रदेश के नागरिकों से की है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों, प्रत्येक स्तर की क्राइसिस मैनेंजमेंट समितियों के सदस्यों, कोरोना वालेंटियर्स, सामाजिक संगठनों, राजनैतिक दलों, शिक्षण संस्थानों और समाज के सभी वर्गों से मिलकर भागीदारी कर वैक्सीनेशन महाअभियान को सफल बनाने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सितम्बर माह में ही प्रथम डोज के वैक्सीनेशन की पूरी तरह लक्ष्य प्राप्ति के प्रयासों की सराहना भी की हैं।

स्मार्ट सिटी उद्यान में होगा 75 पौधों का रोपण

प्रमुख व्यक्तियों की उपस्थिति में होगा वृहद पौधरोपण

मुख्यमंत्री श्री चौहान 17 सितंबर को सुबह 10.30 बजे स्मार्ट सिटी उद्यान में पौधा-रोपण करेंगे। उद्यान में 75 पौधे लगाए जाएंगे। स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्ष पूर्ण होने पर शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से प्रमुख व्यक्तियों की उपस्थिति में पौधा-रोपण होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान का संबोधन भी होगा। दूरदर्शन सहित यू-ट्यूब और वेबकास्ट के माध्यम से प्रसारण की व्यवस्था भी की गई है। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अंकुर अभियान में प्रदेश के 75 हजार विद्यालयों में भी पौधे लगाए जाएंगे।

गृहमंत्री ने राहुल गांधी को बताया इच्छाधारी हिंदू

इंदौर, (एजेंसी)। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने गुरुवार को इंदौर में कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जो अभी वैष्णो देवी की यात्रा की है। उसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देना चाहिए, क्योंकि उनके बाद ही केजरीवाल हनुमान चालीसा पढ़ रहे ममता बनर्जी दुर्गा मंत्र पढ़ रही हैं। मायावती मंच से स्वस्ति वाचना कर रही है। राहुल गांधी को इच्छाधारी हिंदू कहते हुए संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सुविधा अनुसार धर्म को ग्रहण करते हैं, छोड़ते हैं। वे अपनी सुविधानुसार कभी टोपी तो कभी टीका लगाते हैं।

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को लेकर उन्होंने एक शायरी कही, हजारों साल नरगिस अपनी बेनूरी पर रोती है, तब जाकर पैदा होता है, चमन में दीदावर पैदा। मिश्रा ने प्रधानमंत्री के लिए कहा कि जिस व्यक्ति ने भारत माता को विश्व में गौरवान्वित किया है उस व्यक्ति के लिए जितना भी जन्मदिन मनाया जाए उनके जीवन से जितनी भी प्रेरणा ली जाए उतनी कम है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि मैं पहले समझता था कि यह बालपन में यह बातें करते हैं, लेकिन राहुल गांधी भारत देश को हिंदू धर्म को आस्था को अपमानित करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते। जिस वक्त भारत तेरे टुकड़े होंगे इंशाल्लाह-इंशाल्लाह के नारे लगे थे, तो राहुल गांधी सबसे पहले मिलने पहुंचे थे। सर्जिकल स्ट्राइक के समय सबसे पहले देश पर सवाल उठाने का काम भी राहुल गांधी ने किया। वैक्सीन से नपुंसक होने जैसा बयान भी राहुल गांधी ने दिए थे। जब भी देश को सम्मान मिलता है उस समय यह आस्था पर प्रहार करने का काम करते हैं। राहुल गांधी का मूल पिंड विदेशी है भारत उनके लिए कुछ भी नहीं है। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को लेकर कहा कि यह दोनों बिस्तर पर लेटे लेटे केवल ट्वीट करते रहते हैं।

प्रदेश के 75 हजार विद्यालयों में आज रोपे जाएंगे 75 हजार पौधे

भोपाल (एजेंसी)। आजादी के 75 वर्ष पर देश भर में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर शुक्रवार को स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 75 हजार विद्यालयों में एक-एक पौधा अर्थात कुल 75 हजार पौधों का रोपण किया जाएगा। प्रदेश के स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री इंदर सिंह परमार ने बताया कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में वायु प्रदूषण को कम करने, पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रदेश के हर विद्यालय में एक-एक पौधा रोपा जाएगा। पौधों की सुरक्षा के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। इसके साथ ही लगाए गए पौधे का फोटो 'वायुदूत अंकुर' एप में अपलोड किया जाएगा।

शाला प्रबंधन समितियों को सौंपा जिम्मा

प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा श्रीमती रश्मी अरुण शमी ने बताया कि पौध-रोपण कार्यक्रम विद्यालयों में शाला प्रबंधन एवं विकास समिति या शाला प्रबंधन समिति के द्वारा किया जाएगा। जिन स्कूलों में बाउंड्रीवॉल या फेंसिंग युक्त परिसर है, उन स्कूलों में वरीयता के आधार पर पौध-रोपण किया जाएगा। लोकल वेरायटी के पौधे लगाए जाएंगे और पौधों की सुरक्षा ट्री-गार्ड आदि से सुनिश्चित किए जाने के हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। इस संबंध में सभी जिलों के कलेक्टर और संबंधित विभाग को निर्देश जारी किए गए हैं।

एसएचजी समूहों के प्रशिक्षण के लिए आवासीय परिसर का करेंगे प्रबंध : पटेल

हरदा में भी स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद कार्यक्रम आयोजित

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के कृषि विकास मंत्री कमल पटेल मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के स्व-सहायता समूह की महिलाओं से संवाद कार्यक्रम में हरदा से शामिल हुए। कृषि मंत्री श्री पटेल ने कहा कि स्व-सहायता समूह की महिलाओं के प्रशिक्षण के लिए हरदा में आवासीय परिसर का प्रबंध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों को प्रशिक्षित करने और रोजगारोन्मुखी बनाने के लिये हरदा जिला पंचायत द्वारा बेहतर कार्य किया जा रहा है।

कृषि मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार स्व-सहायता समूह की महिलाओं के परिवार के लिए आयुष्मान कार्ड बनाने उनके परिवार का प्रधानमंत्री जीवन-सुरक्षा बीमा योजना में बीमा करवाने के विशेष प्रयास कर रही है। श्री पटेल ने कहा कि जिले की महिलाएं संगठित रूप में सिलाई, बुनाई, कड़ाई और कई अन्य उद्यमों में बेहतर कार्य कर रही हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हरदा जिले के स्व-सहायता समूह मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान पर आएंगे। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश-डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई।

मोदी का जन्मदिन बेरोजगार दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए : जीतू पटवारी

भोपाल (एजेंसी)। भाजपा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन समर्पण दिवस के रूप में मनाए जाने को लेकर प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने इसे बेरोजगार दिवस, अर्थव्यवस्था चौपट दिवस और बंटाधार दिवस के रूप में मनाए जाने की बात की है।

पटवारी ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि भारत देश में पूर्व प्रधानमंत्रियों का जन्मदिन मनाने की परंपरा रही है। पंडित नेहरू से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक का जन्मदिन उनके कार्यों और उनकी स्मृति के रूप में उनके प्रशंसक और देश के नागरिक मनाते हैं। नरेंद्र मोदी ने देश के लिए कोई ऐसा काम नहीं किया, जिस अच्छे काम के लिए आने वाली पीड़ियां उन्हें याद करेंगी। खुद को जनता का प्रधान सेवक कहने वाले नरेंद्र मोदी किस सिद्धांत के तहत जनता के पैसे से अपना जन्मदिन मना रहे हैं।

मैं जनता से पूछना चाहता हूं कि क्या इनका जन्मदिन बेरोजगारी दिवस के रूप में मनाया जाए, नोटबंदी से आई तबाही के रूप में मनाया जाए, अर्थव्यवस्था का सत्यानाश करने के रूप में, किसान विरोधी दिवस, पूंजीपति पूजन दिवस, सत्ता भूख दिवस, ईडी.आईटी रेड दिवस, उद्योग मंद.व्यापार बंद दिवस और महामारी दिवस के रूप में मनाया जाए। पटवारी ने कहा कि मप्र

सरकार ऐसे समय में श्री मोदी का जन्मदिन मना नही है, जब प्रदेश महंगाई, महामारी, बेरोजगारी, आदिवासी अत्याचार, महिला अत्याचार और भ्रष्टाचार में मप्र नंबर वन हो चुका है। राष्ट्रीय क्राइम रिकार्ड ब्यूरो की रिपोर्ट जारी करके पीएममोदी ने देश को बता दिया है कि आदिवासी अत्याचारों में, बच्चों के खिलाफ अपराध में, बच्चों के लापता होने में, नाबालिग बेटियों से बलात्कार में मप्र नंबर वन है। श्री पटवारी ने कहा यह किसकी सेवा और किसका समर्पण है। उन्होंने कहा कि शिवराज सरकार धन्नासेठों की सेवा कर रही है और मिलावटखोरों, माफिया के सामने समर्पण कर रही है। उन्होंने कहा कि मैं यही कहूंगा कि यह सिर्फ बर्बादी की सरकार है।

मोदी सरकार की उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाएगा युवा मोर्चा : पंवार

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर भाजपा 17 सितंबर से सात अक्टूबर तक सेवा और समर्पण अभियान चला रही है, जिसमें भारतीय जनता युवा मोर्चा की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। युवा मोर्चा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से केंद्र सरकार के कार्यों, योजनाओं तथा उपलब्धियों को जनता तक ले जाएगा।

भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार ने गुरुवार को यहां मीडिया से चर्चा में यह बात कही। उन्होंने मोर्चा के कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी भी मीडिया से साझा की। उन्होंने बताया कि 17, 18 और 19 सितंबर को भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रत्येक जिला मुख्यालय पर नवभारत मेला और प्रदर्शनी का आयोजन करेगा। इस मेले और प्रदर्शनी में केंद्र की मोदी सरकार के बीते 07 वर्षों के कार्यों और योजनाओं की जानकारी जनता को दी जाएगी। 17 से 27 सितंबर तक युवा मोर्चा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्रत्येक जिले में शहीदों को श्रद्धा के साथ स्मरण करेगा। शहीदों के स्मारकों पर साफ-सफाई की जाएगी और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। 25 सितंबर को पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती है। इस अवसर पर युवा मोर्चा उन लोगों, हितग्राहियों के अनुभवों

को सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया के साथ साझा करेंगे, जिनके जीवन में केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं से बदलाव आए हैं। न्होंने कहा कि 27 सितंबर को युवा मोर्चा पूरे प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर विशाल रक्तदान शिविरों का आयोजन करेगा। इसके लिए युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं तथा अन्य समाजसेवी युवाओं से संपर्क करके रक्तदान हेतु सहमति ली जा रही है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर 02 अक्टूबर को युवा मोर्चा प्रत्येक जिले में 71 सार्वजनिक स्थलों, मंदिरों, चौराहों, नदियों के घाटों आदि पर स्वच्छता अभियान चलाएगा।

वन मंत्री ने बताया कि प्रदेश के सभी छह टाइगर रिजर्व अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता को करेंगे पूर्ण

बाघ संरक्षण प्रबंधन में मध्यप्रदेश फिर होगा टॉप पर : शाह

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के वनमंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि वन्य जीव संरक्षण क्षेत्रों के प्रबंधन और मूल्यांकन में मध्यप्रदेश अन्य प्रदेशों से बढ़त बनाए हुए हैं। कान्हा, सतपुड़ा, बांधवगढ़ और पन्ना को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति मिली है।

डॉ. शाह ने वन्य जीव प्रबंधन से जुड़े अमले को बधाई देते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश जिस प्रकार अनेक क्षेत्रों में कामयाबी के शिखर पर पहुंचा है वैसे ही वन्य जीव संरक्षण में भी पूरे देश में गौरव प्राप्त करेगा। वन मंत्री ने बताया कि कंजर्वेशन एश्योर्ड टाइगर स्टेंडर्ड की अंतर्राष्ट्रीय समिति और डब्ल्यू डब्ल्यू एफ द्वारा संयुक्त रूप से संचालित 17 मुख्य मापदंडों और उनसे जुड़े अन्य उप घटकों के आधार पर बाघ संरक्षण क्षेत्रों के प्रबंधन स्तर के मूल्यांकन चार चरण में प्रक्रिया पूरी कर मान्यता दी जाती है। उल्लेखनीय है कि इस समिति द्वारा पेंच टाइगर, बांधवगढ़ टाइगर और संजय टाइगर रिजर्व में तीन चरण पूर्ण किए जा चुके हैं। अब प्रदेश के टाइगर रिजर्व को सीए-टीएस अनुसार प्रबंधन की दृष्टि से अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानदंडों पर खरे उतरना है। इसके साथ ही मध्यप्रदेश बाघ संरक्षण क्षेत्रों के प्रबंधन में अन्य सभी राज्यों में शीर्ष स्थान पर होगा। सतपुड़ा और पन्ना टाइगर रिजर्व को यह अंतर्राष्ट्रीय मान्यता पहले ही मिल चुकी है। इस तरह प्रदेश के सभी छह टाइगर रिजर्व अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता को पूर्ण करेंगे। इससे पहले भी टाइगर रिज़र्व के प्रबंधन की प्रभावशीलता मूल्यांकन में पेंच टाइगर रिजर्व देश में सर्वोच्च रैंक हासिल कर चुका हैं। बांधवगढ़, कान्हा, संजय और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन वाले टाइगर रिजर्व माना गया है। इन राष्ट्रीय उद्यानों में अनुपम प्रबंधन योजनाओं और नवाचारी तरीकों को अपनाया गया है।

वन्य जीव संरक्षण मामलों पर नीतिगत निर्णय लेने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा प्रभावी प्रबंधन के आकलन से संबंधित आंकड़ों की आवश्यकता होती है। ये आंकड़े संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के विश्व संरक्षण निगरानी केंद्र में रखे जाते हैं। टाइगर रिजर्व की प्रबंधन शक्तियों का आकलन कई मापदंडों पर होता है जैसे योजना, निगरानी, सतर्कता, निगरानी स्टाफिंग पैटर्न, उनका प्रशिक्षण, मानव,वन्य-जीव संघर्ष प्रबंधन, सामुदायिक भागीदारी, संरक्षण, सुरक्षा और अवैध शिकार निरोध के उपाय आदि।

हरेक टाइगर रिजर्व की है यह विशेषता

- पेंच टाइगर रिजर्व के प्रबंधन को देश में उत्कृष्ट माना गया है। फ्रंट-लाइन स्टाफ को उत्कृष्ट और ऊर्जावान पाया गया है। वन्य-जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत दर्ज सभी मामलों में पैरवी कर आरोपियों को दंडित करने में प्रभावी काम किया गया है। मानव-बाघ और बाघ-पशु संघर्ष के मामलों में पशु मालिकों को तत्काल वित्तीय राहत दी जा रही है। साथ ही उन्हें विश्व प्रकृति निधि भारत से भी सहयोग दिलवाया जा रहा है।
- बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व ने बाघ पर्यटन द्वारा प्राप्त राशि का उपयोग कर ईको विकास समितियों को प्रभावी ढंग से पुनर्जीवित किया गया है। वाटरहोल बनाने और घास के मैदानों के रखरखाव के लिए प्रभावी वन्य-जीव निवास स्थानों को रहने लायक बनाने का कार्यक्रम भी चलाया गया है। मानव, वन्य-जीव संघर्षों को ध्यान में रखते हुए, मवेशियों, एवं मानव मृत्यु और जख्मी होने के मामले में राहत एवं सहायता राशि के तत्काल भुगतान की व्यवस्था बनाई गई है।
- कान्हा टाइगर रिजर्व ने अनूठी प्रबंधन रणनीतियों को अपनाया है। कान्हा, पेंच वन्य-जीव विचरण कारीडोर भारत का पहला ऐसा कारीडोर है। इस कारीडोर का प्रबंधन स्थानीय समुदायों, सरकारी विभागों, अनुसंधान संस्थानों, नागरिक संगठनों द्वारा सामूहिक रूप से किया जाता है। पार्क प्रबंधन ने वन विभाग कार्यालय परिसर में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी स्थापित किया है, जो वन विभाग के कर्मचारियों और आसपास के क्षेत्र के ग्रामीणों के लिये लाभदायी सिद्ध हुआ है।
- पन्ना टाइगर रिजर्व ने बाघों की आबादी बढ़ाने में पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया है। शून्य से शुरू होकर अब इसमें 60 से 65 बाघ हैं। यह भारत के वन्य-जीव संरक्षण इतिहास में एक अनूठा उदाहरण है।
- सतपुड़ा बाघ रिजर्व में सतपुड़ा नेशनल पार्क, पचमढ़ी और बोरी अभयारण्य से 42 गांवों को सफलतापूर्वक दूसरे स्थान पर बसाया गया है। यहां सोलर पंप और सोलर लैंप का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है।

बॉलीवुड

विशाल भारद्वाज की फिल्म 'खुफिया' के साथ डिजिटल डेब्यू के लिए तैयार तब्बू

बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू को आखिरी बार 2020 में रिलीज हुआ फिल्म जावानी जानेमन में सैफ अली खान के साथ देखा गया था। अब एक साल बाद तब्बू ने अपनी अगली फिल्म का ऐलान कर दिया है। अभिनेत्री तब्बू, विशाल भारद्वाज की खूफ़िया फिल्म में अली फ़ज़ल, आशीष विद्यार्थी और वामिका गब्बी के साथ अभिनय करेंगी। तब्बू ने अपनी नयी फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया पर एक पोस्त के माध्यम से की है। पिछले काफी समय से तब्बू अपने मोस्ट अवेटिड प्रोजेक्ट भूल भुलैया 2 की शूटिंग में व्यस्त थी। अब उन्होंने अपने हिस्से की पूरी शूटिंग कर ली है और अगली फिल्म की शूटिंग के लिए तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने अपनी अगली फिल्म की घोषणा करते हुए विशाल, अली, वामीका और आशीष के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, केवल रोमांच के अलावा कुछ भी उम्मीद नहीं है। विशाल भारद्वाज की खुफिया फिल्म के साथ जुड़ने के लिए उत्साहित हूं। नेटफ्लिक्स पर अली फजल के साथ। अली फज़ल ने भी वही तस्वीर साझा की और लिखा, थ्रिलर की अपनी परिभाषा को फिर से परिभाषित करना। विशाल भारद्वाज के साथ मनोरंजक सवारी के लिए तैयार हो जाओ। पेश है खुफिया, बहुत जल्द केवल नेटफ्लिक्स पर।

स्विमसूट पहन सारा अली खान ने लगाई पानी में आग

सोशल मीडिया पर इन दिनों सारा अली खान अपनी तस्वीरों से आग लगा रही हैं। सारा ने अपनी मालदीव ट्रीप की एक वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। उनकी ये हॉट वीडियो इंटरनेट पर आग लगाने के लिए काफी है। सारा इस वीडियो में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने एक लैवेंडर प्रिंटेड बिकनी पहनी हुई, जिसके साथ केप जुड़ा हुआ है। हवा के चलने के साथ ही वीडियो में सारा किसी जलपरी से कम नहीं लग रही हैं। सारा अली खान इन दिनों अपने दोस्तों के साथ मालदीव में छुट्टियां मना रही हैं। छुट्टियों के बीच में वह अपने दोस्तों के साथ खींची गई तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर करना नहीं भूलतीं हैं। इससे पहले सारा ने अपनी बेस्टफ्रेंड के साथ तस्वीर को शेयर किया था। मालदीव में सारा अपनी दोस्त का जन्मदिन मना रही थीं। लेकिन सारा की एक और नई वीडियो ने सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया है। इस वीडियो को सारा अली खान समंदर किनारे फिल्माया है। खास बात है इस वीडियो को स्लो मोशन में फिल्माने की वजह से वीडियो फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। इस वीडियो के बैकग्राउंड में सूदिंग म्यूजिक ने इसे और शानदार बना दिया है। इस वीडियो के साथ सारा ने कैप्शन दिया है कि तुम सागर की एक बूंद नहीं हो, बल्कि एक बूंद में पूरा सागर हो साल 2018 में फिल्म केदारनाथ से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सारा अली खान एक्टर अक्षय कुमार के साथ वे अतरंगी रे में नजर आएंगी। उन्हें आखिरी बार वरुण धवन के साथ कुली नंबर वन में देखा गया था। सारा अली खान की इस वीडियो को 4 लाख से ज्यादा बार लाइक किया जा चुका है। फैंस के साथ ही सेलेब्स भी सारा के लिए फायर का इमोजी बना रहे हैं। इससे पहले सारा एक्ट्रेस राधिका मदान के साथ लद्दाख ट्रिप पर भी गई थीं। जहां की खूबसूरत तस्वीरों को दोनों ही एक्ट्रेस ने अपने सेशल मीडिया पेज पर शेयर किया था।

अंजलि तत्रारी ने किया नए धारावाहिक का खुलासा

हिंदी सिनेमा के चर्चित अभिनेता रणवीर सिंह की फिल्म 'सिम्बा' से मनोरंजन की दुनिया में प्रवेश करने वाली पिथौरागढ़, उत्तराखंड की अंजलि तत्रारी का नया रूप छोटे परदे पर जल्द ही एक नए शो में देखने को मिलेगा। फैशन ब्लॉगर से अभिनेत्री बनीं अंजलि को फिल्म व टीवी इंडस्ट्री में अपने टीवी कमर्शियल्स की वजह से पहचाना गया और कल्कि केकलां की वेब सीरीज 'भ्रम' में दिखने के बाद वह एक बार फिर से जी समूह के ही टीवी सीरियल में काम करने जा रही हैं। इस शो का नाम है, 'तेरे बिना जिया जाए ना'। इस शो में वह कृषा चतुर्वेदी नाम की एक लड़की का किरदार कर रहे रहीं हैं। इस युवती ने हमेशा एक राजकुमार के सपने देखे हैं और फिर यह होता है कि कायनात उसके सपने को सच कर देती है। सोनी टीवी के धारावाहिक 'मेरे डैड की दुल्हन' में वरुण बडोला और श्वेता तिवारी जैसे दिग्गज कलाकारों के बीच अपनी छाप छोड़ने वाली अभिनेत्री अंजलि तत्रारी का नया धारावाहिक 'तेरे बिना जिया जाए ना' कृषा नामक एक ऐसी लड़की की कहानी है जिसके पास धन दौलत के नाम पर कुछ नहीं है।

मनोज पाटिल ने की सुसाइड की कोशिश

साहिल खान पर लगाए गंभीर आरोप

बॉलीवुड से जुड़ी एक और बड़ी खबर आ रही है। मॉडल और प्रोफेशनल बॉडी बिल्डर मनोज पाटिल ने आत्महत्या करने की कोशिश की है। उनके इस कदम के बाद उन्हें कूपर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आत्महत्या की कोशिश से पहले उन्होंने फिल्म अभिनेता साहिल खान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अभी तक की रिपोर्ट के मुताबिक मनोज की हालात स्थिर है, वो खतरे से बाहर हैं। मनोज के परिवारजनों का आरोप है कि उन्होंने आत्महत्या का कदम इसलिए उठाया कि वो साहिल खान से बुरी तरह परेशान थे। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक मनोज पाटिल ने अभिनेता साहिल खान पर परेशान करने के आरोप लगाए थे, इसके लिए उन्होंने पुलिस थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। अपने सुसाइड नोट में मनोज पाटिल ने लिखा कि साहिल की प्रताड़ना और बदनामी के चलते वो ये कदम उठा रहे हैं।

साहिल ने दी सफाई

मनोज की आत्महत्या की कोशिश के बाद साहिल खान से इस मामले पर जानकारी मांगी गई तो उन्होंने कुछ और ही कहानी बयां की। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया के जरिए उनकी मुलाकात दिल्ली के एक लड़के राज फौजदार से हुई थी। राज के मुताबिक मनोज ने उनसे 2 लाख रुपए लेकर एक्सपायर डेट के स्टेरॉयड बेचे थे। इसके चलते उसे काफी हेल्थ समस्याओं का सामना करना पड़ा। उन्हें इन एक्सपायर डेट के स्टेरॉयड्स के चलते दिल की समस्या के साथ साथ स्किन संबंधी परेशानी हो गई थी। इसको लेकर राज ने मनोज का वीडियो भी बना लिया था। साहिल के मुताबिक उन्होंने राज को सोशल मीडिया पर सपोर्ट किया था। साहिल के मुताबिक राज फौजदार अपनी समस्या से जुड़े सभी कागजों को पुलिस को सौंप चुका है। साहिल का कहना है कि बिना वजह इस केस में उनका नाम घसीटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि मनोज के साथ उनका कोई संबंध नहीं है और न ही उनके और मनोज के बीच किसी तरह का कोई ट्रांजेक्शन हुआ है।

स्टेरॉयड्स के खिलाफ लिया स्टैंड

साहिल का कहना है कि इस पूरे मामले में कहीं भी मनोज ने राज फौजदार का नाम नहीं लिया है। साहिल के मुताबिक उन्होंने तो स्टेरॉयड्स रैकेट के खिलाफ सोशल मीडिया में सिर्फ आवाज उठाई थी

अजय देवगन के बाद एडवेंचर पर जाएंगे

विक्की कौशल

डिस्कवरी चैनल के दुनिया भर में लोकप्रिय टीवी शो इंटू द वाइल्ड विद बेयर ग्रिल्स में अब तक आपने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रजनीकांत और अक्षय कुमार को देखा होगा। इन तीनों ही एपिसोड्स को काफी ज्यादा पसंद किया गया और चैनल को जबरदस्त TRP मिली। अब इस लिस्ट में बॉलीवुड के दो और नाम जुड़ने जा रहे हैं। सबसे पहले अजय देवगन के नाम का खुलासा हो चुका था। उनके साथ दूसरे एक्टर विक्की कौशल होंगे, वह पांचवे भारतीय होंगे जो जंगल के एडवेंचर पर बेयर ग्रिल्स के साथ निकलेंगे। इस शो की शूटिंग बॉलीवुड के फेवरेट स्पॉट मालदीव में होगी। रिपोर्ट्स की माने तो अजय देवगन शो की शूटिंग के लिए रवाना हो चुके हैं। जबकि विक्की गुरुवार सुबह शूटिंग के लिए रवाना हो जाएंगे। विक्की कौशल का शूट शेड्यूल सिर्फ दो ही दिनों का होगा। बता दें कि इस शो का प्रीमियर सबसे पहले डिस्कवरी+ ऐप पर किया जाएगा। बता दें कि अजय देवगन और विक्की कौशल एक साथ नजर नहीं आएंगे। दोनों बेशक एक ही जगह यानि मालदीव में शूटिंग करेंगे, लेकिन दोनों को लेकर अलग अलग एपिसोड तैयार किए जाएंगे। जिसे अलग-अलग दिन पर प्रसारित किया जाएगा। विक्की कौशल को हाइड्रोफोबिया है यानि गहरे पानी का डर। विक्की अक्सर गहरे पानी में जाने से डरते हैं। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि बेयर ग्रिल्स समुद्री इलाकों में उन्हें लेकर जाएंगे या सारी शूटिंग जमीन पर ही होगी। इंटू द वाइल्ड विद बेयर ग्रिल्स एक स्किल रियलिटी शो है। इसमें खुद ब्रिटिश सर्वाइवल बेयर ग्रिल्स होस्ट हैं। वो घने और खतरनाक जंगलों में खुद को जिंदा रखने की जद्दोजहद करना सिखाते हैं।

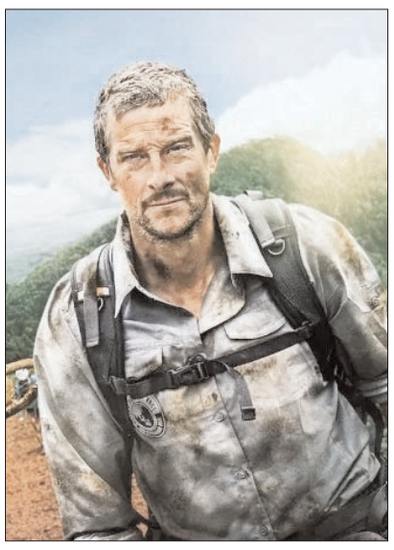

काजल अग्रवाल

के घर गूंजने वाली है किलकारी

बॉलीवुड से साउथ सिनेमा का रुख करने वाली एक्ट्रेस काजल अग्रवाल और उनके लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड गौतम किचलू की रोमांटिक मैरिड लाइफ की झलकें आए दिन इंटरनेट पर छाई रहती हैं। पिछले साल यानी 30 अक्टूबर को एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने अपने बॉयफ्रेंड गौतम किचलू संग सात फेरे लिए थे। दोनों की शादी के खूब चर्चे हुए और उनके हनीमून की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। अब शादी के 11 महीनों बाद खबरें आ रही हैं कि काजल अग्रवाल प्रेग्नेंट हैं। दरअसल, काजय यूं तो इन दिनों अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर व्यस्त चल रही हैं। इसके अलावा उन्होंने एक्टर चिरंजीवी स्टारर अपनी फिल्म आचार्य के मेकर्स से भी इस बारे में बात की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने जल्द से जल्द अपनी बची हुई शूटिंग पूरी करने की बात कही है। वैसे इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टी सिंघम गर्ल की ओर से नहीं की गई है, लेकिन फैंस पहले ही इस बात को लेकर काफी खुश हैं। बता दें कि, काजल इन दिनों पति गौतम संग छुट्टियां मना रही हैं। वहीं उनकी आने वाली फिल्मों के बात करें तो फिल्हाल उनके पास दुलकर सलमान की हे सिनामिका, उमा, पेरिस पेरिस और कमल हासन की इंडियन 2 जैसी फिल्में हैं। अब देखना होगा कि इन फिल्मों को काजल पूरा करती हैं या उनकी जगह किसी नई हीरोइन को कास्ट किया जाएगा।

नुसरत के बच्चे के पिता को लेकर सस्पेंस खत्म

नुसरत, पति निखिल जैन से अलग हो चुकी हैं और बॉयफ्रेंड यशदास गुप्ता उनके साथ कई मौकों पर नजर आ चुके हैं। इन सबके बीच इस बात को लेकर सस्पेंस बना हुआ था कि नुसरत अपने बच्चे के पिता का नाम किसे देंगी।

जानी-मानी बांग्ला एक्ट्रेस और टीएमसी सांसद नुसरत जहां इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर जबरदस्त सुर्खियों में हैं। उन्होंने कुछ समय पहले ही बेटे को जन्म दिया है। नुसरत, पति निखिल जैन से अलग हो चुकी हैं और बॉयफ्रेंड यशदास गुप्ता उनके साथ कई मौकों पर नजर आ चुके हैं। इन सबके बीच इस बात को लेकर सस्पेंस बना हुआ था कि नुसरत अपने बच्चे के पिता का नाम किसे देंगी। वहीं, अब ये सस्पेंस खत्म हो चुका है। नुसरत जहां के बेटे का बर्थ सर्टिफिकेट सामने आया है, जिसमें पिता का नाम भी लिखा हुआ है। लेकिन पिता का नाम देखकर कई लोग कंफ्यूज हो रहे हैं, क्योंकि ये ना तो यश है और ना ही निखिल। कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के डॉक्यूमेंट के मुताबिक नुसरत जहां ने अपने बच्चे का नाम ईशान जे दासगुप्ता रखा है। वहीं, बच्चे के पिता का नाम लिखा है- देबाशीश दासगुप्ता... अगर आप भी ये नाम देखकर कंफ्यूज हो गए तो बता दें कि ये असल में यशदास गुप्ता का ही रियल नाम है। वहीं, इसके साथ ही ये साफ हो गया है कि नुसरत जहां के बेटे के पिता यशदास गुप्ता ही हैं। यश, नुसरत की प्रेग्नेंसी से लेकर डिलिवरी के दौरान भी उनके साथ खड़े नजर आए थे। वहीं, जब नुसरत बच्चे को लेकर अस्पताल से घर लौट रही थीं तो उस दौरान भी गाड़ी यश ही चलाते दिखाई दिए थे। बता दें कि नुसरत ने 26 अगस्त को एक बेटे को जन्म दिया था। उन्होंने जब अपनी प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था

2022 में भारत का न्यूज़ीलैंड दौरा हुआ स्थगित, नई तारीखों की जल्द होगी घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत का न्यूज़ीलैंड में तीन वनडे खेलने का दौरा मार्च 2022 से उसी साल के आखिरि तक स्थगित हो गया है। आज न्यूज़ीलैंड सरकार ने अपने प्रबंधित आइसोलेशन और क्वारंटीन सुविधा (एमआईक्यू) का उल्लेख किया जो कोविड महामारी के चलते देश में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति के लिए अनिवार्य है। इसमें अगले साल होने वाले महिला विश्व कप की टीमों के अलावा बांग्लादेश, नीदरलैंड्स और साउथ अफ्रीका के पुरुष टीमों का नाम शामिल है लेकिन भारत का नहीं।

'स्टफ़' नामक एक वेबसाइट के अनुसार भारत का दौरा 2022 के अंत में आयोजित किया जा सकता है। बांग्लादेश दिसंबर से जनवरी के बीच दो टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलेगा और एमआईक्यू के अनुसार उनकी टीम के 35 सदस्य

न्यूज़ीलैंड जा पाएंगे। ठीक उसी तरह नीदरलैंड्स, जिन्हें जनवरी और फरवरी के बीच तीन वनडे खेलना था, अब 35 सदस्यीय टीम के साथ मार्च 2022 में दौरा करेगा। उससे पहले साउथ अफ्रीका फरवरी से दो टेस्ट और तीन टी20 खेलने 35 सदस्यों के साथ न्यूज़ीलैंड जा सकेगा।

4 मार्च को शुरू होने वाले महिला वनडे विश्व कप के लिए जनवरी-फरवरी से ही एमआईक्यू में 181 लोगों के लिए स्थान रखा गया है। एमआईक्यू आम तौर पर सीरीज़ शुरू होने से कुछ दिन पहले ही लागू किया जाता है ताकि टीमों को आइसोलेशन और कोविड संक्रमित पाए जाने पर क्वारंटीन के बाद अभ्यास का अवसर दे। न्यूज़ीलैंड की पुरुष टीम के खिलाड़ी, जो फ़िलहाल 18 सालों के बाद पाकिस्तान का दौरा कर रहें हैं, और इसके बाद यूएई में आईपीएल और टी20 विश्व कप में शामिल होने के बाद भारत खेलने के लिए जाएंगे। उन्हें भी एमआईक्यू के तहत देश लौटने पर नियमों का पालन करना पड़ेगा। एमआईक्यू में कुल 77 व्यक्तियों को अक्टूबर से दिसंबर तक स्थान मिलेगा।

विश्व कप के बाद टी20 प्रारूप की कप्तानी छोड़ेंगे कोहली

दुबई। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने गुरूवार को घोषणा की कि वह टी20 विश्व कप के बाद टी20 प्रारूप की कप्तानी छोड़ेंगे। कई दिनों से चल रहे संशय पर विराम लगाते हुए कोहली ने आज ट्विटर के जरिए एक बयान में इसकी घोषणा की। कोहली ने बताया कि वह इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप के बाद टी20 के कप्तानी पद को छोड़ देंगे। ट्वीट के जरिए उन्होंने इस यात्रा के दौरान उनका साथ देने के लिए सभी का धन्यवाद दिया।

बुमराह का तोड़ डिविलियर्स के पास है: गंभीर

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर का मानना है कि सिर्फ एबी डिविलियर्स ही हैं जो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह जैसे शानदार गेंदबाज का सामना बेहतर तरीके से कर सकते हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व कप्तान ने आगे कहा कि विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं जो विपक्षी टीम पर हावी हो सकते हैं। स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ बातचीत में गंभीर ने कहा, विराट, एबी डिविलियर्स और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ी से आरसीबी की टीम का शानदार संयोजन बैठता है। भले ही यह मैक्सवेल न हो पर डिविलियर्स एक ऐसे बल्लेबाज है जो बुमराह जैसे किसी गेंदबाज का सामना बहुत आसानी से कर सकते हैं। गंभीर ने कहा डिविलियर्स के अलावा मैंने किसी और खिलाड़ी को नहीं देखा जिसने बुमराह के खिलाफ लगातार शानदर प्र्दशन किया हो। क्रिकेटर से राजनेता बने गंभीर ने कोहली और डिविलियर्स के ऊपर पड़ रहे दबाव की भी बात की। गंभीर ने कहा, वे हमेशा विपक्ष पर हावी होना चाहते हैं, खासकर आईपीएल में। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट है जहां आपके पास पांच या छह शीर्ष अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज होते हैं पर आईपीएल में आपके पास ऐसा नहीं होता है। आपको शायद दो या तीन अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज मिलते हैं और फिर आपके पास घरेलू गेंदबाज भी हैं, जिन पर आप हावी हो सकते हैं। इसलिए शायद विराट और डिविलियर्स पर भी बहुत दबाव है, जो अभी तक आईपीएल का खिताब एक बार भी नहीं जीते हैं। इस साल अगर आप नहीं जीतते हैं तो दबाव बढ़ता ही रहेगा। आईपीएल 2021 का दूसरा चरण 19 सितंबर से दुबई में शुरू होगा। आरसीबी अपने अभियान की शुरूआत 20 सितंबर को अबु धाबी में कोलकाता नाइट राइड्र्स के खिलाफ करेगी।

भारत के खिलाफ टी20 तक चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगी ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज वलाएमिंक

मकाय। ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज टायला वलाएमिंक भारतीय महिला टीम के खिलाफ टी20 सीरीज तक चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगी। मुख्य कोच मैथ्यू मोट ने इसकी जानकारी दी। मोट ने इस बात की पुष्टि की है कि वलाएमिंक जो पिछले साल टी20 विश्व कप में शामिल नहीं हुई थी उन्हें विक्टोरिया में प्री सीजन के दौरान चोट लगी। वलाएमिंक ने मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवर के दौरे से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी। मोट ने कहा, इस वक्त वलाएमिंक पर विचार नहीं किया जाएगा। वह टूर्नामेंट के आखिरी छोर में टी20 सीरीज के लिए उपलब्ध हो सकती है। विक्टोरिया में बिल्ड-अप के दौरान उनको कुछ दिक्कतें हुई और यह कुछ ऐसा है जिस पर हम नजर रख रहे हैं। हम जानते हैं कि जब वह खेलती हैं तो उसका क्या प्रभाव हो सकता है।

अश्विन की वापसी अच्छी बात, लेकिन क्या उन्हें एकादश में जगह मिलेगी : गावस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को आगामी टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम में चुना गया है लेकिन पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर को शक है कि अश्विन को एकादश में शामिल होने का मौका मिलेगा या नहीं।

अश्विन की चार साल के लंबे अंतराल के बाद टी20 टीम में वापसी हुई है। उन्होंने आखिरी बार 2017 में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के लिए टी20 मैच खेला था। गावस्कर ने स्पोटर्स तक से बात करते हुए कहा कि अश्विन का चयन चयनकताओं के जरिए हाल ही में समाप्त हुई इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के दौरान अंतिम एकादश में उनकी अनुपस्थिति को देखते हुए सांत्वना कप जैसी है। उन्होंने कहा, अश्विन की वापसी अच्छी चीज है लेकिन हमें देखना होगा कि उन्हें एकादश में जगह मिलती है या नहीं। आपने उन्हें 15 खिलाड़ियों में जगह दी है जो सही है। अश्विन को इंग्लैंड के खिलाफ भी टीम में लिया गया था लेकिन एकादश में मौका नहीं मिला था। गावस्कर ने कहा,

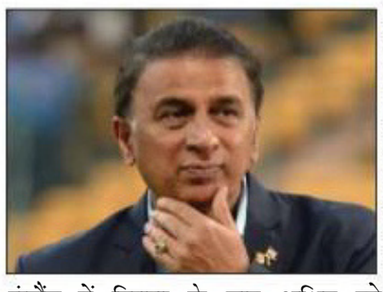

इंग्लैंड में निराशा के बाद अश्विन को सांत्वना कप दिया गया है। क्या वह एकादश में शामिल होंगे, यह सिर्फ समय बताएगा।

पेट्रियट्स ने किंग्स को हराकर पहली बार जीता सीपीएल का खिताब

बासेटेरे (एजेंसी)।

डॉमिनिक ड्रेक्स (नाबाद 48) रन की सधी हुई पारी के दम पर सेंट किट्स एंड नेविस पेट्रियट्स ने यहां खेले गए फाइनल मुकाबले में सैंट लुसिया किंग्स को तीन विकेट से हराकर पहली बार कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) का खिताब अपने नाम कर लिया है।

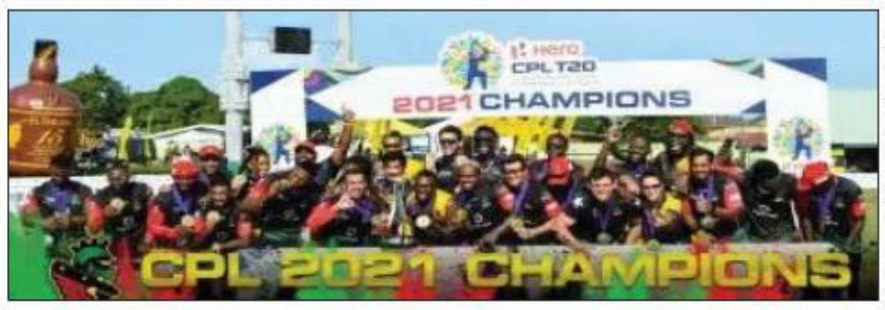

किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 20 ओवर में सात विकेट पर 159 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पेट्रियट्स की टीम ने डॉमिनिक के 24 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 48 रनों की पारी के दम पर 20 ओवर में सात विकेट पर 160 रन बनाकर मैच तथा खिताब जीत लिया। किंग्स की ओर से वहाब रियाज ने दो विकेट लिए जबकि रोस्टन चेज, अलजारी जोसफ, डेविड वाएसे और केसरिक विलियम्स ने एक-एक विकेट लिया। पेट्रियट्स की ओर से डॉमिनिक के अलावा जोशुआ डी सिल्वा ने 37, शेरफाने रुर्थफोर्ड ने 25 और फैबियन एलेन ने 20 रनों का योगदान दिया। इससे पहले, किंग्स की पारी में रहकीम कॉर्नवाल ने 43, चेज ने 43, कीमो पॉल ने 39 और टिम डेविड ने 10 रन बनाए। पेट्रियट्स की ओर से फवाद अहमद और नसीम शाह ने दो-दो विकेट लिए जबकि एलेन, ड्रेक्स और जोन-रस जागेसर को एक-एक विकेट मिला।

एडिनबर्ग टी20: स्कॉटलैंड ने जिम्बाब्वे को पहले टी20 में दी शिकस्त

एडिनबर्ग (एजेंसी)।

रिची बेरिंगटन (नाबाद 82) की शानदार पारी और साफयान शरीफ (4/24) के शानदार गेंदबाजी के दम पर स्कॉटलैंड ने यहां ग्रैंज क्रिकेट कल्ब में खेले गए तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में जिम्बाब्वे को सात रनों से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

स्कॉटलैंड के कप्तान काइल कोएत्जर ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और टीम ने 20 ओवर में छह विकेट पर 141 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 134 रन ही बना सकी। बेरिंगटन ने स्कॉटलैंड की ओर से 61 गेंदो में सात चौकों और तीन छक्कों की मदद से सर्वाधिक नाबाद 82 रन बनाए जबकि बाकी के बल्लेबाजों का बल्ला खामोश रहा। जिम्बाब्वे की ओर से तेंदई चतरा और ल्यूक जोंगवे ने दो-दो विकेट लिए जबकि

वेलिंगटन मसाकाद्जा और रिचर्ड नगारवा ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

जिम्बाब्वे की ओर से मिल्टन शुम्बा ने सर्वाधिक 30 गेंदो में पांच चौकों और एक छक्कों कि मदद से 45 रन बनाए जबकि सिन विलियम्स ने 28 और कप्तान क्रेग एर्विन ने 26 रनों का योगदान दिया पर टीम को मैच जीताने में नाकामयाब रहे। शरीफ ने 24 रन देकर 4 विकेट लिए और स्कॉलैंड की जीत में अहम भूमिका निभाई। शरीफ के अलावा अलास्डेयर इवांस वेस्ले मधेवेरे, क्रिस सोल, मार्क वाट और ओली हैरिस ने एक-एक विकेट अपने नाम किए। अब दोनो टीमों के बीच अगला मुकाबला 17 सितम्बर को खेला जाएगा।

नखरे दिखाना भारी पड़ा मनिका बत्रा को, एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में नहीं हुई शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा को 28 सितंबर से दोहा में होने वाली एशियाई चैम्पियनशिप के लिये भारतीय टीम में नहीं चुना गया क्योंकि उन्होंने सोनीपत में अनिवार्य राष्ट्रीय शिविर में हिस्सा नहीं लिया था।

दुनिया की 56वें नंबर की खिलाड़ी की अनुपस्थिति में 97वीं रैंकिंग की सुतिर्था मुखर्जी महिला टीम की अगुआई करेंगी। टीम में दो अन्य सदस्य अयहिका मुखर्जी (131वीं रैंकिंग) और अर्चना कामत (132वीं रैंकिंग) हैं।

अनुभवी शरत कमल (33वीं रैंकिंग) पुरूष चुनौती की अगुआई करेंगे जिसमें जी साथियान (38वीं रैंकिंग), हरमीत देसाई (72वीं रैंकिंग), मानव ठक्कर (134वीं रैंकिंग) और सानिल शेट्टी (247वीं रैंकिंग) शामिल हैं।

चीन की मजबूत टीम इस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले रही है जिससे पुरूष टीम स्पर्धा में पदक की उम्मीद है। एकल और युगल प्रतियोगिता भी इसमें आयोजित की जायेगी।

भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) ने स्पष्ट किया था कि जो खिलाड़ी शिविर का हिस्सा नहीं बनेगा, उसके नाम पर चयन के लिये विचार नहीं किया जायेगा। टीम का चयन बुधवार को किया गया और इसे टीटीएफआई की वेबसाइट पर सार्वजनिक किया गया।

टोक्यो ओलंपिक के बाद महासंघ ने शिविर में उपस्थिति अनिवार्य कर दी थी।मनिका ने महासंघ को सूचित किया था कि वह पुणे में अपने निजी कोच के साथ ट्रेनिंग जारी रखना चाहेंगी।

खेल रत्न पुरस्कार हासिल कर चुकी मनिका ने राष्ट्रीय कोच सौम्यदीप रॉय पर मैच फिक्सिंग के आरोप लगाये थे कि उन्होंने ओलंपिक क्वालीफायर के दौरान उनसे अपने मैच को गंवाने को कहा था। टीटीएफआई ने आरोपों की जांच के लिये जांच पैनल गठित किया है।

साथियान, हरमीत देसाई और सुतिर्था विभिन्न कारणों से राष्ट्रीय शिविर से देर से जुड़े थे। साथियान पोलैंड में खेल रहे थे, हरमीत जर्मनी में थे जबकि सुतिर्था को बुखार था।

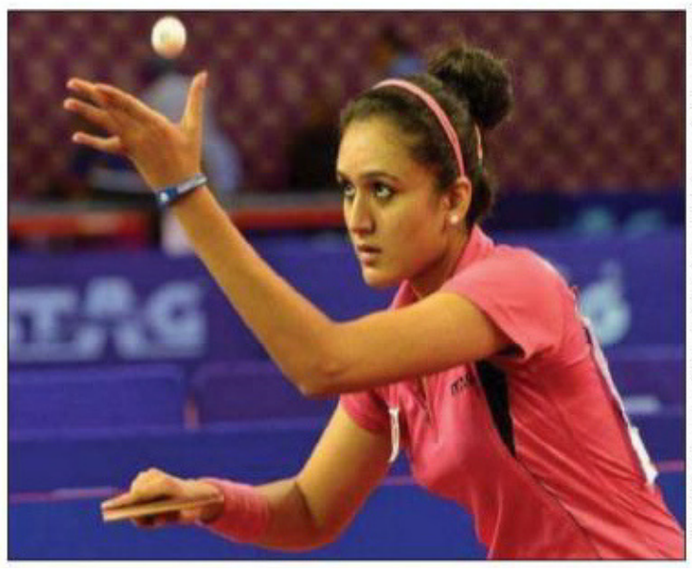

उम्मीद है मणिपुर के और भी युवा हॉकी से जुड़ेंगे : नीलकांत

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर नीलकांत शर्मा को उम्मीद है कि मणिपुर के और भी युवा हॉकी से जुड़ेंगे।

करीब चार दशक पहले पंगामबम निलकोमोल सिंह मणिपुर के पहले हॉकी ओलंपियन थे। राज्य के पांच पुरुष खिलाड़ियों ने टीम इंडिया का ओलंपिक में प्रतिनिधित्व किया है। निलकोमोल 1984 लॉस एंजिलस, थोएबा सिंह 1988, कोठाजीत खाडांगबम 2012 और 2016, चिंगेलंसाना कांगुजाम 2016 और नीलकांत 2021 में भारतीय पुरुष हॉकी टीम का हिस्सा रहे जिसने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता।

नीलकांत ने कहा, मेरा मानना है कि मेरे लिए यहां से अपने खेल में सुधार करने और टोक्यो में इस प्रदर्शन को आगे बढ़ाने की काफी गुंजाइश है। कांस्य पदक जीतना एक अविश्वसनीय एहसास था और मुझे अपने पूरे करियर में मणिपुर के लोगों से बहुत प्यार मिला है। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से मणिपुर हॉकी के आगे बढ़ने की काफी संभावनाएं हैं। राज्य में काफी अच्छी चीजें हो रही हैं और अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। मुझे उम्मीद है कि टोक्यो में मेरे प्रदर्शन ने मेरे राज्य के और युवाओं को हॉकी खेलने के लिए प्रेरित किया होगा। नीलकांत का मानना है कि 2022 में एक महत्वपूर्ण कैलेंडर वर्ष से पहले उनके लिए अभी भी बहुत कुछ सुधार करना बाकी है।

डुरंड कप: जमशेदपुर एफसी और एफसी गोवा होंगे आमने सामने

कोलकाता। आईएसएल की दो टीमें जमशेदपुर एफसी और एफसी गोवा का सामना ग्रुप बी के मैच में 130वें डुरंड कप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने की होड़ में बने रहने के लिए शुक्रवार को विवेकानंद युवा भारती क्रिरांगन (वीवाईबीके) में होगा। ग्रुप बी एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जमशेदपुर एफसी और आर्मी ग्रीन दोनों टीमों के पास तीन-तीन अंक है और दोनो टीमों ने एक मैच जीता है और एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। अब जमशेदपुर को केवल जीत ही क्वार्टर फाइनल में जगह सुरक्षित करने का मौका दे सकती है।

दूसरी ओर, आर्मी ग्रीन को सुदेवा दिल्ली एफसी के खिलाफ अपना मैच हारना होगा क्योंकि उन्हें जमशेदपुर के खिलाफ आमने-सामने के रिकॉर्ड में फायदा है, जहां उन्होंने जमशेदपुर को 3-1 से हराया था। अगर दोनो टीमों का मुकाबला ड्रा रहा तो जमशेदपुर नॉकआउट में जाएगा। मैच से पहले जमशेदपुर एफसी के कोच नोएल विल्सन ने कहा, गोवा निश्चित रूप से इस टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीम है और यह मेरे खिलाड़ियों के लिए अनुभव प्राप्त करने में मदद करेगा साथ-साथ यह भी बताएगा कि वह कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं।

विल्सन ने कहा, यह हमारे युवा खिलाड़यों के लिए एक अवसर है क्योंकि उनकी उम्र में, हर किसी को आईएसएल टीम में खेलने का मौका नहीं मिलता है। मुझे उम्मीद है कि युवा इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएगें और अच्छा परिणाम प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। एफसी गोवा दो मैचों में छह अंकों के साथ ग्रुप बी में शीर्ष पर है। नॉकआउट चरण से पहले वह जीत की लय को बनाए रखने की पूरी कोशिश करेंगे। जमशेदपुर के खिलाफ मैच में प्रयोग के विषय पर बोलते हुए एफसी गोवा के कोच, जुआन फेरांडो फेनोल ने कहा, हम बहुत अधिक प्रयोग नहीं करना चाहते हैं क्योंकि यह हमारी प्री-सीजन तैयारी है और यह एक निश्चित में काम करने का समय है। बेशक, हमारी अलग-अलग योजनाएं होंगी क्योंकि हम एक अलग प्रतिद्वंद्वी के साथ खेलेंगे लेकिन यह समय प्रयोग का नहीं है। ग्रुप बी की विजेता टीम 24 सितंबर को मोहन बागान मैदान में तीसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में ग्रुप सी की दूसरी टीम से भिड़ेगी।

चैंपियंस लीग: रियल मेड्रिड ने इंटर मिलान को दी शिकस्त

लंदन। रियल मेड्रिड ने यूएफा चैंपियंस लीग के ग्रुप डी मुकाबले में इंटर मिलान को 1-0 से शिकस्त दी है। रियल मेड्रिड जिन्होंने चैंपियंस लीग 13 बार जीता है उसे एकमात्र गोल करने के लिए 89वें मिनट तक का इंतजार करना पड़ा। रियल मेड्रिड ने आखिरी बार 2017-18 के सीजन में इसका खिताब जीता था। इससे पहले, रियल मेड्रिड और इंटर मिलान के बीच पहले हॉफ तक मुकाबला गोल रहित रहा। दूसरे हॉफ में भी दोनों टीमों ने गोल करने की तमाम कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। मैच के 89वें मिनट में रॉड्रिगो के महत्वपूर्ण गोल ने रियल मेड्रिड को 1-0 की बढ़त दिलाई। इंटर मिलान की टीम निर्धारित समय तक बढ़त हासिल नहीं कर सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा। रियल मेड्रिड को इस जीत से तीन अंक मिले।

इस साल आईपीएल में दर्शकों के वापस आने से काफी उत्साहित : मोर्गन

दुबई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान इयोन मोर्गन ने आईपीएल 2021 के दूसरे चरण में दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश करने की मंजूरी देने पर खुशी जाहिर की है। दर्शकों को सीमित संख्या में शामिल होने की मंजूरी देने की घोषणा बुधवार को की गई थी। इस दौरान कोरोना प्रोटोकॉल और यूएई सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन किया जाएगा। मोर्गन ने कहा, हम लोग काफी उत्साहित हैं कि इस साल आईपीएल में दर्शक वापस आ रहे हैं। काफी लंबा वक्त हो गया है जब ईडन गार्डन में केकेआर के दर्शकों की आवाज नहीं सुनी है। दर्भाग्य से यह घर नहीं है लेकिन मैं यहां यूएई में दर्शकों की आवाज सुनने का इंतजार नहीं कर पा रहा हूं। मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने भी इस कदम का स्वागत किया है और उन्हें भरोसा है कि दर्शकों के समर्थन से टीम को प्लेऑफ में पहुंचने में मदद मिलेगी।